THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

'कुछ लोग देश को तोड़ने की कोशिश में लगे हैं'

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ संशोधन बिल पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट पेश की गई, जिसके बाद विपक्षी दलों ने विरोध जताते हुए हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने रिपोर्ट को एकतरफा बताते हुए वॉकआउट किया तो केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि ये व्यवहार गैर जिम्मेदाराना है। जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष ने आज सदन से वॉकआउट किया है, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि सुबह से ही सभापति ने विपक्ष को पूरी तत्परता के साथ अपनी बात रखने का मौका दिया। उन्होंने इस दौरान विपक्षी सदस्यों को उनके बिंदुओं और चिंताओं को चर्चा में लाने की पूरी स्वतंत्रता दी।

वर्ष-29 अंक : 323 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन कृ.2 2081 शुक्रवार, 14 फरवरी-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

वक्फ विधेयक

दोनों सदनों में जेपीसी की रिपोर्ट पेश

(फाइल फोटो)

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के वर्तमान बजट सत्र के पहले चरण का आज आखिरी कामकाजी दिन है। इस दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा के पटल पर रखी गई। लोकसभा में इसे दोपहर दो बजे के बाद पेश किया गया, जबकि राज्यसभा में दिन की कार्यवाही शुरू होते वक्त ही इसे पटल पर रखा गया था। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने विधेयक से संबंधित रिपोर्ट और साक्ष्यों का रिकॉर्ड सदन के पटल पर रखा।

इससे पहले राज्यसभा में रिपोर्ट पेश होने के बाद विपक्षी दलों के भारी हंगामा शुरू कर दिया। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ ही देर बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मेधा विश्राम कुलकर्णी ने समिति की रिपोर्ट सदन में पेश की। रिपोर्ट पेश होते ही कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दल सहित कुछ अन्य दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा कर रहे सांसद आसन के निकट आ गए और नारेबाजी करने लगे। हंगामे के बीच ही सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह राष्ट्रपति का एक संदेश सदन में पेश करना चाहते हैं। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने स्थानों पर लौट जाने और सदन में व्यवस्था बनाने की अपील की। हालांकि, इसके बावजूद हंगामा जारी रहा। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कुछ कहना चाहते थे, लेकिन सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी। धनखड़ ने कहा कि भारत की प्रथम नागरिक और राष्ट्रपति पद पर आसीन पहली आदिवासी महिला का संदेश है यह और इसे सदन में पेश न होने देना उनका अपमान होगा। धनखड़ ने हंगामा कर रहे सांसदों से व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और उन्हें कार्रवाई की चेतावनी भी दी। हंगामा जारी रहते देख उन्होंने 11 बजकर 09 मिनट पर सदन की कार्यवाही 11 बजकर 20 मिनट तक स्थगित कर दी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, वक्फ बोर्ड पर जेपीसी रिपोर्ट से कई सदस्य असहमत हैं। उन नोटों को हटाना और हमारे विचारों को दबाना सही नहीं है। यह लोकतंत्र के खिलाफ है। असहमति रिपोर्ट को हटाने के बाद पेश की गई किसी भी रिपोर्ट की मैं निंदा करता हूं। हम ऐसी फर्जी रिपोर्ट को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अगर रिपोर्ट में असहमति के विचार ही नहीं हैं, तो उसे वापस भेजा जाना चाहिए और फिर से पेश किया जाना चाहिए।

संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट बीती 30 जनवरी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सौंपी गई थी। समिति की 655 पृष्ठों वाली इस रिपोर्ट को बहुमत से स्वीकार किया गया था। रिपोर्ट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों की ओर से सुझाए गए सुझाव शामिल हैं। विपक्षी सांसदों ने इसे असंवैधानिक करार दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा। भाजपा सांसदों ने इस बात पर जोर दिया था कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का प्रयास करेगा।

संसद में जमकर हुई तकरार लोकसभा में शाह ने संभाला मोर्चा

> राज्यसभा में रिजिजू का आश्वासन

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश की डुमरियागंज से निर्वाचित भाजपा सांसद और संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख जगदंबिका पाल ने सदन के पटल पर जेपीसी की रिपोर्ट पेश की। इसके बाद भारत माता की जय के नारे भी लगे। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि स्पीकर को रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा रखने या हटाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्यप्रणाली और नियमावली को देखते हुए नीर-क्षीर विवेक के आधार पर स्पीकर को फैसला करना है, जिस पर भाजपा को कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद स्पीकर ओम बिरला ने भी कहा कि विपक्षी सांसदों की असहमतियों और सभी बयानों को संसदीय नियमावली के आलोक में जेपीसी की रिपोर्ट के साथ संलग्न किया गया है।

सरकार पर असहमति के स्वर को जगह नहीं देने का आरोप :

राज्यसभा में जेपीसी रिपोर्ट मेधा कुलकर्णी ने पेश की। रिपोर्ट पेश होने के बाद नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इससे कई सदस्य असहमत हैं। खड़गे ने जेपीसी की रिपोर्च को फर्जी और अलोकतांत्रिक करार दिया। उन्होंने कहा कि बाहर से सदस्यों को आमंत्रित कर बयान दर्ज किए जा रहे हैं। ऐसी असंसदीय रिपोर्ट को सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। खरगे ने कहा कि अगर रिपोर्ट में असहमति के स्वर को जगह नहीं दी गई है तो ऐसी स्थिति में इसे अस्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट को हर हाल में वापस किया जाना चाहिए।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में केंद्र सरकार ने गुरुवार को राष्ट्रपति शासन लगा दिया है। 9 फरवरी को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपना इस्तीफा गवर्नर को सौंप दिया था। बता दें कि बीरेन सिंह पर राज्य में 21 महीने (3 मई 2023) से जारी जातीय हिंसा के चलते इस्तीफे का काफी दबाव था। विपक्षी पार्टियां भी लगातार एनडीए से इस मुद्दे पर सवाल पूछ रही थीं।

हमारी मांग अलग प्रशासन की

कूकी समुदाय की संस्था आईटीएलएफ के प्रवक्ता गिन्जा वूलजोंग ने कहा-बीरेन सिंह ने मणिपुर विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव में हार के डर से इस्तीफा दिया है। हाल ही में उनका एक ऑडियो टेप लीक हुआ था, जिसका संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया है। ऐसे में अब भाजपा के लिए भी उन्हें बचाना मुश्किल लग रहा है। बिरेन चाहे मुख्यमंत्री रहें या नहीं, हमारी मांग अलग प्रशासन की है। मैतेई समुदाय ने हमें अलग किया है। अब हम पीछे नहीं हट सकते। बहुत खून बह चुका है। एक राजनीतिक हल ही हमारी मुसीबत का समाधान कर सकता है। कूकी समुदाय अलग प्रशासन की मांग को लेकर अब भी जस का तस कायम है।

राहुल बोले-पीएम को तुरंत मणिपुर जाना चाहिए

एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राहुल गांधी ने कहा कि हिंसा, जान-माल के नुकसान के बावजूद पीएम मोदी ने एन बीरेन सिंह को पद पर बनाए रखा। लेकिन अब लोगों की तरफ से बढ़ते दबाव, सुप्रीम कोर्ट की जांच और कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव की वजह से एन बीरेन सिंह इस्तीफा देने को मजबूर हो गए। एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा कि इस वक्त सबसे जरूरी बात यह है कि राज्य में शांति बहाल की जाए और मणिपुर के लोगों के घावों को भरने का काम किया जाए। पीएम मोदी को तुरंत मणिपुर जाना चाहिए, वहां के लोगों की बात सुननी चाहिए और यह बताना चाहिए कि वे हालात सामान्य करने के लिए क्या योजना बना रहे हैं। दिसंबर 2024 को मणिपुर के बीरेन सिंह ने राज्य में हुई हिंसा और उसमें हुई जनहानि को लेकर माफी मांगी थी। बीरेन सिंह ने कहा था कि पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। इसका मुझे बहुत दुख है। 3 मई 2023 से लेकर आज तक जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए मैं राज्य के लोगों से माफी मांगता हूं।

सेना बोली-पाकिस्तान बॉर्डर पर युद्धविराम लागू

श्रीनगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्धविराम लागू है। दोनों सेना (भारत और पाकिस्तान) आपसी समझ बनाए हुए हैं। फिलहाल एलओसी पर कोई गोलीबारी नहीं हुई। कोई छोटी घटनाएं भी नहीं हुईं। पाकिस्तान आर्मी के अफसरों से इस मसले पर बात हो चुकी है। इंडियन आर्मी अलर्ट है और हालात पर नजर रखे हुए है।

इससे पहले खबर आई थी कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में (एनओसी) पर बुधवार देर रात पाकिस्तान सैनिकों ने सीजफायर तोड़ा। पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में गोलीबारी की गई, हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी गोलीबारी का भारतीय सेना ने भी जवाब दिया। आर्मी सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना के जवाबी हमले में पाकिस्तान के कई सैनिकों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं, सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी अधिकारियों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपने सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए दिख रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में 6 लोगों के मारे जाने की बात कही गई।

सुप्रीम आदेश-एनआईए जांच में अदालती हस्तक्षेप नहीं

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक से जुड़े एक मुकदमे पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच में अदालत हस्तक्षेप नहीं करेगी। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार और कर्नाटक हाईकोर्ट को यह निर्देश भी दिया कि गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत दर्ज होने वाले मामलों पर त्वरित सुनवाई के लिए तीन महीने में और अदालतों का गठन किया जाए। तीन माह के भीतर कोर्ट बनाने का निर्देश देते हुए अदालत ने कहा कि कर्नाटक में यूएपीए मामलों की सुनवाई करने वाली अदालतों की कमी के कारण मामले में सुनवाई शुरू होने में अत्यधिक देरी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट और राज्य में मुख्यमंत्री

सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को तय समयसीमा के भीतर अदालतों की स्थापना का निर्देश दिया और कहा कि मामलों का तेजी से निष्पादन हो सके, इसलिए ऐसा 3 महीने की अवधि के भीतर किया जाएगा। शीर्ष अदालत में जस्टिस बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा की खंडपीठ ने गुरुवार को पारित अपने अहम फैसले में कहा, सुप्रीम कोर्ट 2020 के बेंगलूरू दंगों की एनआईए जांच में हस्तक्षेप नहीं करेगी। इस मुकदमे में एसडीपीआई (सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया) से जुड़े शब्बर खान समेत कई आरोपियों ने जमानत भी मांगी, अदालत ने जमानत देने से भी इनकार कर दिया। शब्बर के खिलाफ आरोप है कि उन्होंने भीड़ के साथ मिलकर अगस्त, 2020 में मोटरसाइकिल को आग लगाई।

आपने इतने साल शासन किया, अब आप ही सांसदों के अधिकार छीन रहे : ओम बिरला

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को सदन में नारेबाजी कर रहे कांग्रेस सांसदों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा, आपकी पार्टी ने देश में लंबे समय शासन किया है। अब आप ही नियोजित तरीके से हंगामा करके सदस्यों का अधिकार छीनना चाहते हैं। दरअसल, कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सांसद अदाणी समूह से संबंधित एक खबर को लेकर सदन में हंगामा कर रहे थे। बिरला का कहना था, मैंने कहा है कि दोपहर 12 बजे विषय को रखने देंगे, लेकिन आप चर्चा नहीं चाहते। आप महत्वपूर्ण विषयों को सदन में नहीं लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल में सरकार की जवाबदेही तय होती है। यह सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। आप सदस्यों का अधिकार छीनना चाहते हैं। विपक्षी सदस्यों ने जिस खबर को लेकर हंगामा किया, उसमें दावा किया गया है कि सरकार ने गुजरात में अदाणी समूह के नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के लिए मार्ग प्रशस्त करने के मकसद से पाकिस्तान सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल में ढील दी है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने इस कारोबारी समूह को फायदा पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला है।

वित्त मंत्री निर्मला ने पेश किया नया आयकर बिल

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश किया और अध्यक्ष ओम बिरला से इसे सदन की प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक को प्रस्तुत करने के दौरान इसका विरोध किया, लेकिन सदन ने इसे प्रस्तुत करने के लिए ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर दिया।

विधेयक को पेश करते हुए सीतारमण ने बिरला से आग्रह किया कि वे मसौदा कानून को सदन की प्रवर समिति को भेजें, जो अगले सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने अध्यक्ष से प्रस्तावित पैनल की संरचना और नियमों पर निर्णय लेने का आग्रह किया। बहुप्रतीक्षित विधेयक में "कर निर्धारण वर्ष" और "पूर्व वर्ष" जैसे शब्दों के स्थान पर "कर वर्ष" जैसे सरलीकृत शब्द रखे जाएंगे, जो कि आयकर कानून की भाषा को सरल बनाने बनाएगा। इसके साथ ही नए कानून से अनावश्यक प्रावधान और स्पष्टीकरण भी हट जाएंगे।आयकर

कानूनों को सरल बनाने के लिए नया कानून बनाने का एलान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी 2025 के अपने बजट भाषण में किया था। इस विधेयक को केंद्रीय कैबिनेट की भी मंजूरी मिल चुकी है। लोकसभा में पेश होने वाला नए आयकर विधेयक में 536 धाराएं है। इसमें 23 अध्याय है और यह 622 पन्नों का है। इस विधेयक के पारित होने के बाद नया आयकर कानून अधिक व्यवस्थित और वर्तमान कानून की तुलना में सरल होगा। एक बार कानून बनने के बाद आयकर विधेयक 2025 छह दशक पुराने आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। पहले का कानून समय के साथ और विभिन्न संशोधनों के बाद काफी जटिल हो गया है, इसलिए इसकी जगह नया आयकर विधेयक लाया जा रहा है।

सरकार की ओर से प्रस्तावित नए कानून में, आयकर अधिनियम, 1961 में उल्लिखित 'पिछले वर्ष' (एफवाई) शब्द को बदलकर 'कर वर्ष' कर दिया गया है। इसके साथ ही, मूल्यांकन वर्ष (एवाई) की अवधारणा को समाप्त कर दिया गया है।

नए कानून में कर निर्धारण वर्ष की अवधारणा होगी समाप्त :

वर्तमान में, पिछले वर्ष (2023-24) में अर्जित आय के लिए, कर का भुगतान निर्धारण वर्ष (2024-25) में किया जाता है। इस नये विधेयक में पिछले वर्ष और निर्धारण वर्ष की अवधारणा को हटा दिया गया है और सरलीकृत विधेयक में केवल कर वर्ष की बात कही गई है। आयकर विधेयक, 2025 में 536 धाराएं शामिल हैं, जो वर्तमान आयकर अधिनियम, 1961 के 298 धाराओं से अधिक हैं। मौजूदा कानून में 14 अनुसूचियां हैं जो नए कानून में बढ़कर 16 हो जाएंगी।

हालांकि, नए आयकर विधेयक में भी वर्तमान कानून की तरह ही अध्यायों की संख्या 23 ही रखी गई है। जबकि पृष्ठों की संख्या काफी कम होकर 622 हो गई है, जो वर्तमान के भारी-भरकम अधिनियम का लगभग आधा है। वर्तमान में जो कानून अमल में है, उसमें पिछले छह दशकों के दौरान किए गए संशोधन शामिल हैं। जब आयकर अधिनियम, 1961 लाया गया था, तो इसमें 880 पृष्ठ थे।

केरल विधानसभा में भिड़े स्पीकर और नेता विपक्ष

तिरुवनंतपुरम, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के नेतृत्व वाली विपक्षी यूडीएफ ने गुरुवार को केरल विधानसभा की कार्यवाही को बाधित करते हुए आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के नेता वीडी सतीशन के भाषण को बाधित किया और एलडीएफ सरकार ने राज्य के बजट में एससी/एसटी समुदायों के लिए आवंटन कम कर दिया। इस हंगामे के बाद, अध्यक्ष एएन शमसीर ने कई विधेयकों को पारित करके समय से पहले काम पूरा करने के बाद विधानसभा को स्थगित कर दिया। राज्य के बजट में एससी/एसटी समुदायों के लिए धन के आवंटन में कथित कमी पर विपक्ष की तरफ से पेश किए गए स्थगन प्रस्ताव के दौरान, सतीशन ने स्पीकर पर विधानसभा में अपने भाषण को 'बाधित' करने का आरोप लगाया। हालांकि, अध्यक्ष एएन शमसीर ने आरोप से इनकार करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता को पहले नौ मिनट तक बिना किसी रुकावट के बोलने की अनुमति दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की ईडी को फटकार : दहेज विरोधी कानून से की धन शोधन निवारण अधिनियम की तुलना

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने एक आरोपी को जेल में रखने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम का प्रयोग करने पर प्रवर्तन निदेशालय को फटकार लगाई है और इसके साथ ही सवाल किया है कि क्या दहेज कानून की तरह इस प्रावधान का भी 'दुरूपयोग' किया जा रहा है?

छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी अधिकारी को दी जमानत :

मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी अधिकारी अरुण पति त्रिपाठी को जमानत देते हुए यह टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि अगर शिकायत पर संज्ञान लेने वाले अदालती आदेश को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की तरफ

से रद्द कर दिया गया था, तो आरोपी को हिरासत में कैसे रखा गया। पीठ ने पूछा, पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) की अवधारणा यह नहीं हो सकती कि व्यक्ति को जेल में रहना चाहिए। यदि संज्ञान रद्द होने के बाद भी व्यक्ति को जेल में रखने की प्रवृत्ति है, तो क्या कहा जा सकता है? देखिए 498ए मामलों में क्या हुआ, पीएमएलए का भी इसी तरह दुरूपयोग किया जा रहा है? भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए विवाहित महिलाओं को उनके पतियों और उनके रिश्तेदारों की तरफ से क्रूरता से बचाती है।

सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि तकनीकी आधार पर बदमाश बच नहीं सकते। राजू ने कहा कि मंजूरी के अभाव में संज्ञान रद्द किया गया था और यह जमानत के लिए अप्रासंगिक था। मामले में निराशा व्यक्त करते हुए पीठ ने कहा, यह चौंकाने वाला है कि ईडी को पता है कि संज्ञान रद्द कर दिया गया था, फिर भी इसे दबा दिया गया। हमें अधिकारियों को तलब करना चाहिए। ईडी को साफ-साफ बताना चाहिए। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा, हम किस तरह के संकेत दे रहे हैं? संज्ञान लेने का आदेश रद्द कर दिया गया है और व्यक्ति हिरासत में है।

शीर्ष अदालत पूर्व आबकारी अधिकारी अरुण पति त्रिपाठी की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें राज्य में हाई-प्रोफाइल शराब घोटाले के सिलसिले में उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था।

दलाई लामा और संबित पात्रा को जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को अब जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा मिलेगी। गृह मंत्रालय ने खुफिया विभाग (आईबी) की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया है। लगभग 30 सीआरपीएफ कमांडो की एक टीम दलाई लामा को सुरक्षा प्रदान करेगी। इसके अलावा पुरी से सांसद संबित पात्रा को भी मणिपुर में जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। पात्रा मणिपुर में भाजपा के प्रभारी हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा शाखा को 89 वर्षीय नेता दलाई लामा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया है। दलाई लामा को देश के सभी हिस्सों में सीआरपीएफ कमांडो के जेड-श्रेणी सुरक्षा कवर द्वारा सुरक्षित किया जाएगा। अभी तक दलाई लामा के पास हिमाचल प्रदेश पुलिस का एक छोटा सा सुरक्षा कवर था। जब वह दिल्ली या किसी अन्य स्थान की यात्रा करते थे तो स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाती थी। सरकार ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की समीक्षा के बाद उन्हें एक समान सुरक्षा कवर प्रदान किया है।

सन 1935 में ल्हामो थोंडुप के रूप में जन्मे दलाई लामा को दो साल की उम्र से ही अपने पूर्ववर्ती तिब्बती धर्मगुरु का पुनर्जन्म माना गया है। उन्हें सन् 1940 में तिब्बत की राजधानी ल्हासा में 14वें दलाई लामा के रूप में तिब्बती धर्मगुरु की मान्यता दी गई थी। सन् 1950 में चीन ने तिब्बत पर हमला किया। दलाई लामा सन् 1959 में चीन के खिलाफ एक विद्रोह के असफल होने के बाद भारत आ गए थे। तब से वे हिमाचल प्रदेश के शहर धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं। सन् 1989 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दलाई लामा ने मॉनेस्टिक शिक्षा प्राप्त की है और वह सालों से तिब्बतियों को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत हैं।

'टेबल होने दीजिए फिर देखते हैं'

वक्फ बिल पर जेपीसी की रिपोर्ट पर डिंपल यादव ने सरकार को चेताया!

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट बृहस्पतिवार को लोकसभा पटल पर रखी जाएगी। लोकसभा की कार्यवाही सूची के अनुसार, समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल विधेयक से संबंधित रिपोर्ट और साक्ष्यों का रिकॉर्ड सदन के पटल पर रखेंगे। इससे पहले यह रिपोर्ट राज्यसभा के पटल पर रखी गई। जहां जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में रिपोर्ट पेश होने से पहले समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने प्रतिक्रिया दी है। वक्फ बिल पर जेपीसी की रिपोर्ट पर सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, हम इस बिल का विरोध करते हैं। पूरा विपक्ष एक साथ है। सत्ता पक्ष के भी कुछ गुट इस मुद्दे पर हमारे साथ हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पहले रिपोर्ट टेबल होने दीजिए। फिर देखते हैं।

महिला वकील की कुछ लोगों से मारपीट चले लात-घूंसे, चेहरे पर दिखा खून

गाजियाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एक महिला अधिवक्ता और कुछ लोगों के बीच मारपीट के तीन वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। जिसमें एक वीडियो में महिला अधिवक्ता एक शख्स का कॉलर पकड़कर उसे लात से मारती दिख रही है तो वहीं एक वीडियो में उसके चेहरे से खून निकलता दिखाई दे रहा है। ये वीडियो मोहन नगर थाना साहिबाबाद का बताया जा रहा है। दोनों पक्षों के बीच विवाद किसी क्लाइंट को लेकर हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गाजियाबाद के थाना साहिबाबाद क्षेत्र में स्थित मोहन नगर में मंगलवार को राज्य जीएसटी विभाग के दफ्तर में एक महिला अधिवक्ता का कुछ लोगों के साथ विवाद हो गया था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो उसी घटना के बताए जा रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक जगह महिला वकील ने शख्स का कॉलर पकड़ा हुआ है

मंडी गोबिंदगढ़ में ट्रक ने स्कूटी सवार महिला और बच्चे को कुचला, दोनों की मौत

फतेहगढ़, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ वीरवार भयानक सड़क हादसा हुआ है। हादसे में दो लोगों की मौत की सूचना है। मंडी गोबिंदगढ़ के बैंक ऑफ इंडिया सर्विस रोड के सामने एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार महिला और उसके बच्चे को कुचल दिया। इस हादसे में महिला और बच्चे की मौत हो गई। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। इस दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आनन-फानन में पुलिस को हादसे की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

देश की सुरक्षा से हो रहा समझौता?

अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर दी जा रही अडानी को जमीन, राहुल गांधी ने सांसदों से पूछा- क्या मुद्दा उठाना चाहिए?

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर उद्योगपति अडानी को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस के सांसद और राज्यसभा के उपनेता प्रमोद तिवारी ने जहां एक तरफ अडानी को 23000 हेक्टेयर अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर की जमीन दी जाने की बात उठाई है। वहीं, दूसरी तरफ राहुल गांधी ने लोकसभा सांसदों की बैठक में पूछा कि क्या यह मुद्दा उठाया जाना चाहिए। हाल ही में सांसद और राज्यसभा के उप नेता राज्यसभा प्रमोद तिवारी का बड़ा बयान सामने आया है। प्रमोद तिवारी ने कहा, क्या मोदी सरकार देश की सुरक्षा से समझौता कर रही है? 23000 हेक्टेयर अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर की जमीन अडानी समूह को दी जा रही है। सुरक्षा नियमों की अनदेखी हो रही है और बॉर्डर से सिर्फ 1 किलोमीटर बाद अडानी का प्रतिष्ठान होगा।

कांग्रेस ने बीजेपी पर उठाए कई सवाल

इसी के साथ प्रमोद तिवारी ने केंद्र सवाल को घेरते हुए कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली यह सौदेबाजी किसके इशारे पर हो रही है? क्या मोदी सरकार अडानी के लिए देश की सुरक्षा को भी कुर्बान कर रही है? केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सांसद ने नियमों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने बॉर्डर के नजदीक निर्माण को लेकर नियम भी बताए। उन्होंने कहा, नियम क्या कहता है?

अंतरराष्ट्रीय सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में सड़क और गांव को छोड़कर कोई निर्माण नहीं हो सकता। लेकिन मोदी सरकार ने सुरक्षा नियमों को ताक पर रख दिया, जिससे भारत की सीमाएं असुरक्षित हो सकती हैं! राहुल गांधी ने सांसदों से पूछा, मुद्दा उठाना चाहिए?

इसी के साथ जहां एक तरफ कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने अडानी को लेकर केंद्र सरकार से सवाल पूछे हैं। वहीं, दूसरी तरफ राहुल गांधी के साथ लोकसभा सांसदों की बैठक में भी राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने पूछा कि अडानी का ये मुद्दा उठाना चाहिए।

साथ ही नेता प्रतिपक्ष राहुल, उप नेता गौरव गोगोई, व्हिप माणिक टैगोर, केसी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी ने लोकसभा में बढ़िया बोलने वाले तीन सांसदों की रेटिंग की जिसमें सबसे ऊपर मणिपुर से बिमल, दूसरे नंबर पर प्रयागराज से उज्ज्वल रमण सिंह और तीसरे नंबर पर हरियाणा से वरुण चौधरी को रखा गया है। इसके अलावा राहुल ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर 14 और बजट पर 13 सांसदों ने अपनी बात चर्चा के दौरान रखी। इसी तरह आगे भी 15-15 सांसदों का पूल बनाकर सभी को बोलने का मौका दिया जाएगा, सिर्फ कुछ लोग ही नहीं बोलेंगे।

लावा और हांगकांग की कंपनी से जुड़े मामले में सुनवाई टली

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लावा कंपनी से जुड़े एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई 10 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी की पीठ ने मामले को 10 मार्च के लिए सूचीबद्ध किया है। याचिकाकर्ता कंपनी यूएनाइसी मेमोरी टेक्नोलॉजी हांगकांग लिमिटेड ने अधिवक्ता समन अहसान के माध्यम से दायर याचिका में सितंबर 2021 में सिंगापुर आर्बिट्रेशन सेंटर द्वारा पारित आदेश को लागू करने का निर्देश देने की मांग की है।

पिछली सुनवाई पर क्या हुआ था?

इस मामले में पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने लावा कंपनी से उसकी संपत्तियों, बैंक खातों और वित्तीय जानकारी की पूरी सूची पेश करने को कहा था। अदालत ने साथ ही कंपनी के प्रमुख शेयरधारकों को इन संपत्तियों का ट्रांसफर रोकने के निर्देश था। साथ ही कोर्ट ने लावा के चार हजार से अधिक शेयर व संपत्तियों को अटैच करने का भी आदेश दिया है। यूएनाइसी मेमोरी टेक्नोलॉजी हांगकांग लिमिटेड चीन के विशेष प्रशासनिक क्षेत्र हांगकांग के लिए बने कानूनों के अंतर्गत काम करती है। ये हांगकांग के रजिस्टर्ड है।

ओडिशा में खौफनाक रोड एक्सीडेंट का वीडियो आया सामने, मौके पर ही 2 की मौत, 5 घायल

मयूरभंज, 13 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले के बारिपदा में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 18 पर मंचाबंधा के पास हुआ। जानकारी के अनुसार,ऑटो और एसयूवी की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि ऑटो ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए बारिपदा अस्पताल भेज दिया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

असामाजिक तत्व ने बाबा साहब की प्रतिमा की उंगली तोड़ी, पुलिस ने शुरू की जांच, तीन महीने में दूसरी घटना

दमोह, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दमोह जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में आने वाले पटेरिया गांव में किसी असामाजिक तत्व ने बाबा साहेब डॉ। भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के हाथ की एक उंगली तोड़ दी। गुरुवार सुबह जब लोगों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त हालत में देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि तीन महीने में दमोह जिले में बाबा साहब की प्रतिमा से छेड़छाड़ की यह दूसरी घटना है। जानकारी के अनुसार पटेरिया ग्राम पंचायत भवन के बाहर डॉ। भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थित है। जहां बुधवार की रात किसी असामाजिक तत्व ने बाबा साहब के दाएं हाथ की एक उंगली तोड़ दी। सुबह जब समाज के लोगों को जानकारी मिली, तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंचकर एएसपी संदीप मिश्रा और कुम्हारी थाना प्रभारी रोहित द्विवेदी द्वारा जांच शुरू की गई।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर घोटाला

ईडी ने 30 से ज्यादा बैंक खातों में 170 करोड़ किए फ्रीज

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फॉरेक्स ट्रेडिंग और मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) के नाम पर लोगों को चूना लगाने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड और उससे जुड़ी अन्य कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच शुरू और 170 करोड़ रुपये फ्रीज किए। इसके अलावा 90 लाख रुपये नकदी में बरामद किए हैं। कंपनियों के निदेशकों में राजेंद्र सूद, विनीत कुमार और संतोष कुमार के अलावा एक मास्टरमाइंड नवाब अली उर्फ लविश चौधरी का नाम शामिल है। ईडी की टीम ने 11 फरवरी को दिल्ली, उत्तर प्रदेश के नोएडा और शामली और हरियाणा के रोहतक में विभिन्न परिसरों पर छापे मारे। इस दौरान ईडी ने 30 से ज्यादा बैंक खातों में जमा 170 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज होने के बाद ईडी ने इस घोटाले की जांच शुरू की थी। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा, 'ईडी चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने 11 फरवरी को पीएमएलए, 2002 के तहत दिल्ली, नोएडा, रोहतक और शामली (यूपी) में विभिन्न स्थानों पर क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड और अन्य के मामले में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान 90 लाख रुपये से अधिक की नकदी, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस बरामद और जब्त किए गए, इन फर्जी कंपनियों के 30 से अधिक बैंक खातों में जमा 170 करोड़ रुपये की चल संपत्ति जब्त की गई।'

आजम खान और उनके बेटे को बड़ी राहत

मशीन चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने मशीन चोरी के एक मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को जमानत दे दी है। इस मामले में जमानत से इनकार करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज हो गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश खारिज

जस्टिस एम।एम।सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। पीठ ने कहा, ''मामले के तथ्यों और परिस्थितियों जिसमें अपीलकर्ताओं द्वारा जेल में बिताई गई अवधि भी शामिल है, को ध्यान में रखते हुए हम आदेश को खारिज करने एवं अपीलकर्ताओं को जमानत देने के लिए तैयार हैं क्योंकि इस संबंध में आरोप पत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है।''

शर्तों के साथ मिली जमानत

पीठ ने 10 फरवरी के अपने आदेश में कहा, ''इसलिए आदेश को रद्द किया जाता है और अपीलकर्ताओं को उन शर्तों व नियमों के अधीन जमानत प्रदान की जाती है, जो अधीनस्थ अदालत की संतुष्टि के अनुरूप हों।'' शीर्ष अदालत ने अधीनस्थ अदालत से अपीलकर्ताओं पर यह शर्त लगाने को कहा कि वे मुकदमे की कार्यवाही खत्म होने तक सहयोग करेंगे और गवाहों को प्रभावित करने या उन्हें अपने पक्ष में करने का कोई प्रयास नहीं करेंगे। पीठ ने कहा, ''अपीलकर्ताओं पर लगाई गई किसी भी शर्त के उल्लंघन के मामले में प्रतिवादी को जमानत रद्द करने का अनुरोध करने की स्वतंत्रता भी दी जाती है।''

2022 में दर्ज हुआ था आपराधिक मामला

खान और उनके बेटे ने उच्च न्यायालय के 21 सितंबर के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था। खान, उनके बेटे और पांच अन्य के खिलाफ 2022 में आपराधिक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने सड़क साफ करने वाली मशीन चुरा ली थी, जिसे नगर पालिका परिषद, रामपुर जिले ने खरीदा था। यह भी आरोप लगाया गया था कि यह मशीन बाद में रामपुर स्थित खान के जौहर विश्वविद्यालय से बरामद की गई थी। उत्तर प्रदेश में सरकार बदलने के बाद वकार अली खान नामक व्यक्ति ने 2022 में सात लोगों के खिलाफ कोतवाली, रामपुर में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि खान एवं अन्य ने 2014 में सड़क साफ करने की सरकारी मशीन चुरा ली थी।

अमानतुल्लाह की गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक

कोर्ट ने आप विधायक को जांच में शामिल होने के लिए कहा

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट आप विधायक की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी पर 24 फरवरी तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने अमानतुल्लाह को जांच में शामिल होने के लिए कहा है। जामिया नगर में पुलिस टीम पर हमले का कथित तौर पर नेतृत्व करने के आरोप में अमानतुल्लाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान व उनके समर्थकों के खिलाफ सोमवार को पुलिस टीम पर हमला करने, दंगा

भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई अपराध शाखा की टीम की गिरफ्त से हत्या के प्रयास के आरोपी शाबाज खान को छुड़ाने पर की गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम देर शाम को पूछताछ करने विधायक के घर गई थी, लेकिन वह नहीं मिले। दरअसल अपराध शाखा की टीम जामिया नगर में बदमाश को पकड़ने गई थी। विधायक की मौजूदगी में पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अपराध शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनील कालखंडे की टीम पर हमला कर हत्या के प्रयास के आरोपी को छुड़ा लिया गया। विधायक भी उस समय वहां मौजूद थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान ने 23 हजार से ज्यादा के अंतर से जीत दर्ज की। यहां उन्होंने भाजपा के मनीष चौधरी को हराया। मनीष को कुल 65304 वोट मिले, अमानतुल्लाह को कुल 88943 वोट मिले।

महाराष्ट्र साइबर सेल ने समय रैना को भेजा दूसरा समन, कॉमेडियन के वकील ने किया था ये दावा

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। इंडियाज गॉट लेटेंट मामल में महाराष्ट्र साइबर सेल ने कॉमेडियन समय रैना को दूसरा समन भेजा है। साइबर सेल ने समय रैना को सोमवार यानी 17 फरवरी को जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए समन भेजा है। बुधवार को समय रैना की वकील ने साइबर सेल को बताया था कि समय रैना अमेरिका में हैं और 17 मार्च को लौटेंगे। दरअसल, समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में रणवीर इलाहाबादिया की अश्लील टिप्पणी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इसी बीच कॉमेडियन ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बुधवार को कहा कि उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल से शो के सभी वीडियो हटा दिए हैं। समय रैना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जो कुछ भी हो रहा है, उसे संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। समय रैना ने लिखा, मैंने अपने चैनल से 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना और अच्छा समय बिताना था। मैं सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी जांच निष्पक्ष रूप से पूरी हो।

बांसुरी स्वराज के खिलाफ मानहानि का मामला

दिल्ली की अदालत 20 फरवरी को लेगी फैसला

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत 20 फरवरी को यह तय करेगी कि आप नेता सत्येंद्र जैन द्वारा भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने बृहस्पतिवार को इस मुद्दे पर दलील सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। जैन ने आरोप लगाया है कि बांसुरी ने पांच अक्टूबर 2023 को एक टीवी चैनल पर साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, जिसे उन्होंने दावा किया कि लाखों लोगों ने देखा। उन्होंने कहा कि स्वराज ने झूठा दावा किया कि उनके घर से 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्कों के अलावा 3 करोड़ रुपये बरामद हुए। उनकी शिकायत में कहा गया है कि बांसुरी ने जैन को बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए यह टिप्पणी की थी। जैन ने कहा कि स्वराज ने उन्हें ''भ्रष्ट'' और ''धोखेबाज'' कहकर उनकी और बदनामी की।

बांसुरी स्वराज ने कही थी ये बात

बीते दिनों इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येंद्र जैन द्वारा दिल्ली की एक अदालत में उनके विरुद्ध दर्ज करायी गयी मानहानि की शिकायत 'राजनीति से प्रेरित' है। स्वराज के वकील ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल के समक्ष दलील दी कि इस मामले के तथ्य सार्वजनिक हैं और इसे मानहानि के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। वकील ने कहा, ''इस मामले में समय का बड़ा महत्व है, क्योंकि शिकायतकर्ता चुनाव लड़ रहा है। यह याचिका राजनीति से प्रेरित है और इसे राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए दायर किया गया है।''

सत्येंद्र जैन के वकीलों ने कही ये बात

जैन के वकील ने इन दलीलों का विरोध किया और कहा कि स्वराज के बयान तथ्यों के विपरीत हैं। अदालत ने मामले को 22 जनवरी के लिए स्थगित कर दिया। जैन ने आरोप लगाया कि स्वराज ने पांच अक्टूबर, 2023 को एक समाचार चैनल पर साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, जिसे लाखों लोगों ने देखा। उनकी शिकायत के अनुसार, स्वराज ने जैन के घर से 1.8 किलोग्राम सोने और सोने के 133 सिक्कों के अलावा तीन करोड़ रुपये नकद मिलने के 'झूठे दावे' किये। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि स्वराज ने उन्हें 'भ्रष्ट और धोखेबाज' बताते हुए अनुचित राजनीतिक लाभ लेने और बदनाम करने के लिए झूठे बयान दिए।

3 दिन में ही पता चल गया कि शायद हमसे गलती हो गई है

आतिशी ने क्यों कहा- दिल्ली को यूपी बना रही बीजेपी

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में बीजेपी की सरकार आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की है। उन्होंने पीसी के दौरान बीजेपी पर हमला बोला और बिजली कट को लेकर बीजेपी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, पिछले तीन दिनों से दिल्ली के अलग अलग हिस्सों से लंबे पावर कट्स की शिकायतें आ रही हैं, जिनमें मोहन गार्डन, सनलाइट कॉलोनी, राधेपुर, विकासपुरी, आनंद परबत , मलकागंज, तिलक नगर , उत्तमनगर विकास नगर एक्सटेंशन आदि इलाके शामिल हैं। उन्होंने बताया कि लोग सोशल मीडिया पर भी पोस्ट कर रहे हैं कि संगम विहार में 6 घंटे से ज्यादा के पावर कट हुए हैं। उन्होंने बीएसईएस, टाटा पावर की ऑनलाइन शिकायतें के डेटा आधार पर कहा कि, तीन दिन में पॉवर सेक्टर का चौबीस घंटे की बिजली सप्लाई का कोलैप्स होना ये दिखाता है कि आम आदमी पार्टी सरकार 24 घंटे मॉनिटरिंग करती थी और अब नहीं हो रहा है। आतिशी ने दावा किया कि लोगों को इन्वर्टर खरीदना पड़ रहा है। लोग कह रहे हैं कि तीन दिन में पता चल गया कि शायद हमसे गलती हो गई है, बीजेपी से दिल्ली की सरकार नहीं चला सकती। आतिशी ने सवाल किया कि अगर ऐसा है, तो पीक डिमांड में क्या होगा? जब 8500 मेगावाट से ज़्यादा बिजली की डिमांड बढ़ जाएगी।

बीजेपी शासित राज्यों में बिजली का बुरा हाल

आतिशी ने कहा कि बीजेपी को सरकार चलानी नहीं आती है और जिन राज्य में बीजेपी की सरकार है उन राज्यों में बिजली का बुरा हाल है। आतिशी ने कहा कि बीजेपी दिल्ली को उत्तर प्रदेश बनाने का प्रयास कर रही है, जहां घंटो-घंटो पावर कट रहता है। उन्होंने कहा कि पढ़े लिखे लोगों की सरकार और दूसरी तरफ बिना पढ़े लिखे, फर्जी डिग्री और गाली गलौज करने वालों की सरकार के बीच यही फर्क होता है और दिल्ली वालों को ये एहसास अब हो रहा है।

आदित्य ठाकरे ने अरविंद केजरीवाल से की मुलाकात, क्या हुई बात?

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे और शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे दिल्ली के दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार (13 फरवरी) को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। इस दौरान शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत, प्रियंका चतुर्वेदी, अरविंद सावंत और संजय दीना पाटिल मौजूद रहे। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं के लग रहे आरोपों के मुद्दे पर चर्चा हुई। वोटर लिस्ट में एडीशन और डिलीशन के मुद्दे पर चर्चा हुई। ईसीआई (चुनाव आयोग) की भूमिका पर भी मीटिंग में चर्चा। विपक्षी दलों का आरोप है कि लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में पांच महीनों में 39 लाख मतदाता जुड़े, जबकि पिछले पांच सालों में 32 लाख मतदाता जुड़े थे। आदित्य ठाकरे ने कहा, "कल राहुल गांधी से मुलाकात हुई थी। आज अरविंद केजरीवाल से बात हुई है। हम लोकतांत्रिक देश हैं। चुनाव फ्री एंड फेयर नहीं हो रहे हैं।" उन्होंने दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को लगे झटके पर कहा, "सरकारें आती जाती रहती हैं, फिर आएंगी, रिश्ता बना रहता है। इस चुनाव में चुनाव आयोग का बहुत बड़ा हाथ था। परिणाम का एनालिसीस तो होगा, लेकिन जो वोट काटे गए उस पर विचार जरूरी है। हमने कहा है कि इस पर स्ट्रेटेजी बने, चुनाव आयोग इस पर बात करने के लिए तैयार नहीं है।" वहीं आप के सांसद संजय सिंह ने कहा कि हम शिवसेना उद्धव गुट के आभारी हैं कि वो आज मिलने आए थे। रिश्ते की मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगे। देश के लिए काम करते रहेंगे। हमारी चुनावी गड़बड़ियों पर बातचीत हुई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

चालाकी चार दिन चमकती है और ईमानदारी जिंदगी भर

शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025 3

हैदराबाद में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के लिए 15 हजार करोड़ रुपये निवेश होगा : श्रीधर बाबू

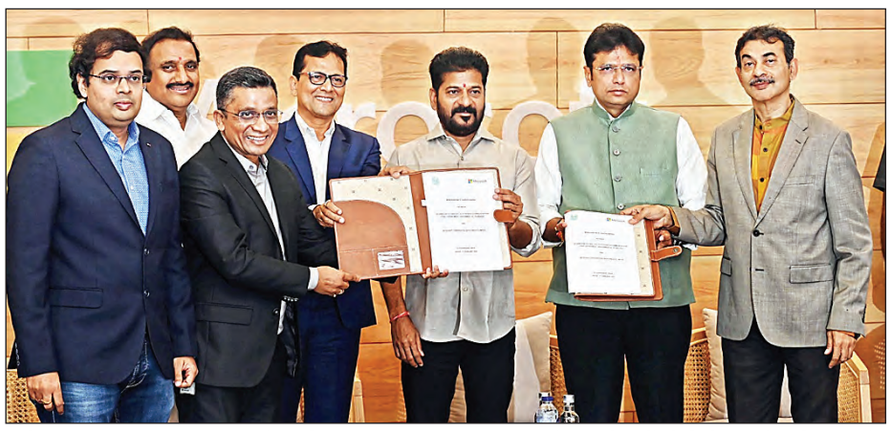

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा है कि राज्य सरकार हैदराबाद के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए 15,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है।

गुरुवार को गच्चीबावली में माइक्रोसॉफ्ट के अत्याधुनिक परिसर के भव्य उद्घाटन के दौरान, मंत्री श्रीधर बाबू ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ मिलकर शहरी परिदृश्य को बदलने और हैदराबाद के तकनीकी वर्चस्व को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किए गए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप की शुरूआत की। यह निवेश केवल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर केंद्रित नहीं है, इसका उद्देश्य मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में हैदराबाद को वैश्विक रूप से सबसे उन्नत और भविष्य के लिए तैयार शहरों में से एक बनाना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह परिवर्तन एक रणनीतिक बुनियादी ढांचा क्रांति का प्रतिनिधित्व करता है जिसका उद्देश्य हैदराबाद की स्थिति को विश्व मंच पर ऊपर उठाना है, जिसमें मेट्रो रेल और क्षेत्रीय रिंग रोड का विस्तार, फ्यूचर सिटी और एआई सिटी पहल, यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी की स्थापना, ईवी मैन्युफैक्चरिंग हब, क्वांटम इंजीनियरिंग और बायोइन फॉरमैटिक्स में उन्नति और मूसी नदी का कायाकल्प शामिल है। श्रीधर बाबू ने कहा, यह एक भविष्य-संचालित मास्टर प्लान है जिसे जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने, आर्थिक विकास में तेजी लाने और वैश्विक निवेश को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

जन मुद्दों पर सरकार को घेरें : एर्राबेली

वारंगल, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एर्राबेली दयाकर राव ने आज बीआरएस कार्यकर्ताओं से राज्य सरकार को घेरने का आह्वान किया, जिसने लोगों से वोट प्राप्त करने के बाद भी कुछ नहीं किया है। बीआरएस पार्टी ने महबूबाबाद जिले के थोरूर मंडल मुख्यालय के श्रीनिवास गार्डन में व्यापक बैठक की। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं है।

उन्होंने सवाल किया कि करकला पुल का काम क्यों रुका हुआ है? थोरूर का 100 बिस्तरों वाला अस्पताल कहां गया? केसीआर किट और पोषण किट योजनाएं कहां चली गईं? उन्होंने आरोप लगाया कि झूठे वादे करके सत्ता में आई कांग्रेस सरकार अब भी झूठ बोलकर भाग रही है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि अगले स्थानीय निकाय चुनाव में बीआरएस पार्टी सरपंच, एमपीसीटी और जेडपीटीसी सीटें जीतेगी। दयाकर राव ने सवाल किया कि चुनाव में कांग्रेस पार्टी द्वारा बांटे गए गारंटी कार्ड कहां गए? उन्होंने आरोप लगाया कि गांवों में अशांति फैलाने के लिए ग्राम सभाएं की जा रही हैं और कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव होने के कारण यह सरकार फिर से लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि लोग सब कुछ देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में लोग कांग्रेस सरकार को करारा जवाब देंगे।

उन्होंने कहा, अब स्थानीय निकाय चुनाव हैं और नेताओं को सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जिन लोगों ने बीआरएस पार्टी के शासन के दौरान उसका समर्थन किया था, वे अब उसके प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं को हिम्मत देने के लिए घूम रहे हैं और पार्टी कार्यकर्ताओं से हिम्मत रखने और अपना संकल्प न खोने का आह्वान किया। राव ने भविष्यवाणी की कि कांग्रेस सरकार गिरनी तय है।

हरीश राव ने की पीयूष गोयल की 'छोटी सोच' टिप्पणी की निंदा

केंद्र पर वित्तीय पक्षपात का आरोप लगाया

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों की सोच को 'छोटी सोच' बताकर उनका अपमान करना शर्मनाक है।

इसके बजाय, उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री की 'छोटी सोच' को दर्शाती है। हरीश राव ने जोरदार जवाब देते हुए कहा कि तेलंगाना समेत दक्षिणी राज्यों ने व्यवस्थित तरीके से विकास किया है, जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया है और भारत के विकास इंजन के रूप में उभरे हैं। उन्होंने केंद्र पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि 15वें वित्त आयोग ने राज्यों को 41 प्रतिशत कर हस्तांतरण की सिफारिश की है, लेकिन उपकर और अधिभार के कारण वास्तविक हिस्सा केवल 30 प्रतिशत रह गया है। पूर्व वित्त मंत्री ने केंद्र पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि जब किसी राज्य को करों के रूप में राजस्व प्राप्त होता है, तो उसके पास अपने लोगों की जरूरतों के हिसाब से धन आवंटित करने की लचीलापन होती है। उन्होंने कहा कि उपकर एकत्र करके और फिर उसे चुनिंदा रूप से वितरित करके, केंद्र कुछ राज्यों के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहा है जबकि अन्य की उपेक्षा कर रहा है। यह वित्तीय शक्तियों को केंद्रीकृत करने और राज्यों पर नियंत्रण करने का एक प्रयास है।

अधिकारी आरआरआर कार्यों में तेजी लाएं : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया है। भट्टी विक्रमार्क ने सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ गुरुवार को सचिवालय में आरएंडबी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और विभाग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय रिंग रोड डीपीआर और 3डी डिजाइन जैसे कार्यों के निष्पादन के लिए धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जितनी तेजी से काम किए जाएंगे, उतनी ही तेजी से धन स्वीकृत किया जाएगा। बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने आदेश दिया कि राज्य भर में आरएंडबी विभाग की परिसंपत्तियों पर एक रिपोर्ट तैयार की जाए और सभी स्तरों पर अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई करें कि बड़ी संख्या में मूल्यवान संपत्तियां अलग न हो जाएं। अधिकारियों को एचएएम (हाइब्रिड एन्युटी मॉडल) सड़कों के निर्माण में तेजी लाने का भी निर्देश दिया गया। मंत्रियों ने अधिकारियों से जिला मुख्यालयों से राज्य की राजधानी तक जाने वाली सड़कों के पूर्ण विकास के लिए कहा। उपमुख्यमंत्री ने सड़क और भवन विभाग के अधिकारियों को एससी और एसटी उप-योजना अधिनियम के अनुसार कार्यों को करने और धन का उचित उपयोग करने का भी निर्देश दिया। भट्टी विक्रमार्क ने आगे कहा कि किराए के भवनों में चल रहे कल्याण छात्रावासों और गुरुकुलों के किराए का बकाया भुगतान तुरंत किया जाना चाहिए, यदि प्रस्ताव लाए जाते हैं।

कांग्रेस सांसद ने निर्मला सीतारमण की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद अनिल कुमार यादव ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तेलंगाना राज्य के प्रति हाल की टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। गुरुवार को यहां एक विज्ञप्ति में, राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव ने कहा कि विभाजन के समय तेलंगाना एक राजस्व अधिशेष राज्य था, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के परिवार के कुशासन और वित्तीय कुप्रबंधन के कारण, राज्य अब घाटे में चला गया है। इस अन्याय को बढ़ाते हुए, केंद्र सरकार पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना से किए गए प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रही है। विभाजन के दौरान वादा किए गए बयारम स्टील प्लांट और विभिन्न केंद्रीय संस्थानों जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं अधूरी हैं। इन देरी ने राज्य के विकास में बाधा डाली है और तेलंगाना के लोगों को उन अवसरों से वंचित किया है जिनके वे हकदार हैं। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि तेलंगाना को केंद्र सरकार से कर राजस्व का उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख योगदानकर्ता होने के बावजूद राज्य को उसके उचित संसाधनों से वंचित किया जा रहा है, जिससे विकास परियोजनाएं और आवश्यक सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह असंतुलन अस्वीकार्य है और तेलंगाना के लोग अब इस सौतेले व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

री-सर्वे में सभी गुमशुदा परिवारों का विवरण एकत्र करें : डॉ. वकुलभारणम

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलभारणम कृष्ण मोहन राव ने सरकार द्वारा उन परिवारों को पुनः अवसर देने के निर्णय का स्वागत किया, जो सामाजिक-आर्थिक जाति सर्वेक्षण में पंजीकृत नहीं हो पाए थे। उन्होंने सरकार का आभार प्रकट किया।

उन्होंने कहा कि चूंकि जाति सर्वेक्षण में पुनः पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो रही है, उन्होंने सर्वेक्षण में सटीकता सुनिश्चित करने और त्रुटियों को रोकने के लिए कई सिफारिशें दीं। गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही स्वीकार किया है कि 3.1 प्रतिशत परिवारों का विवरण अभी भी पंजीकृत नहीं हुआ है। हैदराबाद और कई जिलों से शिकायतें मिली हैं कि परिवारों का डेटा गुम है। विभिन्न सामाजिक समूहों ने अपनी जनसंख्या को कम करके दिखाने को लेकर भी आपत्ति जताई है। सरकार को पहले से ही उन क्षेत्रों की जानकारी है, जहां डेटा संग्रह अधूरा रहा। इसलिए, 16 फरवरी से 28 फरवरी तक दोबारा पंजीकरण के लिए समय सीमा तय की गई है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन सुविधा के साथ-साथ, अधिकारियों को घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करनी चाहिए। शिक्षकों को घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी दी जाए तो यह सबसे प्रभावी तरीका होगा। हालांकि सरकार ने पुनः पंजीकरण की समय सीमा बढ़ा दी है, लेकिन स्वैच्छिक भागीदारी पर्याप्त नहीं हो सकती। इसलिए जनता को जागरूक करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार अभियान आवश्यक है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार किया जाना चाहिए। जाति सर्वेक्षण पूरा होने के बाद, एकत्र किए गए डेटा का व्यापक अध्ययन आवश्यक है। इसके लिए, विषय-विशेषज्ञों और सलाहकारों की एक समिति बनाई जानी चाहिए। बूसानी वेंकटेश्वर राव आयोग (जिसे स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी आरक्षण प्रतिशत निर्धारित करने के लिए नियुक्त किया गया था) ने पहले ही अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। इस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाना चाहिए और विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत विश्लेषण किया जाना चाहिए। रिपोर्ट को गोपनीय रखने से कई संदेह और विवाद उत्पन्न हो रहे हैं। चूंकि यह गुप्त दस्तावेज नहीं है, इसलिए इसे सार्वजनिक रूप से साझा करना और इस पर चर्चा करना उचित होगा।

मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता मामले में बीआरएस एमएलसी को नोटिस

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में राजनीति एक बार फिर दिलचस्प हो गई है। सनसनीखेज मुर्गा लड़ाई मामले में बीआरएस पार्टी के एमएलसी पोचमपल्ली श्रीनिवास को बड़ा झटका लगा है। मोइनाबाद पुलिस ने उनके फार्महाउस पर मुर्गों की लड़ाई के सिलसिले में उन्हें नया नोटिस जारी किया है। नोटिस में उन्हें चार दिनों के भीतर पुलिस के सामने पेश होने को कहा गया है। एमएलसी श्रीनिवास हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके मोइनाबाद के थोलकट्टा गांव के सर्वे नंबर 165/ए में रहते हैं। राजेंद्रनगर पुलिस ने दौड़ लगाने वालों को गिरफ्तार किया है। दौड़ आयोजित करने वाले एक गिरोह को हिरासत में लिया गया है। कुल 64 लोगों को हिरासत में लिया गया है। दौड़ के आयोजक धुपति राजू और शिवकुमार भी गिरफ्तार किए गए लोगों के साथ थे। एमएलसी को मामले में आरोपी बनाया गया है। पोचमपल्ली के खिलाफ धारा 3 और गेमिंग एक्ट तथा पशु संरक्षण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसओटी पुलिस ने फार्म हाउस पर छापेमारी में 30 लाख रुपये नकद, 55 लग्जरी कारें, 86 सट्टे की मुर्गे, सट्टे के सिक्के, सोलिटरी कार्ड और 46 मुर्गा चाकू बरामद किए।

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-Central-WAT-06-2025
दिनांक : 05.02.2025
कार्य का नाम : पांच वर्षों की समयावधि के लिए वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/सेन्ट्रल/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र में KK लाइन पर कोत्तवलसा-मालिगुड़ा के बीच ठेकेदार का अपना हाइड्रोलिक टाइप गेज फेस लुब्रिकेटर द्वारा कर्व (Curve) का लुब्रिकेशन के साथ उसका रख-रखाव।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 29,02,89,762/-, EMD : ₹ 16,01,500/-, निविदा दस्तावेज की लागत : ₹ 11,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 60 (साठ) महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 28.02.2025 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-977/P/24-25

तेलंगाना राजस्व अधिशेष राज्य से कर्ज में डूबा : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना राज्य की अर्थव्यवस्था पर कुछ आलोचनात्मक टिप्पणियां की हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्व अधिशेष वाला तेलंगाना राज्य अब कर्ज में डूबा राज्य बन गया है। राज्यसभा में बजट पर बहस के दौरान निर्मला सीतारमण ने कहा कि आंध्र प्रदेश के विभाजन के समय तेलंगाना अधिशेष बजट वाला राज्य था, लेकिन अब यह कर्ज में डूबा राज्य बन गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी पार्टी को दोष नहीं दे रही हैं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने पहले मेदक निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे स्टेशन स्थापित किया था, जहां इंदिरा गांधी जीती थीं। यह मोदी सरकार ही थी जिसने रामागुंडम उर्वरक कारखाने को पुनर्जीवित किया। हमने उर्वरक उत्पादन की क्षमता को रिकॉर्ड 12.7 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ा दिया है। निजामाबाद में हल्दी बोर्ड स्थापित करने का श्रेय प्रधानमंत्री को जाता है। निजामाबाद हल्दी की खेती करने वाला एक अद्भुत क्षेत्र है। केंद्र सरकार ने तेलंगाना को वैज्ञानिक केंद्र प्रदान करने के लिए जहीराबाद में एक औद्योगिक गलियारा स्थापित करने का निर्णय लिया है। हमने राज्य को वारंगल पीएम मित्रा काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क, सम्मक्का सरक्का जनजातीय विश्वविद्यालय, बीबीनगर में एम्स की मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि वे राज्य में भारतमाला के तहत 2,605 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग, चार हरित गलियारे का निर्माण कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि उन्होंने रेलवे के विकास के लिए तेलंगाना को 5337 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है।

'यौन शोषण पीड़िता को गर्भपात कराने का अधिकार'

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कही ये बात

प्रयागराज, 13 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में सत्रह वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता का गर्भपात कराने की अनुमति के लिए दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि कानून यौन शोषण की पीड़िता को गर्भपात कराने का अधिकार देता है। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की पीठ ने कहा कि चिकित्सीय गर्भपात अधिनियम की धारा 3(2) यौन शोषण की पीड़िता को चिकित्सीय गर्भपात कराने का अधिकार देती है तथा दुष्कर्म करने वाले व्यक्ति के बच्चे की मां बनने के लिए पीड़िता को बाध्य करने से उसकी मुश्किलें बढ़ेंगी। अदालत ने कहा, ''यौन उत्पीड़न के मामले में एक महिला को गर्भपात कराने से मना

करना और उसे मातृत्व की जिम्मेदारी से बांधना, उसे सम्मान के साथ जीवन जीने के उसके मानवाधिकार से मना करने के समान है।''

क्या है पूरा मामला

इस मामले में 17 वर्षीय लड़की को आरोपी भगा ले गया था और बाद में लड़की के पिता की शिकायत पर पुलिस द्वारा उसे छुड़ाया गया था। बाद में जब लड़की के पेट में तेज दर्द हुआ तो उसकी जांच कराई गई जिसमें वह साढ़े तीन माह की गर्भवती पाई गई। याचिकाकर्ता के वकील का आरोप है कि लड़की के साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। चूंकि, पीड़िता का गर्भ अब 19 सप्ताह का हो चुका है, उसके वकील ने दलील दी कि इस गर्भावस्था से लड़की को काफी पीड़ा हो रही है और उसका मानसिक स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है। साथ ही, एक नाबालिग होने के कारण पीड़िता, बच्चे की जिम्मेदारी नहीं चाहती। इस पर अदालत ने कहा कि चिकित्सीय गर्भपात अधिनियम का 2003 का नियम यौन उत्पीड़न या दुष्कर्म की पीड़िता के लिए 24 सप्ताह तक के गर्भ को गिराने की व्यवस्था देता है। उच्चतम न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी तरह की परिस्थितियों में गर्भपात की अनुमति दी है। बता दें कि बुधवार को दिल्ली में एक किशोर को एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में पकड़ा गया है। किशोर पर आरोप है कि उसने अपनी मां के प्रेमी की हत्या करने के बाद उसके शव को एक पार्क के तालाब में फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने अपनी मां के कथित संबंध से नाराज होकर उसके प्रेमी की ईंट से हमला करके हत्या कर दी।

सिपाही ने युवती के साथ किया रेप:अश्लील वीडियो बनाया

लखनऊ, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के ठाकुर गंज में रहने वाली युवती ने बिहार पुलिस में तैनात सिपाही पर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर रेप करने का मुकदमा दर्ज कराया है। उसका आरोप है कि आरोपी ने उसके बाद शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने लगा। वहीं पुलिस से शिकायत की बात कहने पर आरोपी की महिला मित्र ने अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। युवती ने बताया कि जनवरी 2022 में फेसबुक से बिहार मधेपुर निवासी रॉकी राज से दोस्ती हुई। पटना में तैनात रॉकी ने पहले प्यार के जाल में फंसाया। इसके बाद जनवरी 2023 में रॉकी घर आया और कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर रेप किया। इसका वीडियो भी बना लिया। फिर वायरल करने की धमकी देकर यौन शोषण करने लगा। 10 दिसंबर 2024 को ठाकुरगंज पुलिस से शिकायत दर्ज कराने पर रॉकी के दोस्त आदित्य और आकांक्षा ने अश्लील फोटो वीडियो वायरल कर दिया। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज श्रीकांत राय ने बताया कि रॉकी, आदित्य और आकांक्षा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

क्रब से निकलीं शराब की बोतलें पुलिस भी रह गई हैरान

रोहतास, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी को 8 साल हो गए हैं। लेकिन, शराब बेचने वाले और पीने वाले अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। उनके अंदर पुलिस का डर तो जैसे खत्म सा हो गया है। तभी तो वो शराब तस्करी के नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। ताजा मामला रोहतास जिले से सामने आया है जहां कब्रिस्तान की एक कब्र से शराब की खेप बरामद हुई है। पूरा मामला रोहतास जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र का है, जहां कदिरगंज के अलावल खान मकबरा के पास स्थित कब्रिस्तान में शराब माफियाओं ने पुरानी कब्रों को अपना गुप्त ठिकाना बना रखा था। पुलिस जब वहां पहुंची तो शराब तस्कर फरार हो चुके थे, लेकिन जब छानबीन की गई, तो एक पुरानी कब्र के अंदर बोरी में भरकर छिपाई गई देसी शराब की खेप मिली। पुलिस के अनुसार, कब्र के अंदर से करीब 50 लीटर देसी महुआ शराब बरामद की गई है। दरिगांव थाने के सब-इंस्पेक्टर रोहित कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कब्रिस्तान में अवैध शराब की खेप छिपाई गई है।

एंट्री पासिंग गिरोह में जांच से मचा हड़कंप, थानों के ड्राइवर से लेकर अफसर तक रडार पर

भागलपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भागलपुर में ओवरलोडेड ट्रकों से अवैध वसूली करके ट्रकों को पास कराने के लिए गिरोह काम करता है। इंट्री पासिंग गिरोह की जांच में आर्थिक अपराध ईकाइ की टीम भी जुटी है। बिहार के डीजीपी के निर्देश पर जांच चल रही है और भागलपुर के बरारी थाने में छह लोगों के खिलाफ केस भी दर्ज किया गया है।अज्ञात मोबाइल नंबरों, पेमेंट आइडी व बैंक खाताधारकों के विरुद्ध केस दर्ज होने के बाद अब इंट्री पासिंग मामले में कई पुलिस, माइनिंग व प्रशासनिक स्तर के पदाधिकारी के भी पसीने छूट रहे हैं।

अंतर्जनपदीय बियर चोर गैंग का पर्दाफाश 648 बियर कैन के साथ 6 गिरफ्तार

अलीगढ़, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने कोतवाली अतरौली क्षेत्र में बियर फैक्ट्री की दीवार को तोड़कर बियर की कैन चोरी करने वाले अंतर्जनपदीय गैंग का खुलासा करते हुए 6 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों के कब्जे से 648 बियर की कैन समेत 30 हजार रूपये नकद और एक चाकू के साथ इलेक्ट्रॉनिक थ्री व्हीलर बरामद किया है। पुलिस ने अंतर्जनपदीय गैंग के खिलाफ थाने पर आबकारी अधिनियम समेत आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए सभी छह चोरों को न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए जेल भेज दिया है। इस मामले दो फरार आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है। बताया कि थाना अतरौली पुलिस और रूलर क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग पुलिस टीम द्वारा एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी की घटना का खुलासा किया है। जहां अंतर्जनपदीय गैंग के चोरों द्वारा थाना अतरौली अंतर्गत वेव इंडस्ट्रील बियर फैक्ट्री के बियर गोदाम में पहुंचकर गोदाम की रखवाली कर रहे दो गार्ड को जान से मारने का भय दिखाकर दोनों गार्डों के हाथ पैर बांधकर बंधक बनाते हुए प्लास्टिक की 9 फुट ऊंची दीवार को तोड़कर बियर गोदाम के अंदर दाखिल हुए।

कुशीनगर में ट्रक में घुसा ऑटो, 3 की मौत

कुशीनगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। कुशीनगर में तेज रफ्तार ऑटो पीछे से ट्रक में घुस गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। 5 गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऑटो सवार बिहार के वाल्मीकि नगर के मदनपुर मंदिर में दर्शन करने गए थे। गुरुवार सुबह वहां से लौट रहे थे, तभी कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत मथौली में हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो बुरी तरह पिचक गया। लोग छिटककर सड़क पर गिर पड़े। किसी का हाथ टूट गया तो किसी का सिर फट गया। कई लोग ऑटो में ही फंस गए थे। स्थानीय लोगों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक, ऑटो सवार सभी लोग कुशीनगर के हाटा के रहने वाले हैं।

बिहार में नहीं बन पाएगी एनडीए की सरकार? लालू प्रसाद यादव ने कर दी भविष्यवाणी

पटना, 13 फरवरी (एजेंसियां)। 2025 में बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेताओं का दावा है कि बिहार में एनडीए 225 सीटों का आंकड़ा छू लेगा। बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। एनडीए नेताओं की ओर से किए जा रहे तमाम दावों के बीच अब आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। गुरुवार को उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया जिसमें बीजेपी को लेकर बड़ा बयान भी दिया।

लालू यादव बोले- 'बीजेपी को लोग जान गया '

इस सवाल पर कि दिल्ली में चुनाव के बाद बीजेपी की सरकार बन रही है। बिहार में कितना असर होगा। इस पर लालू ने कहा कि कोई असर नहीं पड़ेगा। एक और सवाल पर कि बीजेपी कह रही है कि बिहार में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे इस पर लालू यादव ने कहा, कैसे बना लेंगे? हम लोगों के रहते बीजेपी सरकार बना लेगी? बीजेपी को लोग जान गया है।

दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद बीजेपी गदगद

बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में चुनाव हुआ है। दिल्ली में हुए चुनाव के बाद जो नतीजा आया है उससे बीजेपी गदगद है। दिल्ली की 70 सीटों में बीजेपी को 48 सीटों पर जीत मिली है जबकि आम आदमी पार्टी को सिर्फ 22 सीटों पर जीत मिली है। दिल्ली में बीजेपी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। अब दिल्ली के बाद बिहार में चुनाव की बारी है तो एनडीए ने यहां 225 का टारगेट सेट कर लिया है।

28 को दलित समागम करेंगे जीतन राम मांझी? पार्टी ने किया प्लान का खुलासा

पटना, 13 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का दल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) इसी माह 28 फरवरी को पटना के गांधी मैदान में दलित समागम कर अपनी ताकत दिखाएगा। इस आयोजन को लेकर पार्टी ने बैठक का आयोजन किया। रविदास जयंती के अवसर को देखते हुए बैठक की शुरुआत पार्टी नेताओं ने फूल-मालाओं से पुष्पांजलि अर्पित कर दी।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्य सरकार के मंत्री डॉ। संतोष कुमार सुमन ने कहा कि पार्टी पहले से बहुत मजबूत हो चुकी है। आगामी विधानसभा चुनाव के समय में जब एनडीए चुनाव लड़ेगा तो उसमें हम का दम मजबूती से दिखेगा। प्रदेश अध्यक्ष डा। अनिल कुमार ने बताया कि अभी तक 19 जिलों

में एनडीए गठबंधन के जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर रहा है। हम आशा करते है कि बाकी के जिलों में इससे भी बेहतर प्रदर्शन होगा। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण ने बताया कि 28 फरवरी को होने वाले दलित समागम संवाद में पूरे बिहार से बड़ी संख्या में लोगों का जुटान होगा। बैठक में सिकंदरा विधायक प्रफुल्ल मांझी, मीडिया प्रभारी गिरधारी सिंह के साथ कई नेता-कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रेमिका ने इंटर परीक्षा का पेपर लिखते ही प्रेमी को बुलाया, फिर मंदिर पहुंच थाम लिया हाथ

छपरा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अजब प्रेम की गजब कहानी आप सभी ने सुनी होगी। लेकिन, वेलेंटाइन वीक में बिहार के छपरा में कुछ अलग तरह की प्रेम विवाह की चर्चा जोरों पर चल रही है। अब चाहे जो भी हो, राजीव और उसकी प्रेमिका अब हमेशा के लिए एक-दूजे के हो चुके हैं। इस अनोखी शादी की चर्चा हर किसी की जुबान पर है। बताया जा रहा है कि शादी के बाद वर पक्ष के लोगों में थोड़ी-सी नाराजगी थी, लेकिन वह भी दूर हो गई है। सारण जिला अंतर्गत अनुमंडलीय मुख्यालय सोनपुर बाजार स्थित रामसुंदर दास महिला महाविद्यालय में इंटर की परीक्षा देने पहुंची एक छात्रा ने न केवल उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे, बल्कि अपनी किस्मत का फैसला भी उसी दिन लिख लिया। परीक्षा खत्म होते ही वह सीधे शादी के मंडप में जा पहुंची और अपने प्रेमी के साथ सात फेरे ले लिए।

लड़की शादी के लिए तैयार, मगर वरमाला के बाद दूल्हा फरार पुलिसिया रौब में फंस गया मामला

दरभंगा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा जिले के नगर थाना क्षेत्र के एक विवाह भवन में सजधज कर बारात आई। दरवाजा लगा। ढोल-ताशे और शहनाई की धुन के बीच वरमाला की रस्म भी हुई, लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ कि बारात लौट गई। दुल्हन शादी के लिए तैयार थी, लेकिन दूल्हे और उसके परिजनों के साथ कुछ ऐसा हुआ कि मामला ही गड़बड़ा गया। मामले को सुलझाने की कोशिश जब हर तरह से बेकार गई तो पुलिस तक बात आई। इसके बाद यह खबर पूरी तरह से सामने आयी। केवटी थाना क्षेत्र निवासी अशोक कुमार झा की पुत्री की शादी 7 फरवरी को दरभंगा के विवाह भवन से हो रही थी। बारात नगर थाना क्षेत्र से आई थी। आधी रात को शादी के आधे-अधूरे रस्मों के बाद बात बिगड़ गई। मामला लेनदेन को लेकर बिगड़ा। दोनों पक्षों में जमकर तू-तू मैं-मैं हुई, जिसके बाद बात नहीं बनी तो लड़के पक्ष ने शादी करने से इनकार कर दिया। बारात दूल्हे को लेकर वापस चली गई।

बताया जाता है कि लड़की के पिता और भाई पुलिस विभाग में हैं। उन्होंने शादी तय करते समय वर पक्ष से कहा था कि आप बारात लेकर शादी के दिन आएंगे तो तय उपहार की रकम दे दूंगा। वरमाला और शुरुआती रस्मों के बाद जब पैसे देने की बात आई तो लड़की वालों ने पुलिसिया रौब जमाया। इसी पर बात बढ़ गई। लड़की के पिता अशोक कुमार झा ने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए लिखा है कि लड़का पक्ष को 51 हजार रुपये चेक से दिया। इसके बाद पांच लाख रुपये नकदी सहित दो लाख रुपये का फर्नीचर दिया। इतनी ही बात थी, लेकिन जयमाला के बाद 11 लाख रुपये दहेज की मांग की गई। असमर्थता जताने पर लड़का पक्ष ने अश्लील हरकतें शुरू कर दी, जो असहनीय था। ऊपर से जान-माल की क्षति पहुंचाने की धमकी भी दी। दहेज नहीं चुकाने के कारण दूल्हा बिना शादी किए बारातियों के साथ वापस चला गया। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि अनुसंधान चल रहा है। कई साक्ष्यों का अवलोकन किया जा रहा है। बहुत जल्द सही निष्कर्ष पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ये कैसे प्रिंसिपल हैं: कोर्ट में कविता तक नहीं सुना पाए प्रधानाचार्य, तो जज ने तुरंत कर दी कार्रवाई

प्रयागराज, 13 फरवरी (एजेंसियां)। हितकारी किसान इंटर कॉलेज सकौती टांडा की प्रबंध समिति के उच्च न्यायालय इलाहाबाद में चल रहे एक मामले में कार्यवाहक प्रधानाचार्य और प्रबंधक को तलब किया। इस दौरान न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने प्रधानाचार्य से पहले कविता सुनाने के लिए कहा। वह कविता नहीं सुना पाए। इसके बाद उन्होंने हिंदी दिवस की तिथि पूछी तो वह भी नहीं बता पाए। अदालत ने उनकी योग्यता पर ही सवाल उठा दिए। अदालत में झूठा शपथ पत्र देने पर दोनों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगा दिया गया। आपको बता दें कि हितकारी किसान इंटर कॉलेज के प्रवक्ता संजय कुमार और नवीन कुमार को जिला विद्यालय निरीक्षक ने कांवड़ की ड्यूटी नहीं करने के आरोप में सस्पेंड कर दिया था। संजय कुमार और नवीन वर्मा ने विद्यालय की प्रबंध समिति और जिला विद्यालय निरीक्षक को अपना जवाब दाखिल कर दिया था। इसके बाद दोनों को जिला विद्यालय निरीक्षक ने बहाल कर दिया था। जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश के खिलाफ स्कूल के कार्यवाहक प्रधानाचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी और प्रबंधक राजकुमार हाई कोर्ट चले गए थे और याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट में प्रधानाचार्य और प्रबंधक ने शपथपत्र दिया था। इस पर उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने शपथ पत्र पर प्रयागराज पहुंचकर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन यह शपथ पत्र झूठा पाया गया है। जिस दिन उच्च न्यायालय में शपथ पत्र दाखिल हुआ, उस दिन प्रधानाचार्य और प्रबंधक प्रयागराज गए ही नहीं। इसी आरोप में उच्च न्यायालय ने दोनों को तलब किया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य अदालत में तलब हुए तो न्यायमूर्ति ने उनसे पहले कोई भी एक कविता सुनाने के लिए कहा, फिर हिंदी दिवस की तिथि पूछी। इसके बाद अदालत ने प्रधानाचार्य की योग्यता पर सवाल खड़े किए। हालांकि प्रधानाचार्य ने कोर्ट में माफी मांगी। उसके बाद उन्हें जाने दिया गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जुर्माना लगाते हुए ये आदेश दिया है कि सात दिन के अंदर 10 हजार रुपये जमा कराए जाएं। यदि जुर्माना समय पर जमा नहीं किया जाता है तो प्रबंध समिति के ओथ कमिश्नर को आगे की कार्रवाई करने ने निर्देश दिए गए हैं।

ट्रक की टक्कर से टाटा मैजिक सवार चार लोगों की मौत, 16 घायल; खून से लाल हुआ हाइवे

शाहजहांपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के कलान थाना क्षेत्र में बदायूं मार्ग पर मदनपुर और बिचौला मार्ग पर रात टाटा मैजिक और ट्रक की टक्कर हो गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में 16 लोग घायल हुए हैं। घायलों को फर्रुखाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुबह घटनास्थल पर मंजर देख लोग सन्न रह गए थे। जहां पर हादसा हुआ, वहां हाईवे खून से लाल हो गया था। बुधवार की रात करीब 11:15 बजे तेज गति से आ रहे ट्रक और टाटा मैजिक वाहन में टक्कर हो गई। हादसे का बाद चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पीआरवी की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को फर्रुखाबाद के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में श्यामवती (60 वर्ष) पत्नी मोहनलाल निवासी ग्राम कछलिया, थाना टडियावा, हरदोई और शर्मीला (26 वर्ष) पत्नी अरुण निवासी थाना महोली, सीतापुर की मौके पर ही मौत हो गई।

मायावती ने फिर दिखाया 'आयरन लेडी' वाला दम, ये फैसला लेकर किया सबको हैरान

लखनऊ, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती अपने सख्त फैसलों के लिए जानी जाती है। भले ही ये तब की बात हो जब बसपा यूपी की सबसे मजबूत राजनीति दल होती है या फिर अब जब वो अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। मायावती के तेवरों में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने कई बार अपने सख्त फैसलों की वजह से तमाम सियासी पंडितों को हैरान किया है। पार्टी हित और पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान के आगे उन्होंने किसी को नहीं बख्शा है भले ही वो उनके करीबी हो या अपने रिश्तेदार। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने कड़े फैसलों को लेकर सुर्खियों में रहती है और अब उन्होंने भतीजे और पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाकर एक बार फिर अपना आयरन लेडी वाला दम दिखाया है। सूत्रों की मानें तो उनके समधी अशोक सिद्धार्थ पिछले कुछ समय से पार्टी में दखल बढ़ता जा रहा था, उनकी महत्वकांक्षा काफी बढ़ गईं थीं। उनके इस व्यवहार से मायावती नाराज बताई जा रही थीं। खबरों के मुताबिक समधी अशोक सिद्धार्थ बसपा में दूसरे पॉवर सेंटर बन रहे थे, उनके घर पर बसपा नेताओं और पैरवी के लिए आने वाले लोगों की संख्या बढ़ने लगी थी, जिसकी जानकारी मायावती तक भी पहुंचने लगी थी। मायावती ने उन्हें दिल्ली बुलाकर हद में रहने की हिदायत भी दी लेकिन जब वो अपनी हरकतों से बाज नहीं आए तो उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में फैसला लिया और उन्हें सीधा पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

लखनऊ में यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव बोलीं

एक्टर चिरंजीवी का केवल बेटा होने का बयान गलत; उन्हें माफी मांगना चाहिए

लखनऊ, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार और राजनेता चिरंजीवी अपने हालिया बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने अपने बेटे रामचरण के संतान को लेकर ऐसी टिप्पणी कर दी, जिससे कई लोग नाराज हो गए हैं। इस बयान पर अब उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।अपर्णा यादव ने कहा, इस तरह के बयान समाज के लिए अच्छा उदाहरण नहीं हैं। आज के समय में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिलाएं तेजी से प्रगति कर रही हैं। चाहे सेना हो या पुलिस, सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।।। ऐसे बयान समाज पर गलत प्रभाव डाल सकते हैं। चिरंजीवी को इस पर माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह बातें उन्हें अपने घर में अकेले कहनी चाहिए थी, न कि सार्वजनिक मंच पर। इस मानसिकता का असर मध्यमवर्गीय समाज पर गलत तरीके से पड़ सकता है। चिरंजीवी ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- जब मैं घर पर होता हूं, तो मुझे लगता है कि मैं हॉस्टल वार्डन हूं, जो कई महिलाओं से घिरा हुआ है। मैं रामचरण से कहता हूं कि कम से कम एक बेटा हो, जो हमारी विरासत को आगे बढ़ाए। उन्होंने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, रामचरण की बेटी मेरी आंखों का तारा है, लेकिन कभी-कभी डर लगता है कि कहीं दोबारा लड़की न हो जाए। चिरंजीवी के इस बयान से कई लोग निराश हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है और फैंस ने भी इस बयान को महिला विरोधी बताया है।

'स्वर्ग में हाउसफुल, नरक में कोई नहीं जाएगा', महाकुंभ पर सपा सांसद अफजाल अंसारी का विवादित बयान

गाजीपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ इन दिनों सनातन को मानने वालों के लिए आस्था का केंद्र बिंदु बन चुका है। इस महाकुंभ में स्नान करने के लिए देश ही नहीं, विदेशों से भी लोग लगातार पहुंच रहे हैं। वहीं कुछ ऐसे भी लोग हैं जो सनातन की इस आस्था पर बयान देकर सुर्खियां बटोरने में लगे हुए हैं। एक दिन पहले संत रविदास जयंती पर गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी ने विवादित बयान दिया। माघी पूर्णिमा पर आयोजित महाकुंभ स्नान की भीड़ को देखते हुए मरहूम मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी ने कहा- संगम तट पर नहा कर व्यक्ति का पाप धुल जाएगा। इसका मतलब कि आगे बैकुंठ में जाने का रास्ता खुल जाएगा। भीड़ देखने से ऐसा लग रहा है कि अब नर्क में कोई नहीं बचेगा और स्वर्ग में हाउसफुल हो जाएगा। एक दिन पूर्व माघी पूर्णिमा और संत रविदास की जयंती पूरे देश में धूमधाम से मनाई गई। इसी माघी पूर्णिमा के अवसर पर सनातन धर्म से जुड़े लोगों ने महाकुंभ में जाकर करोड़ों लोगों ने स्नान किया। वही पूरे देश में रविदास जयंती की भी धूम देखने को मिली।

तेजप्रताप-ऐश्वर्या का तलाक विवाद

ऐश्वर्या को चाहिए राबड़ी आवास जैसा घर कार और 1.5 लाख महीना खर्च

पटना, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लालू यादव के बड़े बेटे और राजद विधायक तेजप्रताप यादव और उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय के बीच तलाक का मामला छह साल से कोर्ट में लंबित है। अब ऐश्वर्या ने पटना के एसके पुरी इलाके में राबड़ी आवास जैसी सुविधा वाले घर की मांग की है। इसके अलावा, कार, ड्राइवर, नौकर और हर महीने 1.5 लाख खर्च की डिमांड भी रखी गई है। इस पर 18 फरवरी को अगली सुनवाई होगी। सितंबर 2023 में फैमिली कोर्ट ने तेजप्रताप को ऐश्वर्या के लिए रहने की व्यवस्था करने का आदेश दिया था। तेजप्रताप ने पटना के गोला रोड में 20,000 किराए वाले तीन कमरे के फ्लैट की पेशकश की, लेकिन ऐश्वर्या ने इसे लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद 10 जून 2024 को ऐश्वर्या ने आवेदन देकर नया घर, कार और अन्य सुविधाओं की मांग की। अब कोर्ट ने उन्हें एसके पुरी इलाके में घर चिह्नित कर जानकारी देने को कहा है।

तलाक मामला हाईकोर्ट क्यों पहुंचा?

2019 में फैमिली कोर्ट ने ऐश्वर्या को 22,000 प्रति माह अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। लेकिन 2020 में ऐश्वर्या ने पटना हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा कि उन्हें पैसे नहीं, बल्कि 10 सर्कुलर रोड जैसा घर और सुविधाएं चाहिए। हाईकोर्ट ने मामला फैमिली कोर्ट को सौंप दिया और अब कोर्ट ने छह महीने में फैसला सुनाने के निर्देश दिए हैं।

तेजप्रताप के वकील ने क्या कहा?

तेजप्रताप यादव के वकील जगन्नाथ सिंह ने कहा कि तेजप्रताप अब तक जो भी पैसे दे चुके हैं, उसे ऐश्वर्या को वापस करना चाहिए। इस पर ऐश्वर्या ने 10 लाख लौटा दिए, लेकिन बाद में उन्होंने 1.5 लाख महीना भत्ता और अन्य सुविधाओं की मांग कर दी।

अब क्या होगा?

18 फरवरी को होने वाली सुनवाई में यह तय होगा कि ऐश्वर्या की नई मांगों पर कोर्ट क्या निर्णय लेता है। वहीं, तेजप्रताप की तरफ से इस पर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। मामले की जटिलता को देखते हुए आने वाले महीनों में यह केस बिहार की सियासत और कानूनी दांव-पेच का बड़ा मुद्दा बन सकता है।

अरुचिकर खेल के कॉन्सर्ट का टिकट ब्लैक करने के मामले में साइबर सेल सख्त, जारी किए निर्देश

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र साइबर सेल के चीफ यशस्वी यादव ने बताया कि बड़े इवेंट के समय यह ऐसा देखने को मिला कि कई लोग बड़े पैमाने पर टिकट खरीद कर रख ले रहे हैं और उसे दूसरे प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया के माध्यम से कई गुना दाम में बेंच रहे हैं। यशस्वी यादव ने बताया कि हमने इस मामले में जांच की इसके बाद दो बड़े टिकटिंग साइट 'बुक माय शो' और 'जोमैटो' के अधिकारियों को बुलाकर जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों साइट के ऑफिशियल से कहा गया है कि ऐसे मेजर इवेंट जहां पर टिकट की डिमांड सप्लाई से कई गुना ज्यादा है, वैसे इवेंट में टिकट खरीददार के नाम से बेचे जाएं, जिससे उसकी ब्लैक मार्केटिंग ना हो पाए। साथ ही इवेंट के वेन्यू पर जो उस टिकट के साथ पहुंचे वहां उसे भारत सरकार द्वारा जारी किया गया अपना आईडी कार्ड (आधार कार्ड, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस) दिखाना होगा। टिकट पर लिखा नाम और आईडी कार्ड का नाम मैच होने पर ही इवेंट में एंट्री मिले। यशस्वी यादव ने आगे बताया कि महाराष्ट्र साइबर इस मामले में श्वेत पत्र भी जारी करने वाली है, जो सभी टिकटिंग प्लेटफॉर्म के ऑपरेटर्स से इनपुट लेकर बनाया गया है। यह श्वेत पत्र लीगल फॉर्म में होगा, जिसमें टिकट बेचने और टिकटिंग प्लेटफॉर्म पर क्या-क्या टेक्निकल बदलाव की आवश्यकता है उसे लिखा जाएगा। जानकारी के अनुसार, अमित व्यास नाम के वकील ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 19 जनवरी से 21 जनवरी 2025 को होने वाले कॉन्सर्ट के लिए कंपनी टिकट की कालाबाजारी कर रही है। व्यास ने कहा था कि टिकट की असली कीमत 2500 रुपये है जबकि थर्ड पार्टी के जरिए तीन लाख रुपये तक में बेची जा रही है।

गौरव गोगोई की पत्नी का आईएसआई से कनेक्शन?

सीएम सरमा ने घेरा तो कांग्रेस सांसद ने किया पलटवार

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का दूसरा आरोप

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई ने अपनी ब्रिटिश पत्नी से शादी के बाद संसद में रक्षा मामलों से जुड़े संवेदनशील सवाल उठाए। हालांकि, गौरव गोगोई ने इन आरोपों को झूठा बताया और कहा कि भाजपा झूठ और भ्रम फैलाने में लगी हुई है।

भाजपा ने क्या लगाया हैं आरोप?

भाजपा का दावा है कि गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान और आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) से संबंध हैं। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि एलिजाबेथ कोलबर्न का पाकिस्तान प्लानिंग कमिशन के सलाहकार अली तौकीर शेख और आईएसआई से जुड़ाव सामने आया है।

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का दूसरा आरोप

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने आरोप लगाया कि 2015 में गौरव गोगोई ने अपनी संस्था 'पॉलिसी फॉर यूथ' के जरिए पाकिस्तान उच्चायोग का दौरा किया, जबकि वे तब संसद की विदेशी मामलों की समिति के सदस्य भी नहीं थे, जिससे उनकी भागीदारी के पीछे की मंशा पर सवाल उठे। एक विरोधी देश के राजदूत के साथ इस तरह की उच्च-स्तरीय बातचीत के लिए विदेश मंत्रालय की मंजूरी और बैठक के बाद की जानकारी की आवश्यकता होती है। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि गौरव गोगोई ने संसद में भारतीय तटरक्षक रडार प्रणाली, हथियार कारखाने, रक्षा उपकरण, और भारत-ईरान व्यापार मार्ग जैसे मुद्दों पर सवाल पूछे।

भाजपा के आरोपों पर गौरव गोगोई का जवाब

गौरव गोगोई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ये हास्यास्पद और मनोरंजक हैं। उन्होंने तंज कसा, 'अगर मेरी पत्नी आईएसआई एजेंट है, तो मैं रॉ एजेंट हूं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भी उनके खिलाफ झूठा प्रचार किया गया था, लेकिन जनता ने उन्हें जिताया। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमंता बिस्वा सरमा खुद जमीन घोटाले में फंसे हुए हैं और अपनी कुर्सी बचाने के लिए ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। गौरव गोगोई ने आगे कहा कि असम में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा जनता का भरोसा खो रही है। उन्होंने कहा कि असम और मणिपुर के असली मुद्दे बेरोजगारी, महंगाई और शांति बहाली हैं, जिन पर कांग्रेस काम करती रहेगी।

कैंसर वार्ड में 3 घंटे तक रहा अंधेरा

बिजली गुल होने पर मरीज हुए बेचैन विमसार अस्पताल में बड़ी लापरवाही

बुर्ला, 13 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के बुर्ला के वीर सुरेंद्र साईं मेडिकल साइंस एंड रिसर्च (विमसार) अस्पताल से एक बड़ी लापरवाही सामने आई, जहां कैंसर वार्ड में अचानक बिजली गुल हो गई। करीब तीन घंटे तक चले इस बिजली संकट के दौरान कीमोथेरेपी करा रहे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, दोपहर 12 बजे अस्पताल की बिजली अचानक चली गई और लगभग 3 बजे तक आपूर्ति बहाल नहीं हुई। इस दौरान डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों को मोबाइल टॉर्च की रोशनी में मरीजों का इलाज करना पड़ा। मरीजों के परिजन घबराहट में आ गए, जबकि कुछ मरीजों की हालत बिगड़ने लगी। हद तो तब हो गई, जब अस्पताल में लगे बैकअप जनरेटर ने भी काम नहीं किया। इससे स्थिति और गंभीर हो गई। कैंसर वार्ड जैसे अहम डिपार्टमेंट में इस तरह की लापरवाही से मरीजों की जान जोखिम में पड़ गई। बताया जा रहा है कि बिजली विभाग ने बिना कोई जानकारी दिए अस्पताल की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। इससे पूरे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। डॉक्टरों और स्टाफ ने अस्थायी उपायों से मरीजों का इलाज जारी रखा, लेकिन घंटों तक बिजली नहीं लौटने की वजह से परेशानी बढ़ती गई। अब अस्पताल प्रशासन और बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं।मरीजों और उनके परिजनों ने इस मामले की जांच की मांग की है। ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

सेवानिवृत्त कर्मी ने पत्नी की धारदार हथियार से की हत्या शोर-शराबा सुन पहुंचे लोग नजारा देख उड़े होश

ऊधम सिंह नगर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। काशीपुर में जल संस्थान से सेवानिवृत्त कर्मचारी ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। बेटे ने तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। कोतवाली प्रभारी अमर चंद्र शर्मा के अनुसार मोहल्ला कटोरातल पूर्वी में ओमप्रकाश के मकान के निचले हिस्से में जल संस्थान से सेवानिवृत्त भगवान दास अपनी दूसरी पत्नी सुनीता (45) और उसके बेटे सनी (20) के साथ किराये पर रहता है। उसकी बेटी शिवानी मुंबई में रहती है। बुधवार शाम सुनीता घर में अकेली थी। इसी दौरान भगवान दास बाइक से आया। अचानक घर में शोर-शराबा होने पर जब मकान मालिक के परिजन मौके पर पहुंचे तो भगवान दास अपनी पत्नी सुनीता पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर रहा था।

जामिया यूनिवर्सिटी के 14 छात्र हिरासत में लिए गए

कैंटीन बंद कराकर किया था प्रदर्शन, तोड़फोड़ का आरोप

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने सुबह तड़के छह बजे जामिया यूनिवर्सिटी के 14 छात्रों को यूनिवर्सिटी प्रशासन की शिकायत पर हिरासत में लिया है। इन छात्रों पर आरोप है कि इन्होंने अपने प्रदर्शन के दौरान यूनिवर्सिटी की कैंटीन बंद कर दी थी और उसके बाहर बैठकर लगातार प्रदर्शन कर रहे थे और कल कैंटीन के बाहर तोड़ फोड़ भी की थी। 2019 में हुई जामिया में पुलिस फायरिंग के विरोध में पीएचडी के दो छात्र उसकी बरसी बनाना चाहते थे, लेकिन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उसकी इजाजत नहीं दी थी। इसके बावजूद ये छात्र अपने अन्य साथियों के साथ कार्यक्रम कर रहे थे, जिसके बाद यूनिवर्सिटी की तरफ से इन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया था। इस नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद यूनिवर्सिटी इन छात्रों के खिलाफ एक्शन लेने के मूड में थी, जिसके बाद इन छात्रों ने वहां हिंसक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों यूनिवर्सिटी के ही मेवाती छात्र संघटन के छात्रों से दो दिन पहले मारपीट भी हुई थी, जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। फिलहाल इन 14 छात्रों को यूनिवर्सिटी प्रशासन ने यूनिवर्सिटी परिसर से बाहर कर पुलिस को सौंप दिया और पुलिस ने इन्हें हिरासत में लिया। पुलिस यूनिवर्सिटी में नहीं गई थी। हालांकि, छात्रों का कहना है कि जामिया प्रशासन अपनी मनमानी कर रहा है।

जामिया के बाहर पुलिसकर्मी तैनात

यह विरोध प्रदर्शन सोमवार को शुरू हुआ था। छात्रों ने प्रशासन की छात्र सक्रियता पर कार्रवाई की निंदा की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए छात्रों को विरोध स्थल से हटाने के लिए पुलिस के हस्तक्षेप का अनुरोध किया। एक पुलिस सूत्र ने कहा, विश्वविद्यालय प्रशासन से अनुरोध मिलने के बाद हमने सुबह करीब 4 बजे 10 से अधिक छात्रों को वहां से हटा दिया। इसके अलावा, हमने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए परिसर के बाहर भारी पुलिस सुरक्षा तैनात की है।

विश्विद्यालय का बयान

विश्वविद्यालय से एक बयान साझा करते हुए, एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि 10 से अधिक छात्रों को हिरासत में लिया गया है और आगे की जांच चल रही है। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा कि मुट्ठी भर छात्रों ने 10 फरवरी की शाम से ही अकादमिक ब्लॉक में गैरकानूनी तरीके से इकट्ठा होकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। बयान में कहा गया तब से, उन्होंने न केवल कक्षाओं के शांतिपूर्ण संचालन को बाधित किया है, बल्कि अन्य छात्रों को केंद्रीय पुस्तकालय तक पहुंचने और ऐसे समय में कक्षाओं में भाग लेने से भी रोका है, जब मध्य सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं।

हवाई जहाज में हाईवोल्टेज ड्रामा, मंत्री के बेटे की बैंकॉक यात्रा पर जमकर हंगामा

पुणे, 13 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मंत्री के बेटे का निजी विमान से विदेश दौरा और विमान का वापस लौटना चर्चा में है। इस मामले में कुछ और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। ऋषिराज सावंत अपने दो दोस्तों के साथ किस प्रकार विदेश चला गया, इससे जुड़ी कई प्रारंभिक सूचनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन उन्हें अचानक थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचने से पहले पुणे कैसे वापस लाया गया, इस संबंध में विमान के पायलटों ने जानकारी दी है। पायलट्स का कहना है कि शुरुआत में उन्हें लगा कि वापसी का संदेश फर्जी है, लेकिन विमानन अधिकारियों से पुष्टि के बाद उन्होंने वापस लौटने का फैसला किया। परिजनों के गुस्से से बचने के लिए अपनी बैंकॉक की व्यावसायिक यात्रा को गुप्त रखने वाले ऋषिराज ने दो दोस्तों के साथ यात्रा के लिए चार्टर्ड फ्लाइट बुक कराई थी। इस संबंध में एयरलाइन का संचालन करने वाली कंपनी के कार्यकारी ने बुधवार को जोर देकर कहा कि विमान को पुणे की ओर मोड़ने का निर्णय उचित सत्यापन के बाद ही लिया गया था। महाराष्ट्र पुलिस ने ऋषिराज के पिता तानाजी सावंत के हस्तक्षेप के बाद अपहरण का मामला दर्ज किया था। ताजा घटनाक्रम में एयरलाइन ऑपरेशन से जुड़े अधिकारी ने कहा, जब हमें परिवार के सदस्यों ने पहली बार फोन कर उड़ान रद्द करने के लिए कहा तो हमें विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने कहा, प्रोटोकॉल के अनुसार एयरलाइंस इस तरह की फोन कॉल पर सहजता से विश्वास नहीं कर सकते, क्योंकि ये फर्जी भी हो सकती हैं। हालांकि, नागरिक उड्डयन मंत्रालय और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से सत्यापन के बाद पता चला कि यह अपहरण का मामला है।

फर्जी एजेंटों का कारनामा: कनाडा के सरकारी कॉलेज का ऑफर लेटर दिखा लाखों ऐंठे

हलवारा (पंजाब), 13 फरवरी (एजेंसियां)। फर्जी ट्रैवल एजेंटों के गिरोह ने लुधियाना के गांव टूसे वासी छात्र प्रदीप सिंह को कनाडा सरी के सरकारी कॉलेज का ऑफर लेटर दिखाकर वहां से 4347 किलोमीटर दूर ब्राम्पटन के एक प्राइवेट कॉलेज में दाखिला करवा दिया। आरोपियों ने छात्र के कनाडा स्थित बैंक के जीआईसी खाते से भी 6 लाख 50 हजार रुपये निकाल लिए और फिर उसे कनाडा में किस्मत के सहारे छोड़ दिया। पीड़ित परिवार के घर की रजिस्ट्री तक आरोपियों ने गिरवी रखवा दी और खाली चेकों पर हस्ताक्षर करवा ब्लैकमेल करने लगे। आरोपियों ने 14 लाख रुपये में बात तय करके 24 लाख 30 हजार रुपये ऐंठ लिए और मकान की रजिस्ट्री और चेक के जरिए मुकदमों में फंसाने की धमकी देने लगे। पीड़ित परिवार ने हिम्मत करके पुलिस में शिकायत कर दी।

भिखारी को भीख देने पर हो गई एफआईआर नए कानून के तहत अब जाना होगा जेल

भोपाल, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को भिखारी मुक्त बनाने की कवायद तेज हो गई है। भोपाल में भीख देना और भीख लेना दोनों ही अपराध है। भिखारी मुक्त भोपाल बनाने के कलेक्टर के आदेश के बाद सख्ती ओर बढ़ गई है। भोपाल के एमपी नगर थाने में बुधवार को भीख देने और लेने वालों के खिलाफ पहले एफआईआर दर्ज हुई है। समाजसेवी की शिकायत पर यह एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने भीख देने के दौरान वीडियोग्राफी कर थाने पहुंचकर शिकायत की थी। भोपाल में समाजसेवी मोहन सोनी की शिकायत पर भीख लेने और देने वाले दोनों पर ही पहली एफआईआर दर्ज हुई है। पुलिस ने प्राथमिक तौर पर बीएनएस की धारा 223 के तहत एफआईआर दर्ज की है। इस धारा के तहत छह महीने की सजा और 2500 जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान है।मोहन सोनी ने पुलिस को बताया कि वह एमपी नगर क्षेत्र से जा रहे थे। तभी देखा कि एक ट्रक ड्राइवर भीख दे रहा था। जिसका उन्होंने वीडियो बनाया और वीडियो पुलिस को देकर एफआईआर कराई। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर और भिखारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। राजधानी से भिक्षावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करने के लिए कई टीम को मैदान में उतारा गया है। यह टीम भिक्षुओं से बातचीत कर उन्हें आश्रय स्थल पहुंचा रहे हैं। कई भिक्षुओं ने तो आश्रय स्थल जाने से इनकार कर दिया है। खास तौर पर भोपाल एयरपोर्ट से रोशनपुरा चौराहा तक भिखारियों की पहचान करने के लिए टीमों का गठन किया गया है। भिक्षावृत्ति के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 के तहत कार्रवाई करने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस भीख देने और लेने वाले की तलाश में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि वह मामले में दोनों लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। इसके अलावा कहीं और भी भीख देने और लेने से संबंधित मामले सामने आएंगे तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अनजाने में खाया मछली का गॉलब्लैडर तो बिगड़ी तबीयत, हॉस्पिटल में कराना पड़ा एडमिट

इंदौर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अनजाने में मछली का गॉलब्लैडर खा लिया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे हॉस्पिटल में एडमिट कराना पड़ा। शख्स की उम्र 42 साल थी और मछली का गॉलब्लैडर खाने के बाद उसे उल्टी-दस्त शुरू हो गए। शहर के एक निजी अस्पताल के किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ। जय सिंह अरोरा ने बताया कि 42 वर्षीय व्यक्ति ने अनजाने में मछली का पित्ताशय खा लिया था जिसके कुछ घंटों बाद उसे उल्टी-दस्त शुरू हो गए। उन्होंने बताया कि शुरुआत में मरीज और उसके परिजन इसे फूड प्वाइजनिंग का मामला समझते रहे लेकिन जांच में पता चला कि उसके क्रिएटिनिन के साथ ही यकृत (लिवर) के दो एंजाइम-एसजीओटी और एसजीपीटी का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया था।

दिल्ली में बीजेपी सरकार के गठन से पहले 100 दिन की कार्ययोजना बनाने में जुटे अफसर

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में नई सरकार के गठन से पहले ही अधिकारी काम पर लग गए हैं, क्योंकि विभागों को 100 दिन की कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा गया है। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को 'विकसित दिल्ली' और आयुष्मान भारत जैसी लंबित केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन और सीवर ओवरफ्लो और जलभराव से निपटने के लिए 100 दिन की कार्ययोजना तैयार करने को कहा है। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार कार्ययोजना में 15 दिन, मासिक और 100 दिन की अवधि में पूरा किए जाने वाले लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है। निर्देश में कहा गया है, यदि किसी परियोजना या योजना को मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा जाना है, तो विभाग को मसौदा कैबिनेट नोट तैयार करना शुरू कर देना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन पर कैबिनेट नोट तैयार करने को कहा गया है, जिसके तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज किया जा रहा है। सभी विभाग प्रमुखों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे उन योजनाओं या परियोजनाओं के लिए कैबिनेट मसौदा नोट तैयार करना शुरू करें, जिन्हें नयी भाजपा सरकार शपथ ग्रहण के बाद शुरू कर सकती है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली सरकार का सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) 100 दिनों के लिए कार्ययोजना तैयार करेगा और इसे नयी सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेगा। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने के लिए कैबिनेट नोट तैयार करने को कहा गया है, जिसे पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली में लागू नहीं किया था। दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने सत्ता में आने के तुरंत बाद इस योजना को लागू करने का वादा किया था। अधिकारियों ने बताया कि विभाग प्रमुखों को केंद्र सरकार की अन्य योजनाओं पर भी काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है, जिन्हें पिछली सरकार ने दिल्ली में लागू नहीं किया था। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और एनडीएमसी जैसे नगर निकायों के साथ ही दिल्ली जल बोर्ड और सिंचाई एवं बाढ़ विभाग बरसात के मौसम में जलभराव को रोकने के लिए नालों की उचित सफाई और गाद निकालने के लिए कदम उठाएंगे।

ग्वालियर में 6 साल के बच्चे का किडनैप, मां की आंखों में मिर्ची झोंक मासूम को बाइक पर ले गए बदमाश

ग्वालियर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ग्वालियर शहर के मुरान क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बच्चे के अपहरण की वारदात सामने आई है। कारोबारी राहुल गुप्ता की पत्नी जब बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रही थीं, तो बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी आंखों में मिर्ची पाउडर डाल दिया। इसके बाद उन्होंने घटना को अंजाम दिया। वो बच्चे को उठाकर बाइक पर बैठ भाग निकल गए। कारोबारी की पत्नी उनके पीछे दौड़ीं लेकिन तब तक वो दूर निकल गए थे। यह पूरी वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने फुटेज के आधार पर किडनैपर्स की तलाश शुरू कर दी है।

संसद में पश्चिम बंगाल की महिलाओं का दबदबा, चुनाव आयोग की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में सबसे ज्यादा महिला सांसद पश्चिम बंगाल से हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल ने सबसे अधिक महिला उम्मीदवारों को चुना था। राज्य ने 11 महिलाओं को अपनी सांसद के रूप में चुना और लोकसभा भेजा। देश की 18वीं लोकसभा में कुल 543 सांसद हैं। इनमें से 74 महिलाएं हैं और 74 महिला सांसदों में 11 पश्चिम बंगाल से हैं। पुरुष सांसदों की बात करें तो लोकसभा में सबसे ज्यादा 73 पुरुष सांसद उत्तर प्रदेश से हैं। देश के निचले सदन में पश्चिम बंगाल से 42 सांसद होते हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश से 80 सांसद होते हैं। बुधवार को चुनाव आयोग द्वारा जारी एटलस-2024 के अनुसार, महिलाओं की भागीदारी के मामले में, महाराष्ट्र एक बार फिर 111 महिला उम्मीदवारों के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद उत्तर प्रदेश (80) और तमिलनाडु (77) का स्थान रहा। देश भर में 152 निर्वाचन क्षेत्रों में कोई भी महिला उम्मीदवार नहीं थी।

इन राज्यों में सुधरी महिलाओं की हालत

कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने महिला उम्मीदवारों को चुनने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। त्रिपुरा और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव (डीएनएच और डीएंडडी) ने अपने निर्वाचित सांसदों में महिलाओं का उल्लेखनीय 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दर्ज किया। इसके बाद दिल्ली में 28. 6 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 27. 3 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 26. 2 प्रतिशत रहा।

मतदान करने में महिलाएं आगे

2024 के लोकसभा चुनावों में, भारत के चुनावों के इतिहास में दूसरी बार एक और दिलचस्प प्रवृत्ति देखने को मिला। राष्ट्रीय स्तर पर महिला मतदाता भागीदारी दर (वीटीआर) पुरुष मतदाताओं से आगे निकल गई। महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 65. 78 प्रतिशत रहा, जबकि पुरुषों का 65. 55 प्रतिशत रहा। महिलाओं और पुरुषों के बीच भागीदारी में अंतर 0. 23 प्रतिशत रहा।

पाक बॉर्डर से सटे इलाके में करोड़ों रुपये की हेरोइन जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर जिले के सीमावर्ती इलाके में बीएसएफ ने एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई है। बीएसएफ ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। हेरोइन की कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों और पंजाब पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के कर्मियों ने छोटा फतेहवाल गांव के पास दोनों तस्करों को पकड़ा। पुलिस ने बताया कि तस्करों के पास से हेरोइन के दो पैकेट जब्त किए गए, जिनका कुल वजन 1. 1 किलोग्राम है। दोनों आरोपी सारंग देव गांव के निवासी हैं। पुलिस ने कहा कि दोनों ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल थे। फिलहाल दोनों आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। इससे पहले सोमवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट खेत से एक पिस्तौल और दो मैगजीन बरामद की गई थी। बीएसएफ के जवानों ने एक खुफिया सूचना के आधार पर सोमवार शाम को तलाशी अभियान चलाया और फिरोजपुर के कामलेवाला गांव से सटे एक खेत से एक ग्लॉक पिस्तौल, दो मैगजीन और 35 ग्राम संदिग्ध नशीले पदार्थ बरामद किए। अधिकारी ने बताया कि पिस्तौल, मैगजीन और नशीले पदार्थ पीले रंग की टेप की मदद से चिपकाए गए थे।

अधिकारी ने कहा कि बीएसएफ की खुफिया शाखा की विश्वसनीय जानकारी और बीएसएफ जवानों की त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। बता दें कि इससे पहले भी पाकिस्तान बॉर्डर से सटे इलाकों में ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थ की तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। बीएसएफ लगातार ड्रोन और तस्करों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

तस्करों ने ऐसा दिमाग लगाया कि सीबीएन के अफसरों के छूट गए पसीने, क्रेन से उठाई कार, फिर मिली 7 किलो अफीम

नीमच, 13 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की मध्यप्रदेश की नीमच इकाई (सीबीएन) ने नेपाल से भारत में हो रही मादक पदार्थ अफीम की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। नेपाल से सड़क मार्ग द्वारा भारी मात्रा में राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र में अफीम लाई जा रही थी, जिसे सीबीएन ने पकड़ लिया। खास बात यह है कि नीमच सीबीएन के अफसरों ने लगातार 36 घंटे की निगरानी और पीछा करने के बाद जयपुर के नजदीक एक क्रेटा कार को पकड़ लिया। हालांकि, कार के अंदर-बाहर तलाशी लेने पर कुछ भी बरामद नहीं हुआ। अफसरों ने तस्कर से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि कार के नीचे विशेष रूप से एक 'केविटी' (गुफा) बनाई गई थी, जिसमें अफीम छिपाकर नट-बोल्ट से बंद कर दिया गया था। इसके बाद सीबीएन के अफसरों ने क्रेन से क्रेटा कार को उठाकर खोला तो वे भी दंग रह गए। उन्होंने खूफिया जगह से सात किलो अवैध अफीम बरामद की। पकड़े गए तस्कर से पूछताछ की जा रही है जिसमें अंतरराष्ट्रीय गिरोह में अन्य तस्करों के बारे में भी खुलासे हो सकते हैं।

भागने के प्रयास में मारी टक्कर, फिर पकड़ा गया

दरअसल, सीबीएन की टीम को खुफिया जानकारी मिली कि नेपाल से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ की खेप राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र बाड़मेर और जैसलमेर पहुंचने वाली है। सूचना पर सीबीएन की टीम ने अगरा-जयपुर राजमार्ग पर राजाधोक टोल प्लाजा पर एक गुजरात पासिंग क्रेटा कार की पहचान की। टीम ने टोल प्लाजा पर कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने भगाने की कोशिश में एक व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद आरोपी नागल बेला के पास कार को लॉक कर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन सीबीएन की टीम ने उसे पकड़ लिया। तस्कर के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 14 फरवरी - 2025

ट्रंप के प्लान में खुशहाली या तबाही?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं तभी से अपनी घोषणाओं से दुनिया को चौंका रहे है। अब उन्होंने घोषणा की है कि अमेरिका गाजा पट्टी को हासिल कर वहाँ के फिलिस्तीनियों को कहीं और भेज देगा। ट्रंप ने गाजा को 'मध्य पूर्व का रिविएरा' बनाने की योजना बनाई है। इस योजना को अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया गया है और इसे लेकर अरब देशों में भी चिंता जताई जा रही है। ट्रंप के नए प्लान के तहत गाजा पट्टी को खाली करने और यहां के लोगों को मिस्र, जॉर्डन और दूसरे अरब देशों में बसाने की बात कही है। ट्रंप का ये प्लान अब विवादों में घिर गया है। इसका दुनियाभर के लोगों ने विरोध किया है। अमेरिका के करीबी जॉर्डन और सऊदी जैसे मुल्क भी इसे सिरे से खारिज कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून और अमेरिकी नीति के जानकारों ने भी इसकी कड़ी आलोचना की है। इसे कोई भी व्यावहारिक मानने को तैयार नहीं है। ये फिलिस्तीन-इजरायल के टू-स्टेट समाधान के भी खिलाफ है। ट्रंप के कदम से फिलिस्तीन के साथ ही अरब देशों में भी अशांति फैल सकती है। ट्रंप की इस योजना का मतलब दो-राष्ट्र समाधान की मौत होना है। दो-राष्ट्र समाधान के तहत यहूदियों के लिए इजरायल और अरबों के लिए फिलिस्तीन नाम के दो देश बनाने की बात कही गई है। अमेरिका ने भी इस नीति का लंबे समय से समर्थन किया है लेकिन ट्रंप ने इसको पूरी तरह से नकार दिया है। ट्रंप की योजना कई अंतरराष्ट्रीय कानूनों का भी उल्लंघन है। फिलिस्तीनियों का निष्कासन अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी ढांचे को तोड़ता है। ट्रंप की योजना गैरकानूनी है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट रूप से उस क्षेत्र में जनसांख्यिकीय परिवर्तन को रोकता है, जिस पर किसी देश की संप्रभुता नहीं है। अमेरिका की गाजा में कोई संप्रभुता नहीं है। इस योजना का कोई कानूनी आधार नहीं है। कोई गाजा को खरीद या बेच नहीं सकता है। ट्रंप की योजना में इजराल का पश्चिमी तट पर कब्जा, गाजा पर नियंत्रण और सीमावर्ती सीरियाई क्षेत्रों पर कब्जा निश्चित रूप से दिखता है। जीत के उत्साह से लबरेज ट्रंप ने भले प्लान पेश कर दिया हो लेकिन इस पर आगे बढ़ना असंभव होगा। गाजा में 20 लाख से ज्यादा लोग हैं। इनमें कई हजार हमास, पीआईजे और दूसरे सशस्त्र समूहों के सदस्य हैं। इजरायल से लगातार लड़ रहे इन लड़ाकों को अपनी जमीन छोड़ने पर मजबूर करने का कोई तरीका अमेरिका के पास नहीं है। अमेरिका अगर फिलिस्तीनियों को गाजा से जबरन हटाने की कोशिश करेगा तो विद्रोह भड़केगा। इससे निपटना कितना मुश्किल होगा, उसे वह अफगानिस्तान में देख चुका है। गाजा में ज्यादती से भड़का विद्रोह फिलिस्तीन तक ही सीमित नहीं रहेगा। इसका असर पूरे पश्चिम एशिया में पड़ेगा क्योंकि फिलिस्तीन से क्षेत्र के लोग भावनात्मक तौर पर गहराई से जुड़े हैं। कई अरब देश जो अमेरिका और इजराइल के साथ दिखते रहे हैं, वो भी ऐसी स्थिति में पीछे हट जाएंगे। सऊदी अरब और जॉर्डन के लिए अमेरिका का साथ देना बहुत मुश्किल होगा। अमेरिका का साथ निश्चित तौर पर विद्रोह का कारण बन सकता है। अरब शासक भले ही निरंकुश हों लेकिन वे अपनी जनता के खिलाफ नहीं जा सकते और अरब सहयोगियों के बिना अमेरिका क्षेत्र में कभी कामयाब नहीं हो सकता है।

क्या ट्रम्प-मोदी बैठक फलदायी होगी?

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच इस हफ्ते होने वाली वार्ता दोनों देशों के बीच कूटनीतिक इतिहास की परीक्षा होगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत एक परिचित नेता के साथ काम कर रहा है, जिसने अमेरिका को अज्ञात क्षेत्र में ले लिया है, और राष्ट्रपति ट्रम्प, जिनके पहले कार्यकाल में भारत ने नमस्ते किया था, पिछले महीने में उनकी नीतियों में अंतर है। मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले एक दशक में कई कठिन वार्ताओं को रोक दिया है, यह विश्वास करने के लिए जगह है कि इस सप्ताह की ट्रम्प-मोदी बैठक भी फलदायी होगी। भारत ने पिछले कुछ हफ्तों में कुछ कूटनीतिक कदम भी उठाए हैं – मोदी और ट्रम्प के बीच टेलीफोन पर बातचीत, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह।और इसमें नए अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और जयशंकर की विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज के साथ टेलीफोन कॉल शामिल हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के नए प्रशासन के पहले महीने में अमेरिका जा रहे हैं। अभी तक भारत-अमेरिका संबंध अच्छे बताए जाते रहे हैं, लेकिन इस हफ्ते क्या होता है, इसे लेकर उत्सुकता की वजह भी है। जयशंकर ने कहा कि ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में भारतीय कूटनीति की जो कसौटी ली है, वह 'पाठ्यक्रम से बाहर' है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे के दौरान एक मुख्य मुद्दा भारतीय निर्वासितों के साथ अमानवीय व्यवहार का हो सकता है। अमेरिका से हाल ही में 104 अवैध भारतीय अप्रवासियों के पहले जत्थे को हथकड़ियां डालकर भारत वापस भेजा गया है। भारत में अपने नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार पर भारी गुस्सा देखा गया है। भारतीयों को जंजीरों में बांधकर भेजे जाने के मामले में नरेंद्र मोदी सरकार की विपक्ष ने काफी आलोचना भी की थी। हालांकि, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसको लेकर सरकार की तरफ से पक्ष भी रखा था, लेकिन अमानवीय व्यवहार की पूरे देश में निंदा हुई। ऐसे में पीएम मोदी इस मद्दे को ट्रंप के सामने उठा सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से अमेरिका व्यापार शुल्क पर काफी आक्रामक हैं। ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगाए हैं और भारत के लिए भी सख्ती के संकेत दिए हैं। ट्रंप ने हाल ही में एल्युमीनियम और स्टील के आयात पर 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया है। भारतीय कंपनियां घरेलू स्टील की कीमतों पर इसके प्रभाव और अमेरिकी स्टील बाजार में जोखिम को लेकर चिंतित हैं। भारत ने नरेंद्र मोदी की यात्रा से पहले हाईएंड मोटरसाइकिलों और इलेक्ट्रिक बैटरियों पर शुल्क घटाए हैं। ऐसे में उम्मीद है कि इस मुद्दे पर दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ बातचीत कर सकते हैं। ट्रंप और नरेंद्र मोदी की बैठक में रक्षा उपकरणों पर खर्च बढ़ाने और नए सौदों की घोषणा होने की उम्मीद है। भारतीय अधिकारियों ने घरेलू कंपनियों के अमेरिकी ऊर्जा आपूर्ति, विशेष रूप से तरलीकृत प्राकृतिक गैस की खरीद बढ़ाने के लिए संपर्क में होने की बात कही है। इस क्षेत्र में भी कोई ऐलान सुनने को मिल सकता है। यह रास्ता वास्तव में, पिछले 25 वर्षों में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंधों का निर्माण है। मार्च 2000 में जब से बिल क्लिंटन ने भारत का दौरा किया, भारत-अमेरिका संबंध बढ़ रहे हैं, तब भी जब दुनिया को इसकी उम्मीद नहीं थी।लेकिन दोनों देश इसे अलग रखने में कामयाब रहे और इसके बजाय सहयोग के अवसरों को सकारात्मक रूप से देखते हैं। आकार और जनसंख्या में बड़े देशों के हित अनेक हो सकते हैं, इसलिए ऐसे दोनों देशों के बीच मतभेद होने की संभावना भी है, लेकिन सहयोग का पुल पिछले 25 वर्षों में बना है, लेकिन वर्तमान ट्रम्प प्रशासन सिर्फ पिछले 25 वर्षों के राष्ट्रपति नहीं हैं। कुल मिलाकर, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा अपनाई गई स्थितियों की अवहेलना करने वाली नीतियां घर पर और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में भी लागू की जा रही हैं। अमेरिका फर्स्ट ट्रम्प का राजनीतिक जीवन हित है। इसके बाद आने वाली नीतियों को दूसरे कार्यकाल के पहले कुछ दिनों में अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। उनकी घरेलू कार्य योजना सरकारी मशीनरी को कम करना, तकनीकी क्षेत्र पर प्रतिबंध हटाना, अमेरिकी मिट्टी पर उत्पादक उद्योगों को पुनर्जीवित करना, आव्रजन पर अंकुश लगाना, देश की सीमाओं पर खुलेपन को नष्ट करना और उदारवाद के पंखों को काटना और वोक (फुरोगामी!) आग्रह को पटरी से उतारना है।हम वैश्विकता की विचारधारा को पराजित करना चाहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि ट्रम्प को लगता है कि एक ही विचारधारा ने अमेरिकियों को व्यापार घाटे, आव्रजन, और अनावश्यक सैन्य अभियानों से जीवन और वित्त के नुकसान के बोझ के साथ बोझ डाला है। ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' विचारधारा और इस पर आधारित वैश्विक नजरिए को समझना- इसके कई विरोधाभासों से निपटना- इस हफ्ते भारत के सामने कूटनीतिक चुनौती का हिस्सा है; लेकिन चुनौती का दूसरा हिस्सा अपने राजनयिक कौशल को दिखाना है, यह पहचानते हुए कि ट्रम्प, जो आक्रामक शैली में बातचीत करते हैं, एक सौदा करने के लिए उत्सुक हैं - वार्ता को फलदायी बनाने के लिए। अब तक बहुत आलोचना हुई है कि ट्रम्प का दृष्टिकोण बहुत व्यावहारिक है, कि उनकी कोई वैचारिक जड़ें नहीं हैं। लेकिन क्या ऐसा भारत के हित में नहीं हो सकता? आप जो देखते हैं वही आपको मिलता है और इसमें भ्रमित करने वाली वैचारिक बयानबाजी नहीं होती है। मोदी भी कम व्यावहारिक नहीं हैं। उन्होंने और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अतीत में भारतीय विदेश नीति में कई मोड़ और मोड़ दिखाए हैं और राष्ट्रीय हितों के आधार पर सौदे करने की क्षमता दिखाई है।

इसलिए हमें इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि ये दोनों नेता वाशिंगटन में क्या कहेंगे और क्या फैसला करेंगे। जैसे ही वे भारत से रवाना हुए, पहले फ्रांस और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए, मोदी ने घोषणा की थी कि वह पांच प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगेः व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला। राष्ट्रपति ट्रम्प मोदी की प्रशंसा करते हैं, लेकिन ट्रम्प भारत द्वारा लगाए गए उच्च आयात करों की आलोचना करते हैं, इसलिए यह एक अच्छा संकेत है कि भारत को ट्रम्प-मोदी बैठक से पहले ही संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए इन आयात करों को कम करने की इच्छा दिखानी चाहिए। हम द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को पूरा करेंगे जो इस साल ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान अधूरी थी। भारत यही करने को तैयार है। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में, ट्रम्प की उम्मीदों और व्यापार साझेदारी के लिए उनकी मांगों में काफी वृद्धि हुई है। ऊर्जा क्षेत्र में, भारत पेट्रोलियम उत्पादों या खनिज ईंधन का एक प्रमुख आयातक है और अमेरिका एक प्रमुख उत्पादक और निर्यातक है, जहां अधिक सहयोग की गुंजाइश है।

ट्रम्प संयुक्त राज्य अमेरिका के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) उद्योग को बढ़ावा देने के लिए परमाणु ऊर्जा के उत्पादन को दोगुना करना चाहते हैं और भारत भी तेजी से अपने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का विस्तार करना चाहता है। भारत सरकार ने हाल ही में परमाणु हथियार अधिनियम में संशोधन करने के अपने इरादे की घोषणा की (विदेशी कंपनियों पर नुकसान की जिम्मेदारी डालने वाले खंडों को निरस्त करना)। यह है, लेकिन अमेरिका इसे वास्तविकता बनाने के लिए स्पष्ट संकेतों की मांग कर सकता है। रक्षा सहयोग पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका संबंधों के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरा है। ट्रम्प भारत को अधिक अमेरिकी रक्षा उपकरण बेचने के इच्छुक हैं और दिल्ली प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सह-उत्पादन के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियों की तलाश कर रहा है। दिल्ली और वाशिंगटन ने बिडेन प्रशासन के तहत रक्षा-औद्योगिक सहयोग के लिए एक रूपरेखा विकसित की। धीरे-धीरे बढ़ने लगा। पहले चरण पर 2005 में और दूसरे चरण में 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि दोनों देश 2025 में इस सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए क्या करेंगे।

सिर्फ लूटते हैं फर्जी ट्रैवल एजेंट, एजेंसी और वेबसाइट

डॉ सत्यवान सौरभ

अवैध आव्रजन तब होता है जब कोई व्यक्ति अपने मूल देश को छोड़कर आव्रजन कानूनों का उल्लंघन करते हुए दूसरे देश में रहने के लिए चला जाता है। यह एक महत्त्वपूर्ण और नाज़ुक मामला है। अक्सर, बिना नौकरी वाले युवा लोग जो निर्दोष हैं, विदेश में रोजगार पाने की कोशिश में अवैध आव्रजन के जाल में फंस जाते हैं। विदेश यात्रा करने के इच्छुक व्यक्ति को उसकी पसंद के देश में भेजने के बजाय, अनधिकृत एजेंट और एजेंसियाँ उसे दूसरे देश में भेज देती हैं।

सरकार ने लोगों, खासकर युवाओं को चेतावनी दी है कि वे बेईमान अनधिकृत ट्रैवल एजेंसियों और एजेंटों से सावधान रहें जो उन्हें काम, शिक्षा या अन्य कारणों से विदेश भेजने के लिए झांसा देते हैं। इनमें से कई स्थितियों में, विदेश यात्रा करने वाले व्यक्ति की जान भी जोखिम में होती है। भुगतान करने से पहले, लोगों को उन ट्रैवल एजेंसियों और कंपनियों से संपर्क करना चाहिए जिन्हें सरकार ने विदेश यात्रा करने की अनुमति दी है और उनसे अपने सभी सवाल पूछने चाहिए। राज्य सरकार द्वारा लोगों को लगातार याद दिलाया जाता है कि वे केवल अधिकृत ट्रैवल एजेंसियों और एजेंटों के माध्यम से ही विदेश यात्रा करें। कई एजेंट जो विदेश में पैसे भेजने का दिखावा करके लोगों को ठगते हैं, अक्सर अपंजीकृत पाए जाते हैं। ये धोखेबाज़ या बिना मंज़ूरी वाले एजेंट विभिन्न मीडिया में अपने विज्ञापन पोस्ट और प्रसारित करते हैं, जिससे जनता को धोखा मिलता है और उन्हें अपनी मेहनत की कमाई, संपत्ति, गहने और अन्य संपत्ति से हाथ धोना पड़ता है। पंजाब और हरियाणा में ऐसे मामलों की संख्या तुलनात्मक रूप से अधिक है। यह चिंताजनक है कि पिछले छह वर्षों में, हरियाणा में अवैध अप्रवास के मामलों की संख्या में वार्षिक वृद्धि देखी गई है। इन मामलों में तुलनात्मक रूप से कई ग्रामीण निवासी शामिल हैं। ट्रैवल एजेंसियाँ बेरोज़गार लोगों को काम और शिक्षा वीज़ा पर विदेश यात्रा करने के लिए लुभाने के लिए रोज़गार के वादे करती हैं। भुगतान करने और वीज़ा के लिए आवेदन करने के बाद, व्यक्ति को अक्सर पता चलता है कि उसका आवेदन अस्वीकार कर दिया गया है। इसके बाद, ट्रैवल एजेंट डंकी रूट की सलाह देता है। इस प्रक्रिया में शामिल अधिकांश लोगों को सीमा पर रोक लिया जाता है, हिरासत में लिया जाता है और वापस भारत भेज दिया जाता है। ऐसे उदाहरण हैं जहाँ पीड़ितों को उनके रिश्तेदारों द्वारा अवैध रूप से हिरासत में लिया जाता है और उनसे ज़्यादा भुगतान करने के लिए मजबूर किया जाता है। इसके अतिरिक्त, ट्रैवल एजेंट द्वारा फ़र्ज़ी टिकट और वीज़ा प्रदान किए जा सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को हवाई यात्रा से मना किया जा सकता है। लोग कभी-कभी ईमेल आदि के ज़रिए भेजे गए फ़र्ज़ी नौकरी के ऑफ़र और आधिकारिक दिखने वाले दस्तावेज़ों के ज़रिए ठगे जाते हैं। इसके अलावा, एजेंट दूसरे देश का वीज़ा पाने के झूठे बहाने से लोगों को रूस और यूक्रेन जैसे देशों में भेज सकते हैं।

लोकप्रिय पर्यटन स्थलों की आकर्षक छवियों वाली और टूर पैकेज प्रदान करने का दावा करने वाली वेबसाइट कोई भी बना सकता है। वे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की बदौलत ज़्यादा से ज़्यादा लोगों से जुड़ सकते हैं। वास्तव में, जब मैंने विभिन्न ट्रैवल एजेंसियों की वेबसाइट देखी तो मुझे यह स्पष्ट हो गया कि उनमें से अधिकांश वेबसाइटें धोखाधड़ी वाली थीं।उदाहरण के लिए, उनमें से एक के अनुसार, इसकी स्थापना 2020 में हुई थी और यह ₹दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे अनुभवी ट्रैवल कंपनी₹ थी। मैंने बहुत खोजबीन की, लेकिन कंपनी के मालिकों या भागीदारों के नाम नहीं मिल पाए। इसका कोई लैंडलाइन नंबर भी नहीं था। चूंकि इन दिनों इस तरह की धोखाधड़ी आम होती जा रही है, इसलिए ये कुछ चेतावनी संकेत हैं, जिन पर एजेंसी चुनते समय विचार करना चाहिए। यही कारण है कि केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय का ट्रैवल ट्रेड डिवीजन देश में ट्रैवल एजेंसियों को मंजूरी देता है। मेरी राय में, ग्राहकों को मंत्रालय द्वारा अनुमोदित एजेंसियों से संपर्क करना चाहिए। हालाँकि मान्यता कार्यक्रम वैकल्पिक है और केवल कुछ ही व्यवसायों ने भाग लेने का विकल्प चुना है, लेकिन ग्राहकों की पसंद अधिक व्यवसायों को ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकती है। जनता को इन बेईमान ट्रैवल एजेंटों से सावधान रहना चाहिए और बिना उचित जांच-पड़ताल किए किसी भी ट्रैवल एजेंसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

हर राज्य ने आम जनता की सुविधा के लिए अपनी पुलिस वेबसाइट पर अधिकृत और अनधिकृत ट्रैवल एजेंटों की सूची पोस्ट की है।

इसके अलावा, जो कोई भी अभी भी इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होता है, उसे तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन को सूचित करना चाहिए। न केवल एक व्यक्ति अपनी सारी जमा पूंजी खो सकता है, बल्कि लापरवाही का एक छोटा-सा कार्य भी उसके परिवार के जीवन को खतरे में डाल सकता है। नतीजतन, लोगों को उचित सुरक्षा उपाय करने चाहिए। नागरिकों को इस तरह की धोखाधड़ी वाली आव्रजन गतिविधियों के बारे में पता होना चाहिए, विदेशों में, विशेष रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में आकर्षक नौकरी के अवसर प्रदान करने वाली ट्रैवल एजेंसियों के झूठे वादों में न फंसना चाहिए, संभावित नियोक्ता की पृष्ठभूमि की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए, खासकर जब झूठे बहाने से काम की पेशकश की जाती है, किसी भी अवैध साइबर गतिविधि में शामिल होने से बचना चाहिए और भारतीय दूतावास से संपर्क करना चाहिए। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित वन-स्टॉप सुविधा केंद्र, ओवरसीज वर्कर्स रिसोर्स सेंटर, काम के लिए विदेश यात्रा करने के इच्छुक व्यक्तियों को आवश्यक सहायता सेवाएँ प्रदान करता है। अपनी मान्यता और निरसन योजना में, मंत्रालय को अनुमोदित सेवा प्रदाताओं के खिलाफ अनुचित व्यापार प्रथाओं और घटिया और लापरवाह सेवाओं की उपभोक्ता शिकायतों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अपने पोर्टल पर, इसे ग्राहक शिकायतों के लिए एक अनुभाग भी शामिल करना चाहिए।

क्या अब विपक्षी एकता कायम रहेगी?

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनीति में कब क्या हो जाए, कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इसलिए ही तो राजनीति को अनिश्चितता का खेल कहा जा सकता है। लेकिन ज़ब राजनेता और राजनीतिक दल इस धारणा को तिलांजलि देते दिखाई देते हैं, तो उस अवस्था को अति आत्म विश्वास के भाव में व्यक्त किया जाता है। अति आत्मविश्वास का होना सदैव विनाशकारी और आत्म घातक माना जाता है। ऐसा ही दुखद अध्याय दिल्ली विधानसभा के चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के नेताओं का व्यवहार निश्चित ही ऐसा होता जा रहा था, जो अति विश्वास को ही परिलक्षित करने वाला ही था। हालांकि किसी किसी भी चुनाव के दो पहलू होते हैं। किसी भी चुनाव क्षेत्र में केवल एक ही व्यक्ति विजय प्राप्त करता है, शेष सभी पराजित ही होते हैं। पराजय निश्चित रूप से गलती सुधारने का अवसर प्रदान करती है। आम आदमी पार्टी इस पराजय को अपनी भूल सुधार के लिए स्वीकार करेगी, यह होना चाहिए, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता ऐसा करने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते।

इसका कारण यही है कि उनमें राजनीतिक दल की सरकार को चलाने का अनुभव नहीं है। आम आदमी पार्टी के नेताओं का अभी भी यह मानना है कि उनकी पार्टी मात्र दो प्रतिशत के अंतर से हारी है, लेकिन उनको पता होना चाहिए कि एक प्रतिशत का अंतर भी राजनीति का दृश्य बदल सकता है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि हार तो हार होती है, उसके तर्क का सहारा लेकर मन को दिलासा दी जा सकती है, जीत नहीं मानी जा सकती। वैसे विपक्ष को इसकी आदत सी हो गई है कि वह हार को आसानी से स्वीकार नहीं कर पाता। पिछले लोकसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद भी ऐसी ही तस्वीर दिखाने का प्रयास किया गया कि विपक्ष ने मानो सरकार बनाने लायक़ जीत हासिल कर ली हो, लेकिन तस्वीर का असली चेहरा कुछ और ही था।वर्तमान राजनीतिक उतार चढ़ाव का अध्ययन किया जाए तो यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए एक होने की क़वायद कर चुके हैं, लेकिन यह क़वायद परवान नहीं प्राप्त कर सकी। लोकसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन बनाकर तमाम भाजपा विरोधी दलों ने कई राज्यों में एकता का दिखावा किया। लेकिन कई राज्यों के विधानसभा चुनाव के समय इंडी गठबंधन के दल एक साथ न होकर बिखरे हुए दिखाई दिए। अब आगे चलकर एकता के प्रयास किए तो जाएंगे, लेकिन वे एक साथ हो जाएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम दिखाई देती है। सीधे अर्थों में कहा जाए तो विपक्षी एकता को कई बार झटके लग चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार विपक्ष की एकता के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। कांग्रेस ने जिस प्रकार से आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने का सुनियोजित षड्यंत्र किया, वह चुनाव परिणाम आने के बाद पूरी तरह से सामने आ गया। ऐसी स्थिति में अब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक मंच पर आएंगे, इस बात की संभावना बहुत कम ही है। हालांकि कांग्रेस की ओर अपनाई गई यह रणनीति कोई नई बात नहीं है।

कई दलों को ऐसा झटका मिल चुका है, स्वयं आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में ऐसा ही राजनीतिक खेल खेलकर कांग्रेस को सत्ता में आने से रोक दिया था।जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो इसकी जड़ों में मट्ठा डालने का काम खुद इंडी गठबंधन या भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों ने किया है। कई राज्यों में एक दूसरे के विरोध में ताल ठोकने वाले यह दिखावे की एकता वाले राजनीतिक दल आगे भी ऐसी ही नीति का अनुसरण करेंगे, इस बात की गुंजाईश ज्यादा दिखाई देती है। क्योंकि गठबंधन में शामिल होने का दावा करने वाले राजनीतिक दल किसी भी दल से पीछे रहने की मानसिकता में दिखाई नहीं देते। कांग्रेस भी इसी मानसिकता से ग्रसित दिखाई देती है। राज्यों तक प्रभाव रखने वाले क्षेत्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस को बेहद कमजोर मानकर व्यवहार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई बार कांग्रेस को आईना दिखाते हुए व्यवहार किया है। ऐसी स्थिति में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और ममता बनर्जी की पार्टी एक साथ आकर पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, दूर की बात दिखती है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस को ज़मीन दिखाने के प्रयास में खुद के लिए आत्म घाती रास्ता तैयार किया। यह बात सही है कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल अपने आपको कांग्रेस से बड़ा मानने लगे थे, इसलिए ही कांग्रेस से किनारा करके चुनाव मैदान में कूद गए, और पहली बार सत्ता से दूर हो गए। वर्तमान राजनीतिक स्थिति में कब क्या हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। इसलिए राजनेताओं को बड़े बोल बोलने से हमेशा बचना चाहिए। लेकिन अरविंद केजरीवाल यहां पर चूक गए।

वैलेंटाइन डे प्यार के उत्सव का नया 'बाजार'

हर्षवर्धन पाण्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड का हो गया है। आज जहाँ इजहार और इकरार करने के तौर तरीके बदल गए हैं वहीँ इंटरनेट के मौजूदा दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। पहली बार शहरी चकाचौंध से इतर प्यार का यह उत्सव एक बड़ा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। आज युवा भी इसकी गिरफ्त में पूरी तरह से नजर आते है तभी तो शहरों से लेकर कस्बों तक वैलेंटाइन का जलवा देखते ही बनता है। आलम यह है ये बड़ा उत्सव बन चुका है जो भारतीयों में तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है।वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की माने तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरू थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नहीं सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवकों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया। किन्दवंतियो की मानें तो संत वैलेंटाइन के क्लाउडियस के इस फेसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फाँसी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं। 1260 में संकलित की गई 'ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन' नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए। कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरमियान हो गई। यहाँ इस पर नई मान्यता यह है कि ईसाईयों के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है।

एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन। आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है।

कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था 'तुम्हारा वेलेंटाइन'। 14 फरवरी के बहाने जिसे बाद में इस संत के नाम पूरे विश्व में निःस्वार्थ प्रेम से मनाया जाने लगा।

कुकी क्रॉनिकल्स

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दुनिया सदी दर सदी गलत रही है। नहीं, हजारों सालों से! डॉक्टर, पोषण विशेषज्ञ, और वो माताएँ जो काले स्मूदी के गिलास पकड़कर हेल्थ के उपदेश देती थीं—सबके सब झूठे! कहते हैं सब्ज़ियाँ सेहत के लिए फायदेमंद हैं। फलों को 'प्रकृति की मिठाई' बताया गया। पर मैंने सच्चाई खोज निकाली है। स्वास्थ्य का असली राज़ छिपा है बिस्किट, चिप्स और कोल्ड ड्रिंक में। ये शुरुआत हुई जैसे हर महान क्रांति होती है—एक दिव्य प्रेरणा के साथ। मेरी प्रेरणा आई डिस्काउंट स्टोर से, जहाँ तेज़ लाइट्स के नीचे इंसानी जीवन के अस्तित्व की त्रिमूर्ति चमक रही थीः कुकीज़, चिप्स और कोला। इनके पैकेट पर खुशी, संतोष, और रिवॉर्ड पॉइंट्स कमाने के वादे लिखे थे। मैंने सोचा, जब पनीर पाउडर और हाई-फ्रक्टोज़ कॉर्न सिरप ने स्वाद का अविष्कार कर लिया है, तो सलाद में खटने की क्या ज़रूरत है? इस तरह शुरू हुआ मेरा आहार-क्रांति का सफर।हर सुबह मेरी थाली में चॉकलेट चिप बिस्किट होते। वो भी दादी के हाथ के नहीं, जो गलती से उसमें किशमिश डाल देती हैं। ये तो वो कुकीज़ थीं, जिनका हर टुकड़ा कोला में डुबाने पर ऐसे टूटता था जैसे ब्रह्मांड की हर समस्या हल हो गई हो। दूध? वो तो गाय के बछड़े और कायरों के लिए होता है। शुगर जब मेरी नसों में दौड़ती, तो ऐसा लगता जैसे पूरे ब्रास बैंड ने मेरी रगों में परेड निकाल दी हो। हाथ थोड़े कांपते थे, लेकिन भला कीबोर्ड चलाने में स्थिर हाथों की क्या ज़रूरत? मेरे बॉस ने एक बार पूछा, तुम्हारे रिपोर्ट्स में 72 साइज के अक्षरों में 'डीकेएसएफजेडीकेएफजे' क्यों लिखा है? मैंने जवाब दिया, मैं भविष्य की सेहत की क्रांति में व्यस्त हूँ। उन्होंने कहा, तुम्हें नौकरी से निकाल सकते हैं, लेकिन मैंने सुना, तुम क्रांतिकारी हो।अब बारी थी दोपहर की। दोपहर का खाना? वो एक रस्म थी। चिप्स के पैकेट मेरी टेबल पर ऐसे सजे होते जैसे प्राचीन ग्रंथ। हर क्रंच में एमएसजी और आलू के टुकड़े ऐसे गूंजते जैसे आत्मा को तृप्ति मिल रही हो। मेरी उंगलियाँ संतरे के पाउडर से चमक उठती थीं। नैपकिन का इस्तेमाल बंद कर दिया था। आखिर इस दिव्य चूर्ण को क्यों बर्बाद करना? मैं उंगलियाँ चाट लेता—ये हर काम में दक्षता का नया मानक था। पड़ोसन ने एक दिन कहा, सुरेश, तुम्हारी स्किन नारंगी क्यों हो रही है? मैंने उनकी मूर्खता पर तरस खाया। ये चमक उनकी पत्तागोभी की दुनिया से परे थी। रात का खाना? वो कोला का सिम्फनी था, बीच-बीच में बिस्किट की मिठास। हर घूंट मुझे याद दिलाता कि असली ज़िंदगी वही है जो फिज़ करती है। मेरी डकारें अशिष्ट नहीं थीं, बल्कि एक उत्सव थीं—मानव प्रतिभा को सलाम। मैंने चिप्स और कुकीज़ के मेल पर प्रयोग शुरू किया। डोरिटोज़ के साथ ओरेओ? एक शाही सफलता। लेज़ और फिग न्यूटन? पूरी तरह से बर्बाद, पर हर खोजकर्ता को असफलताओं का सामना करना पड़ता है। हर नबी को विरोध झेलना पड़ता है। किराने की दुकान ने मुझ पर पाबंदी लगा दी, क्योंकि मैंने उनकी सब्ज़ी की गली को 'स्वाद का अपराध स्थल' कह दिया था। मेरे परिवार ने बीच-बचाव किया।

माघ पूर्णिमा के बाद अब अगला महाकुंभ स्नान 26 को ?

रात में 4 पहर होती है पूजा

शास्त्रों के मुताबिक, महाशिवरात्रि पर चार पहर रात्रि पूजा का विधान है। धार्मिक मान्यता है कि इन पहर पूजन से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रथम रात्रि प्रहर पूजा समय 26 फरवरी की शाम 06:43 से रात 09:47 तक होगी, दूसरी रात्रि प्रहर पूजा समय रात 09:47 से 27 फरवरी की सुबह 12:51 तक रहेगी, तृतीय रात्रि प्रहर पूजा समय रात 27 फरवरी की रात 12:51 से सुबह 03:55 तक है और चतुर्थ रात्रि प्रहर पूजा समय 27 फरवरी की सुबह 03:55 से 06:59 तक है। वहीं, व्रत पारण का समय 27 फरवरी की सुबह 06.59 से 08.54 तक रहेगा।

26 फरवरी को अब महाकुंभ का अगला स्नान होगा। इस दिन की खास महत्व बढ़ गई है क्योंकि इसी दिन महाशिवरात्रि त्योहार भी पड़ रहा है। ऐसे में यह दिन शिव भक्तों के लिए बेहद खास हो गया है। साथ ही महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए खास बन गया है। महाशिवरात्रि के दिन श्रद्धालु शिवालयों पर पहुंच कर शिव जी को जलाभिषेक आदि कराएंगे। ऐसे में आइए जानते हैं जलाभिषेक का शुभ समय..

शिवलिंग पर जलाभिषेक का समय

महाशिवरात्रि के दिन जलाभिषेक की प्रक्रिया का प्रारंभ सुबह ब्रह्म मुहूर्त से हो जाएगा।

हालांकि, शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए सबसे उपयुक्त समय सुबह 6.48 मिनट से 9.41 बजे तक है। इसके बाद, 11.07 बजे से 12.34 बजे तक जलाभिषेक किया जा सकता है। इसके अलावा, शाम में 3.26 बजे से 06.09 बजे तक और रात्रि में 08.53 बजे से 12.01 बजे तक पूजा का शुभ समय रहेगा।

महाभारत: वो कौन से सरोवर थे, जिसमें नहाते ही युधिष्ठिर और अर्जुन बन गए स्त्री

महाभारत में दो ऐसे सरोवरों की बात हुई है, जो शापित थे। इसमें नहाने अगर कोई पुरुष जाता था तो वह स्त्री बन जाता था। बेशक ये बात अविश्वसनीय लगे लेकिन महाभारत में तो ऐसा हुआ है। इसके शिकार युधिष्ठिर भी हुए और अर्जुन भी। हालांकि इसके बाद वो वापस पुरुष कैसे बने इसकी भी एक कहानी है। तो हम जानेंगे वो कौन से सरोवर थे, जिनमें ऐसा हुआ। क्यों ये सरोवर शापित थे।

पहले सरोवर का नाम शंखोद्धार सरोवर था, उसे शंख सरोवर कहते हैं। इसके बारे में ये कहा जाता है कि भगवान शिव ने नाराज होकर शाप दिया था कि जो शंखोद्धार सरोवर (शंख सरोवर) में नहाएगा, वह स्त्री बन जाएगा। यह प्रसंग शिव पुराण और कुछ अन्य पौराणिक ग्रंथों में भी आया है।

क्यों शिव ने इस सरोवर को दिया शाप

दरअसल भगवान शिव की नाराजगी की भी वजह थी। एक बार भगवान शिव और माता पार्वती शंखोद्धार सरोवर के पास आराम कर रहे थे। वहां एक शंखासुर नामक राक्षस ने उन्हें परेशान किया। भगवान शिव ने उस राक्षस का वध किया। उसका शंख (कौड़ी) उस सरोवर में गिर गया। तब नाराज होकर भगवान शिव ने सरोवर को शाप दिया कि इसमें जो भी नहाएगा, वह स्त्री बन जाएगा।

महाभारत के अनुसार, पांडवों को द्यूत क्रीड़ा (जुए) में हारने के बाद 12 वर्ष का वनवास और 1 वर्ष का अज्ञातवास भोगना पड़ा। इस दौरान वे विभिन्न तीर्थस्थलों और पवित्र स्थानों पर जाते थे। अपने पापों का प्रायश्चित करते थे।

शंखोद्धार सरोवर को एक पवित्र और दिव्य सरोवर माना जाता था। ये सरोवर भगवान शिव से जुड़ा हुआ था। इसमें स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते थे। हालांकि भगवान शिव ने इस सरोवर को ये शाप भी दिया था कि इसमें जो भी स्नान करेगा, वह स्त्री बन जाएगा। इसके बाद भी युधिष्ठिर ने ऐसा किया।

फिर शिव के वरदान से वह वापस पुरुष बने

जैसे ही वह सरोवर में नहाकर बाहर आए। उनका शरीर सुंदर स्त्री में बदल चुका था। तब युधिष्ठिर ने भगवान शिव की तपस्या की। उन्हें प्रसन्न किया। भगवान शिव ने उन्हें वरदान दिया कि वह फिर पुरुष रूप में आ सकते हैं। इस तरह वह फिर से पुरुष बन गए।

हिमालय क्षेत्र में है ये सरोवर

पौराणिक कथाओं में ये सरोवर हिमालय क्षेत्र में स्थित माना जाता था। इसका उल्लेख शिव पुराण और अन्य ग्रंथों में मिलता है। हिमालय क्षेत्र में इसकी सटीक भौगोलिक स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसे अक्सर दिव्य या आध्यात्मिक स्थल के रूप में बताया जाता है। ये भी कहा जाता है कि ये हिमालय के किसी दुर्गम या गुप्त स्थान पर स्थित है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, ये सरोवर कैलाश पर्वत के आसपास स्थित हो सकता है, क्योंकि भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत पर माना जाता है। कुल मिलाकर ये एक रहस्यमयी सरोवर बना हुआ है।

दूसरा सरोवर है बहुला

दूसरा सरोवर बहुला है, ये महाभारत में काम्यक वन में स्थित बताया गया। इस सरोवर के बारे में भी यह मान्यता थी कि इसमें स्नान करने से पुरुष स्त्री में बदल जाता है।

अर्जुन इसमें नहाए और स्त्री बन गए

महाभारत के अनुसार, एक बार अर्जुन और उनके साथी इसी वन में डेरा डाले हुए थे। जब वे घूम रहे थे, तो उन्होंने सुना कि बहुला सरोवर में स्नान करने से पुरुष स्त्री बन जाता है। इस बात की सच्चाई जानने के लिए अर्जुन ने उस सरोवर में स्नान किया। तुरंत ही वह एक सुंदर स्त्री में बदल गए।

अर्जुन फिर वापस कैसे पुरुष बने

ये देखकर उनके साथी आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने अर्जुन को वापस पुरुष बनाने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। आखिर में अर्जुन ने खुद ही अपनी दिव्य शक्तियों का उपयोग करके अपनी पूर्व अवस्था प्राप्त की। आजकल इस सरोवर का कोई पता नहीं है लेकिन इसकी कथा महाभारत में आज भी जीवित है। यह कथा महाभारत के वनपर्व में वर्णित है।

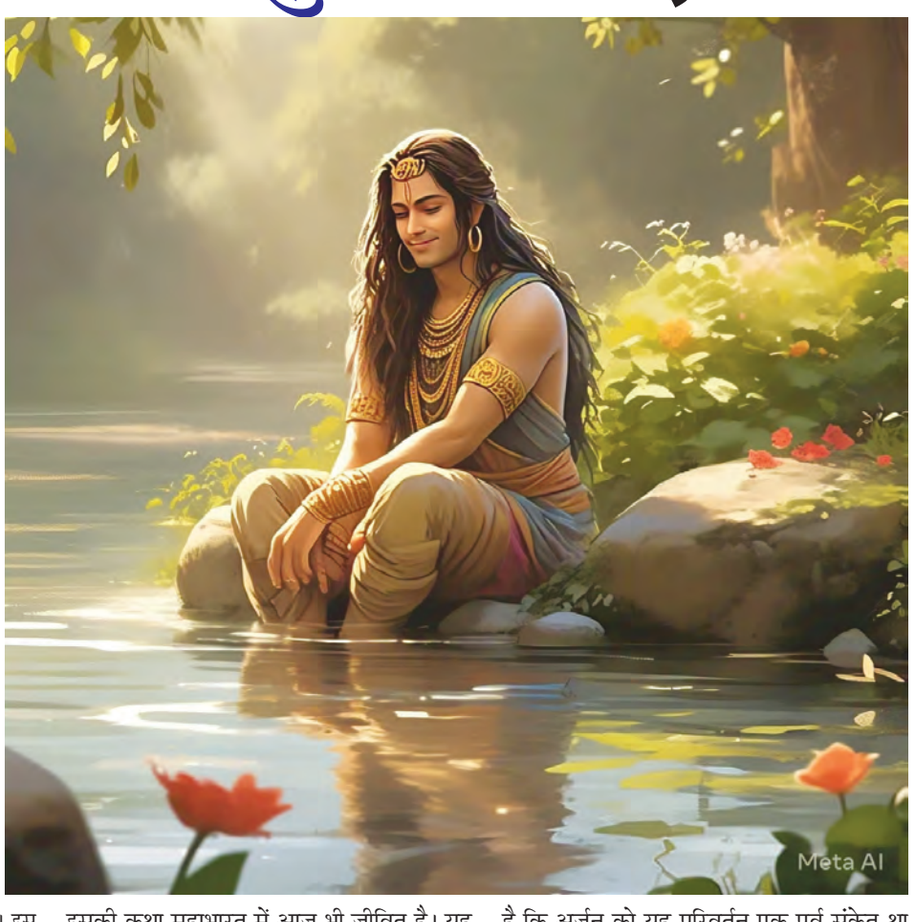

इस सरोवर को किसका श्राप मिला था

यह सरोवर भी एक श्राप के कारण ऐसा हो गया था। कथा के अनुसार, एक समय एक अप्सरा (संभावित रूप से उर्वशी या कोई अन्य अप्सरा) किसी ऋषि को मोहने का प्रयास कर रही थी। उस ऋषि ने क्रोधित होकर उसे श्राप दे दिया कि जो भी पुरुष इस सरोवर में स्नान करेगा, वह स्त्री में बदल जाएगा।

इस घटना का एक अन्य संस्करण यह भी कहता है कि अर्जुन को यह परिवर्तन एक पूर्व संकेत था कि आगे चलकर उन्हें अज्ञातवास के दौरान राजा विराट के दरबार में "बृहन्नला" नामक स्त्री रूप धारण करना पड़ेगा।

बहुत सरोवर का भी स्पष्ट भौगोलिक उल्लेख नहीं मिलता, लेकिन इसे पौराणिक तीर्थों में एक रहस्यमयी और चमत्कारी स्थान माना जाता है। कुछ विद्वान इसे वर्तमान राजस्थान, उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश के किसी प्राचीन तीर्थ स्थल से जोड़कर देखते हैं।

सपने में आए राजकुमार से प्रेम कर बैठी बाणासुर की पुत्री, फिर घटी ऐसी घटना...

शुरू हुआ महायुद्ध, गजब है कहानी

राजस्थान के भरतपुर जिले के ऐतिहासिक नगर बयाना में स्थित ऊषा मंदिर प्रेम और भक्ति की अनूठी मिसाल है। यह मंदिर महाभारत काल की एक प्रसिद्ध प्रेम कथा से जुड़ा हुआ है। जो भगवान श्रीकृष्ण के प्रपौत्र अनिरुद्ध और असुर सम्राट बाणासुर की पुत्री ऊषा के प्रेम प्रसंग को दर्शाता है। यह प्रेम गाथा आज भी इस मंदिर के पवित्र वातावरण में जीवंत प्रतीत होती है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऊषा ने एक रात स्वप्न में एक सुंदर युवक को देखा और उससे प्रेम कर बैठी। यह युवक कोई और नहीं, बल्कि अनिरुद्ध, भगवान श्रीकृष्ण के प्रपौत्र थे। जब ऊषा ने अपनी सखी चित्रलेखा से इस बारे में बताया, तो चित्रलेखा ने अपने योगबल से अनिरुद्ध का हरण कर लिया और उन्हें बाणासुर के किले में ले आई। जब यह बात बाणासुर को पता चली, तो उसने अनिरुद्ध को बंदी बना लिया।

श्रीकृष्ण और बाणासुर में हुई भीषण लड़ाई

अपने प्रपौत्र को छुड़ाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण बलराम और प्रद्युम्न ने बाणासुर के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया। यह युद्ध भीषण था, लेकिन अंत में भगवान शिव के आशीर्वाद से श्रीकृष्ण ने बाणासुर को पराजित किया। इस युद्ध के बाद बाणासुर ने अनिरुद्ध और ऊषा के विवाह को स्वीकार कर लिया और दोनों का विधिपूर्वक विवाह किया। बयाना स्थित ऊषा मंदिर इसी दिव्य प्रेम कथा का प्रतीक माना जाता है।

गुप्त काल या उससे पूर्व का मंदिर

यह मंदिर अपनी अद्भुत स्थापत्य कला और ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रसिद्ध है। मंदिर की दीवारों पर की गई प्राचीन नक्काशी और मूर्तिकला इस मंदिर की भव्यता को दर्शाती है। कहा जाता है कि यह मंदिर गुप्त काल या उससे पूर्व का है। समय-समय पर इसका जीर्णोद्धार किया गया है। यह स्थान श्रद्धालुओं पर्यटकों और प्रेमी जोड़ों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। हर वर्ष यहां प्रेमी युगल आते हैं और अपने प्रेम जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

प्रेम भक्ति और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक

इसके अलावा मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान और उत्सव भी आयोजित किए जाते हैं, जो इसकी आध्यात्मिक महिमा को और बढ़ाते हैं। ऊषा मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह प्रेम भक्ति और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक भी है। यह मंदिर संदेश देता है कि प्रेम का मार्ग चाहे कितना भी कठिन क्यों न हो, सच्चा प्रेम अंतत अपने लक्ष्य तक पहुंच ही जाता है। यदि आप कभी भरतपुर जिले के बयाना कस्बे में आएं, तो इस ऐतिहासिक और प्रेम मंदिर के दर्शन अवश्य करें।

नाखून से खोदी झील, फिर भी अधूरा रह गया प्यार

माउंट आबू की वो प्रेम कहानी

जिसमें मां ने ही रची साजिश

सिरोही:- वेलेंटाइन डे को प्यार करने वालों का दिन माना जाता है। आज हम आपको एक ऐसे प्यार की कहानी बताने जा रहे हैं, जो पूरी होकर भी अधूरी रह गई। आपने ताजमहल को प्यार की निशानी के रूप में तो सुना होगा, लेकिन राजस्थान के हिल स्टेशन माउंट आबू में एक झील को आज नहीं, सदियों से अधूरे प्यार की निशानी के रूप में पहचाना जाता है। यहां एक शिल्पकार को राजकुमारी से प्रेम होने के बाद उससे शादी करने के लिए एक ही रात में नाखून से झील खोद दी थी।

मगर इस असम्भव काम को करने के बाद भी एक साजिश के चलते राजकुमारी से शादी नहीं हो सकी। आज भी नक्की झील के पास इनका पुराना मंदिर इस कहानी का साक्षी है। हम बात कर रहे हैं रसिया बालम और कुंवारी कन्या मंदिर की। माउंट आबू की नक्की झील समुद्र तल से 1200 मीटर की ऊंचाई पर बनी राजस्थान की सबसे ऊंची झील है। करीब ढाई किलोमीटर क्षेत्र में फैली इस झील के चारों तरफ अरावली की पहाड़ियां हैं।

नाखून से झील खोदने के बाद भी अधूरा रह गया प्यार

इस झील को लेकर प्रसिद्ध लोक कथा के अनुसार, करीब 5 हजार साल पहले रसिया बालम नामक शिल्पकार, जो माउंट आबू में काम करने आया था। उसने एक युवती को देखा, जो राजा की बेटी थी। रसिया बालम को पहली ही नजर में राजकुमारी से प्यार हो गया। राजा ने अपनी बेटी की शादी करवाने के लिए शर्त रख दी कि जो कोई एक रात में बिना किसी औजार के यहां झील बना देगा, उसी से वह अपनी बेटी की शादी करवाएंगे। रसिया बालम ने इस शर्त को स्वीकार करते हुए रात में नाखून से पहाड़ी पर झील खोदना शुरू कर दिया।

मंदिर में इस जगह पत्थर मारती हैं विवाहित महिलाएं

नक्की झील से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर देलवाड़ा क्षेत्र में बने रसिया बालम और कुंवारी कन्या मन्दिर में भक्तों की गहरी आस्था है। मान्यता है कि राजकुमारी की मां की वजह से रसिया बालम की प्रेम कहानी अधूरी रहने के बाद यहां एक जगह पर पत्थरों का ढेर लगा हुआ है। इस पत्थरों के ढेर के नीचे राजकुमारी की मां की मूर्ति है। यहां विवाहित महिलाएं मूर्ति पर पत्थर फेंकती हैं।

रसिया बालम को मानते हैं शिव का अवतार

मंदिर में भक्त रसिया बालम को शिव का रूप और राजकुमारी को देवी का रूप मानकर पूजा अर्चना करते हैं। कहते हैं कि मंदिर में प्रेमी जोड़ों की सभी इच्छाएं पूरी होती हैं और विवाहित महिलाओं को भी सदा सुहागन रहने का आशीर्वाद मिलता है।

इस मंदिर का इतिहास 5 हजार साल से भी ज्यादा पुराना बताया जाता है। 1453 से 1468 तक महाराणा कुंभा भी यहां रुके थे और उन्होंने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था।

लोकगीतों में अमर है रसिया बालम की कथा

आज भी राजस्थान के लोकगीतों और यहां की परंपराओं में रसिया बालम की कथा सुनाई जाती है। माउंट आबू समेत पूरे गोडवाड़ क्षेत्र में रसियो आयो गढ़ आबू रे माय लोकगीत काफी प्रसिद्ध है, जिसमें रसिया बालम के माउंट आबू पहुंचने, देलवाड़ा के पास मूर्ति बनाने और नक्की झील खोदने की अधूरी प्रेम कहानी को बयां किया गया है। नाखून से ये झील बनाने की वजह से इसे नक की झील और समय के साथ अपभ्रंश होकर नक्की झील नाम हो गया। नक्की झील माउंट आबू की मीठे पानी की झील है। इसके पानी का उपयोग शहर में गर्मियों में सप्लाई में भी किया जाता है।

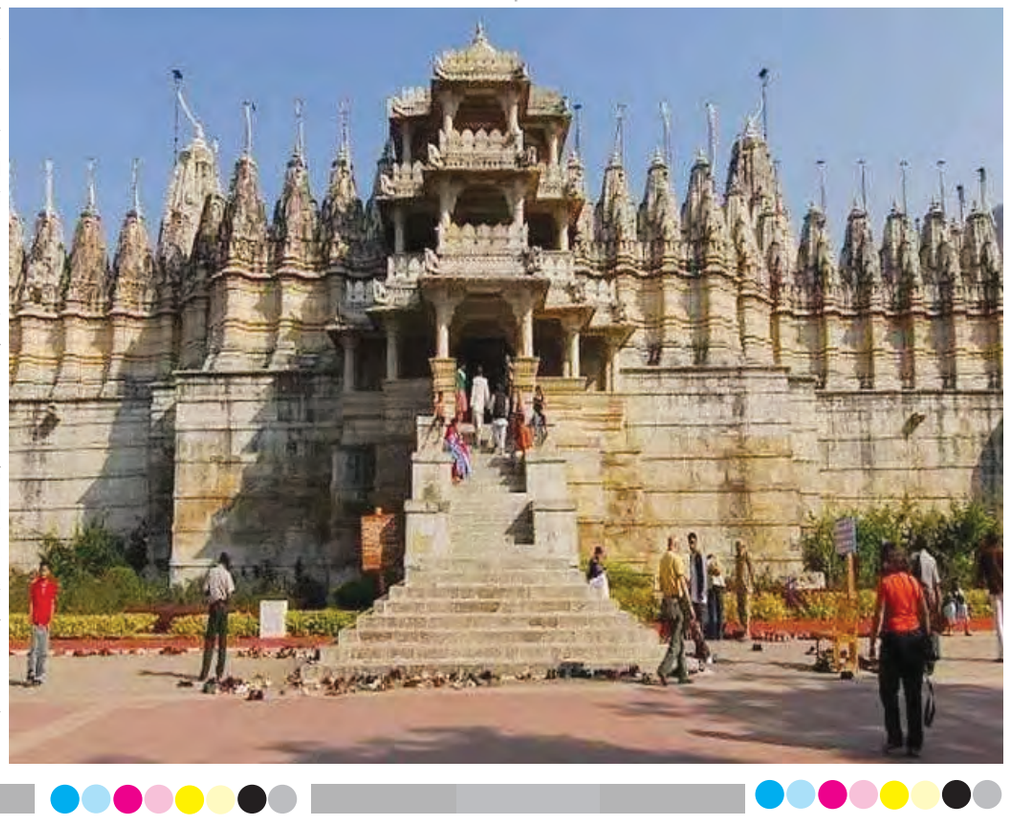

न अदा खान, न मौनी रॉय, टीवी की पहली नागिन बनकर इस एक्ट्रेस ने लूटे थे दिल

भारतीय सिनेमा में नागिन का कॉन्सेप्ट सालों से रहा है। फिल्मों से लेकर टीवी शोज तक में नागिन का किरदार दिखाया गया है और ये सभी किरदार काफी पॉपुलर भी हुई। नागिन की जिंदगी की कहानी फिल्मों और टीवी सीरियल्स में पिरोई गई हैं। फिल्मों में अब ये कॉन्सेप्ट भले ही पुराना हो गया हो, लेकिन एकता कपूर के टीवी शोज में ये आज भी सुपरहिट है। टीवी के पर्दे पर नागिन का रोल निभाने वाली एक्ट्रेस हमेशा से काफी पॉपुलर रही हैं। वैसे नागिन के किरदारों में आपको मौनी रॉय, तेजस्वी प्रकाश, अदा खान, सुरभी ज्योती और सुरभी चंदना जैसे कई और नाम याद आते होंगे, लेकिन क्या आप टीवी इंडस्ट्री की पहली नागिन को जानते हैं। इसका जवाब न मौनी रॉय न अदा खान और न ही सायंतनी घोष है। उनसे पहले ही इस रोल में सीमा कपूर अपने हुस्न के जलवे दिखा चुकी हैं।

ये थीं टीवी की पहली नागिन

90 के दशक में टेलीविजन शोज की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेसेज में से एक सीमा कपूर नागिन के रोल में नजर आई थीं। एक्ट्रेस की खूबसूरती के खूब चर्चे थे और उनके चाहने वालों की भी कोई कमी नहीं थी। सीमा कपूर ने सालों पहले ही पर्दे पर नागिन बनकर अपनी एक्टिंग का हुनर लोगों को दिखाया और लोग उनके मुरीद हो गए। सीमा कपूर साल 1998 में टीवी सीरीज 'नागिन' में लीड हीरोइन के तौर पर नजर आई थीं। वो गोल्डन आउटफिट में नागिन बने नजर आती थीं।

सिर से लेकर पैरों तक वो गोल्डन ज्वेलरी पीसेज में लदी रहती थीं। हैवी मेकअप और ग्लैमरस लुक में सीमा कपूर, उस दौर की बाकी हीरोइनों से बिल्कुल अलग लगी थीं। उनके शार्प फीचर्स पर ये लुक भी सटीक बैठा था।

रॉनित रॉय के साथ पसंद की गई जोड़ी

इस आइकॉनिक शो में सीमा कपूर के साथ एक्टर रॉनित रॉय भी लीड रोल में थे। दोनों की जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया था। 'नागिन' एक्ट्रेस ने कई और शोज के जरिए सुर्खियां बटोरीं। टीवी शो 'किस्मत' ने सीमा की किस्मत बदल दी और वो यहीं से उन्हें असल पॉपुलैरिटी हासिल हुई। इस शो को रमेश सिप्पी ने बनाया था। इस शो में एक्टर मंगल लीड रोल में थे। साड़ी पहने सीमा कपूर सादगी भरे अंदाज में नजर आती थीं। 1996 में शुरू हुआ ये शो 1997 में बंद हो गया था। किरण जुनेजा और कंवलजीत भी इस शो में अहम किरदार में थे।

इन शोज में भी किया काम

इसके अलावा भी वो कई टीवी शोज में नजर आईं। 'कुरूक्षेत्र', 'हम साथ आठ हैं', 'हसरतें', 'बिदाई', 'एक हजारों में मेरी बहना है' जैसे शो में उन्होंने लीड एक्ट्रेस से लेकर मां का भी रोल प्ले किया। टीवी शो 'बिदाई' में वो मां के रोल में दिखीं। ये टीवी का सबसे ज्यादा टीआरपी हासिल करने वाला शो था। बीते साल सिद्धार्थ कनन के शो में सीमा कपूर ने बताया कि उन्हें 15 साल की उम्र में ही प्यार हो गया था। वो एक शादीशुदा शख्स के प्यार में पड़ गई थीं। सीमा कपूर ने ये भी बताया कि उस शख्स ने उनसे अपनी शादी छिपाई थी। जब उन्हें इस बात का पता चला तो वो बिखर गईं और आत्महत्या तक की कोशिश की। बाद में सीमा कपूर की अमित से शादी हुई और अब उनके साथ वो अपना खुशहाल जीवन बिता रही हैं।

'मैं हमेशा से ही अकेली हूं', जब 'इमरजेंसी' को लेकर बात करते वक्त बोलीं कंगना रनौत

कंगना रनौत इस वक्त अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर चर्चा में हैं, जो 14 जनवरी को थिएटर में रिलीज हुई थी। ये फिल्म इंदिरा गांधी के कार्यकाल में लगी इमरजेंसी पर आधारित है और इसमें कंगना रनौत ने इंदिरा गांधी का ही रोल निभाया था। इस फिल्म की कहानी लिखने से लेकर डायरेक्शन तक, सब कंगना रनौत ने ही किया है। उन्होंने फिल्म का प्रमोशन भी जोर शोर से किया और तमाम इंटरव्यू दिए। एक इंटरव्यू में कंगना ने बताया कि वो अकेली हैं, उनके साथ कोई नहीं है।

उनसे पूछा गया था कि क्या वो अकेली पड़ गई हैं। इस पर कंगना ने कहा था, "मैं हमेशा से ही अकेली हूं, हमेशा से ही मैं अकेली हूं, मैंने ये फिल्म इसलिए नहीं बनाई कि मैं किसी तरह से किसी पार्टी के लिए बनाऊं, मैंने ये फिल्म इसलिए नहीं बनाई कि किसी समुदाय को हर्ट करके किसी को मैं फायदा कराऊं। ये मैंने इसलिए नहीं बनाई कि किसी को नीचा दिखाकर मैं राजनीति में पोजिशन बना लूं। तो शुरुआत से मैं अकेली ही तो हूं। जब मेरे साथ कोई है ही नहीं तो मैं अकेली ही तो हूं।"

कंगना ने आगे कहा, "ये फिल्म मैंने इसलिए नहीं बनाई है और बेहद ही ईमानदार बनाई है। तो ऐसे लोग अकेले ही रह जाते हैं।" कंगना का ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

बता दें कि कंगना रनौत ने भले ही बतौर एक्टर अपना करियर शुरू किया था, लेकिन वो एक्टर, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और राजनेता बनने के बाद कंगना रनौत की मालकिन बन गई हैं। कंगना रनौत ने पहाड़ों में अपना नया कैफे खोला है, जिसकी ओपनिंग 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे पर होने वाली है। कंगना के कैफे हिमालय की पहाड़ियों पर बसा है। बर्फ की सफेद चादर से ढका उनका ये कैफे काफी खूबसूरत है, जिसमें पहाड़ों का ट्रेडिशन भी देखने को मिल रहा है।

शास्त्रीय गायक पंडित प्रभाकर कारेकर का निधन 80 की उम्र में ली आखिरी सांस

प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित प्रभाकर कारेकर का मुंबई में निधन हो गया। संक्षिप्त बीमारी के बाद 80 वर्ष की आयु में प्रभाकर कारेकर ने अंतिम सांस ली। गोवा में जन्मे प्रभाकर कारेकर के परिवार के अनुसार उन्होंने बुधवार रात शिवाजी पार्क इलाके में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव देह आज उनके दादर स्थित घर में रखा जाएगा।

वक्रतुंड महाकाय जैसे गायन के लिए प्रसिद्ध थे कारेकर

कारेकर को बोलवा विट्ठल पहावा विट्ठलऋ और वक्रतुंड महाकाय जैसे गायन के लिए जाना जाता था। एक उत्कृष्ट गायक और शिक्षक के रूप में सम्मानित, कारेकर ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर) और दूरदर्शन पर एक श्रेणीबद्ध कलाकार के रूप में प्रदर्शन करते थे। उन्होंने पंडित सुरेश हल्दनकर, पंडित जितेंद्र अभिषेकी और पंडित सीआर व्यास जैसे दिग्गजों से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गोवा के मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने पंडित प्रभाकर कारेकर को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) से एक पोस्ट शेयर किया है। अपने पोस्ट में सीएम सावंत ने लिखा- ₹हिंदुस्तानी शास्त्रीय और अर्ध शास्त्रीय गायक पंडित प्रभाकर कारेकर के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। एंट्रूज महल गोवा में जन्मे, पंडित जितेंद्र अभिषेकी के संरक्षण में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत सीखा। दुनिया भर में विभिन्न मंचों पर प्रदर्शन किया गया। उन्होंने गोवा में शास्त्रीय संगीत के संरक्षण और विस्तार में बहुत योगदान दिया।

श्वेता तिवारी से नेहा धूपिया तक, पाकिस्तान में अपने अभिनय का झंडा बुलंद कर चुके हैं ये सितारे

कला एक ऐसी चीज है, जो सरहदों से परे मानी जाती है। यही वजह है कि कलाकार अक्सर अपनी सीमाओं से दूर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आते हैं। बॉलीवुड की कई हस्तियां हॉलीवुड फिल्मों में दमखम दिखा चुकी हैं तो वहीं, टीवी जगत के सितारे भी कम नहीं हैं। छोटे पर्दे के कई ऐसे चर्चित कलाकार हैं, जिन्होंने भारतीय टीवी शो में तो अपनी पहचान स्थापित की ही, साथ ही पाकिस्तानी सीरियल्स और फिल्मों में भी अपने अभिनय का जादू चला चुके हैं। आइए जानते हैं...

श्वेता तिवारी

टीवी शो 'कसौटी जिंदगी की' से घर-घर में पहचान बनाने वाली श्वेता सिंह आज एक्टिंग की दुनिया का बड़ा नाम हैं। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स और रियलिटी शो के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। दिलचस्प बात यह है कि एक्ट्रेस पाकिस्तानी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। श्वेता का एहसान खान समेत कई पाकिस्तानी स्टार्स के साथ एक पाकिस्तानी मूवी 'सल्तनत' में नजर आईं थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग दुबई में हुई थी।

सारा खान

टीवी शो 'विदाई' के जरिए पॉपुलर हुईं सारा खान 'ससुराल सिमर का' और 'बिग बॉस' में नजर आई थीं। इसके अलावा सारा पाकिस्तानी एक्टर नूर हसन के साथ पाकिस्तानी सीरियल 'ये कैसी मोहब्बत है' में नजर आ चुकी हैं।

नेहा धूपिया

अभिनेत्री नेहा धूपिया का नाम भी लिस्ट में शामिल है। नेहा बॉलीवुड के साथ–साथ पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। बता दें कि नेहा ने 'प्यार ना करना' फिल्म में आइटम नंबर किया था।

किरण खेर

अभिनेत्री किरण खेर भी पाकिस्तानी फिल्म में अपने अभिनय का दमखम दिखा चुकी हैं। वह पाकिस्तानी फिल्म 'खमोश पानी' (2003) में नजर आईं थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए किरण को स्विट्जरलैंड के लोकानों फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था।

अरबाज खान

एक्टर अरबाज खान पाकिस्तानी फिल्म 'गॉडफादर' में नजर आए थे। इस फिल्म में अरबाज ने शाकीर खान का रोल निभाया था। इसके अलावा दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने भी अपने अभिनय का दमखम पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में दिखाया है। बता दें कि अभिनेता ने पाकिस्तानी फिल्म 'खुदा' में काम किया था। यही नहीं, इसके अलावा अभिनेता ने फिल्म 'जिंदा भाग' में भी लीड रोल निभाया था।

सामने आया विजय की अगली फिल्म 'किंगडम' का नाम, एक्शन और स्टंट करते नजर आए एक्टर

विजय देवरकोंडा की फिल्म, जिसे अस्थाई रूप से 'वीडी 12' कहा जा रहा था, उसके टाइटल का खुलासा हो गया है। दरअसल, आज बुधवार को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। इसी में फिल्म के टाइटल से परदा उठा है। और फिल्म का नाम है, 'किंगडम'। यह फिल्म इसी साल मई में रिलीज होगी। आइए जानते हैं तारीख के बारे में और कैसा है टीजर?

विजय देवरकोंडा ने दिखाया एक्शन

आज जारी हुए टीजर में विजय देवरकोंडा एक्शन का दम दिखाते नजर आए हैं। टीजर करीब एक मिनट 55 सकेंड का है। जैसा की इसका नाम है 'किंगडम', फिल्म की कहानी भी वैसी है। टीजर सितारा एंटरटेनमेंट के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी ने किया है।

विजय देवरकोंडा ने साझा किया पोस्ट

टीजर में विजय देवरकोंडा जेल में कैद नजर आए हैं। यह फिल्म 30 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विजय देवरकोंडा ने भी पोस्ट साझा कर फिल्म के टाइटल का जिक्र फैंस से किया है। उन्होंने लिखा है, 'फिल्म का नाम 'किंगडम' है। सवाल, गलतियां, रक्तपात और नियति...।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

टीजर पर यूजर्स की प्रतिक्रिया आ रही हैं। टीजर हिंदी भाषा में भी जारी हुआ है। बता दें कि फिल्म के हिंदी वर्जन में रणबीर कपूर आवाज दे रहे हैं। यूजर्स को उनका अंदाज पसंद आ रहा है। इस फिल्म को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। सिनेमाघरों के बाद यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'उतरन' की तपस्या बन कमाई पहचान, भोजपुरी-बॉलीवुड की इन फिल्मों में भी कर चुकी हैं काम

टीवी धारावाहिक 'उतरन' की तपस्या यानी अभिनेत्री रश्मि देसाई 13 फरवरी को अपना जन्मदिन मना रही हैं। रश्मि देसाई ने इससे पहले भोजपुरी फिल्मों में भी काफी काम किया, हालांकि उन्हें प्रसिद्धी अपने इसी टीवी धारावाहिक से मिली। अभिनेत्री का नाम दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भी जुड़ चुका है। आइए आपको बताते हैं अभिनेत्री से जुड़ी ये सारी खास बातें।

सिद्धार्थ शुक्ला के साथ जुड़ा नाम

'दिल से दिल तक' के सेट पर उनकी मुलाकात सिद्धार्थ शुक्ला से हुई थी। इस शो के दौरान दोनों नजदीक आ गए थे। हालांकि, निजी कारणों से उनके बीच विवाद हुए और दोनों के रास्ते जुदा हो गए। रश्मि देसाई अपनी लव लाइफ में काफी अनलकी रही हैं। उन्होंने साल 2011 में उन्होंने नंदीश संधू के साथ शादी रचाई थी, 4 साल के बाद ही दोनों अलग भी हो गए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि वे अभी भी सही जीवनसाथी की तलाश कर रही हैं।

भोजपुरी फिल्मों में किया काम

रश्मि बिग बॉस 13 और बिग बॉस 15 का हिस्सा भी रहीं। इसके अलावा उन्होंने खतरों के खिलाड़ी 6 में हिस्सा लिया था। रश्मि देसाई हिट शोज में काम करने की पूरी कोशिश कर रही थीं, हालांकि पैसों की तंगी के कारण इससे पहले रश्मि देसाई बी ग्रेड फिल्मों में भी काम किया। वे कई सारी भोजपुरी फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। रश्मि पहली बार साल 2002 में 'कन्यादान' नामक असम फिल्म में नजर आईं थीं।

वेब सीरीज और बड़े पर्दे का सफर

रश्मि देसाई ने साल 2021 में ओटीटी पर भी डेब्यू किया। अभिनेत्री रश्मि देसाई तंदूर (2021), रात्रि के यात्री (2022), एलएलबी (2023), वूमनिया (2024), हिसाब बराबर (2025) जैसी ओटीटी सीरीज में नजर आ चुकी हैं। रश्मि देसाई ओटीटी और टीवी के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी देखा जा चुका है। वह 'दबंग 2', 'सुपरस्टार' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

शाहरुख-सलमान के साथ काम नहीं करना चाहते निखिल आडवाणी, बोले- 'बड़े बजट की फिल्म बनाना नहीं आता'

निर्देशक निखिल आडवाणी ने सलमान खान, शाहरुख खान और अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में बनाईं। एक इंटरव्यू के दौरान निखिल ने कहा कि उन्हें अब सुपरस्टार्स के साथ फिल्म बनाना ही नहीं आता है। निखिल ने कहा कि इन सितारों से प्रशंसक बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कमाई की उम्मीद करते हैं। ऐसे में वह इन सितारों के साथ एक फिल्म बना सकते हैं, लेकिन दबाव से बचने के लिए उन्हें निर्देशित नहीं करना चाहते हैं।

खुद को मानते हैं भाग्यशाली

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक ने कहा, मैं सलमान के साथ फिल्म नहीं बनाना चाहता। उन्होंने कहा कि वह खुद को ₹बहुत भाग्यशाली मानते हैं कि वह उन लोगों को चुन सकते हैं जिनके साथ वह काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी से कहता हूं, जॉन, अक्षय की फिल्में बिग बजट की होती हैं और मुझे नहीं पता कि 600-800 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म कैसे बनाई जाती है।

शाहरुख और अजय के लिए कही ऐसी बात

निर्देशक ने कहा कि वे शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन बहुत बड़े सितारे हैं। उनके फैंस को संतुष्ट करने के लिए उन नंबरों की बहुत जरूरत होती है और इतने बड़े बजट की फिल्में बनाना मुझे तो नहीं आता।

शाहरुख खान के साथ नहीं करेंगे काम

शाहरुख को लेकर निर्देशक ने कहा, 'कल हो न हो' के कारण हम दोनों के बीच काम को लेकर अच्छा रिलेशनशिप है। निखिल ने कहा कि उनके पास फिलहाल शाहरुख के लिए कुछ खास काम नहीं है। मुझे जब तक नहीं लगेगा कि 'मैं कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो न हो' जैसी फिल्मों को बीट कर सकता हूं, तब तक उनके साथ काम नहीं करूंगा।

लव स्टोरी से शाहरुख को है नफरत

निखिल आडवाणी ने कहा कि शाहरुख मेरे साथ फिल्म करना चाहते थे, ऐसे में मुझे उनके साथ 'कल हो न हो' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। निखिल ने कहा कि उन्हें मार धाड़ ही करना था, उन्हें लव स्टोरी करना बिल्कुल पसंद नहीं था। उन्होंने अब डॉन और पठान में ऐसा ही काम किया, जैसा उन्हें पसंद था। निर्देशक निखिल आडवाणी को 'हीरो', 'बाटला हाउस', 'वेदा', 'सलाम ए इश्क', 'कल हो न हो' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

मंचू मोहन बाबू को सुप्रीम कोर्ट से राहत, पत्रकार पर हमला करने के मामले में मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ तेलुगू अभिनेता और पूर्व सांसद मंचू मोहन बाबू को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सासंद को टीवी पत्रकार पर हमला करने के मामले में जमानत दे दी है।

दिसंबर में हुआ था मामला

बता दें कि दिग्गज तेलुगु अभिनेता मोहन बाबू पर आज 11 दिसंबर को केस दर्ज किया गया। 10 दिसंबर 2024 की शाम को मोहन बाबू पर रंगारेड्डी जिले के जलपल्ली में अपने आवास पर एक पत्रकार पर हमला करने का आरोप लगाया गया। यह घटना शाम करीब 7:50 बजे हुई, जब पत्रकार अन्य मीडिया कर्मियों के साथ अभिनेता और उनके बेटे और अभिनेता मांचू मनोज के बीच चल रहे विवाद को कवर कर रहे थे।

पत्रकार को हुए फ्रैक्चर

यह मारपीट इतनी बढ़ गई थी कि पत्रकार को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और उसकी जाइगोमैटिक हड्डी में कई फ्रैक्चर हो गए थे। वरिष्ठ अभिनेता के खिलाफ मारपीट के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, एक न्यूज चैनल के रिपोर्टर द्वारा अपने अभिनेता बेटे मांचू मनोज के साथ चल रहे विवाद के बारे में पूछे जाने पर भड़के पूर्व सांसद मोहन बाबू ने माइक छीन लिया और गाली-गलौज करते हुए उस पर हमला किया था।

बेटे ने कही ऐसी बात

इस मामले पर बात करते हुए मोहन बाबू के बेटे विष्णु मांचू ने स्पष्ट किया कि यह घटना दुर्घटनावश हुई और अनजाने में हुई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे घायल पत्रकार रंजीत और उनके परिवार के संपर्क में हैं और उन्हें मदद प्रदान कर रहे हैं।

घरेलू विवाद भी चर्चा में

मोहन बाबू और मांचू मनोज के बीच संपत्ति और पारिवारिक मुद्दों को लेकर बढ़ते विवाद के कारण मांचू परिवार सुर्खियों में रहा। मोहन बाबू ने मनोज पर उनके घर पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया, जबकि मनोज ने आरोप लगाया कि उनके पिता ने हमेशा उनके भाई विष्णु मांचू के प्रति पक्षपात किया।

'कोई माई का लाल सामने आ जाए', गोविंदा से अलग रहने के सवाल पर सुनीता अहूजा ने दिया ये जवाब

गोविंदा की पत्नी पिछले कुछ दिनों से अपने इंटरव्यू को लेकर काफी चर्चा में हैं। गोविंदा के पैर में गोली लगने के बाद सुनीता अहूजा ने कई अलग-अलग पॉडकास्ट चैनल पर इंटरव्यू दिया और ढेर सारी बातें की। हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में सुनीता ने कहा था कि वो और गोविंदा अलग-अलग रहते हैं, जिसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की बातें हुईं। अब सुनीता का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो इस बात की सच्चाई बताती नजर आ रही हैं।

सुनीता ने बताया क्यों पति से रहती हैं अलग

सुनीता से पैपराजी ने गोविंदा से अलग रहने को लेकर सवाल किया था, जिसके जवाब में वो कह रही हैं, "अलग-अलग रहते हैं मतलब जब उन्होंने पॉलिटिक्स ज्वाइन की थी, तब मेरी बेटी जवान हो रही थी, सारे कार्यकर्ता घर पर आते थे। जवान बेटी है, हम हैं हम शॉर्ट्स पहनकर घर में घूमते हैं तो इसलिए हमने सामने ऑफिस लिया था।"

सुनीता जो अपने बेबाद स्वभाव को लेकर मशहूर हैं, उन्होंने बड़े ही करारे अंदाज में आगे कहा,"हमको, मेरे को और गोविंदा को अगर कोई अलग कर दे, किसी का माई का लाल तो सामने आ जाए।"

क्यों उड़ी गोविंदा से अलग रहने की अफवाह?

दरअसल हिंदी रश से बात करते हुए सुनीता ने कहा था कि पीठ पीछे लोग क्या-क्या करते हैं, मालूम नहीं होता। आदमी पर विश्वास मत करो कभी, गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं लोग। इसके बाद बातों ही बातों में सुनीता ने कहा कि हमारे पास दो घर हैं। हमारे अपार्टमेंट के सामने एक बंगला भी है। हम फ्लैट में रहते हैं, मेरा मंदिर और मेरे बच्चे सब, तो क्या है न उनको (गोविंदा) अपनी मीटिंग्स के चक्कर में लेट हो जाता है। उन्हें बात करने का बहुत शौक है कि 10 लोगों को बैठाओ और बात करो।"

"वहीं हम तीन लोग घर में हैं, मैं, मेरी बेटी और मेरा बेटा हम बहुत कम बात करते हैं, क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि अगर आप ज्यादा बात करते हैं तो अपनी एनर्जी बर्बाद कर रहे हैं। अगर आप काम की बात करते हैं, तो समझ में आता है, लेकिन फालतू की बात करना मुझे पसंद नहीं है और इस मामले में गोविंदा बिल्कुल विपरीत है, वो किसी से भी बात कर सकते हैं।

रहमान ने उड़ाया अलाहबादिया का मजाक बोले- 'मुंह खोलने पर क्या होता है, हमने देखा'

समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट को लेकर चल रहे विवाद में इंडस्ट्री से जुड़े लोग अपना रिएक्शन दे रहे हैं। कुछ लोग समय, रणवीर अलाहबादिया को खुलकर क्रिटिसाइज कर रहे हैं तो कुछ बिना नाम लिए। इस पूरी कंट्रोवर्सी पर म्यूजिक की दुनिया का बड़ा नाम ए आर रहमान ने भी अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने बिना नाम लिए रणवीर अलाहबादिया का मजाक उड़ाया है।

इमोजी के जरिए कंट्रोवर्सी पर रिएक्शन

रहमान और एक्टर विक्की कौशल ने फिल्म 'छावा' के म्यूजिक लॉन्च पर क्रिप्टिक कमेंट्स के जरिए अपना रिएक्शन दिया है। लॉन्च इवेंट में जब विक्की ने रहमान से उनके संगीत को तीन इमोजी में डिस्क्राइब करने के लिए कहा, तो संगीतकार ने कहा, 'वो जो अपना मुंह बंद रखता है।'

रहमान आगे कहते हैं- 'मुझे लगता है कि पिछले हफ्ते हमने देखा है कि मुंह खोलने पर क्या-क्या होता है।' उनके इस जवाब पर विक्की हंसने लगे। विक्की ने हंसते हुए उनसे पूछा, 'रोस्टिंग के बारे में बात करें।'

घर में जो मर्जी बोलिए लेकिन सोशल मीडिया पर नहीं

प्रोड्यूसर बोनी कपूर ने भी इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद पर अपनी राय जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह इस तरह की कॉमेडी को सपोर्ट नहीं करते हैं। और उन्होंने सेल्फ-सेंसरशिप का सुझाव दिया। इंडिया टुडे के अनुसार, बोनी ने कहा, 'उन्होंने जो किया, मैं उसका बिल्कुल भी समर्थन नहीं करता। इसमें लिमिटेशन और सेल्फ-सेंसरशिप भी होनी चाहिए। घर के अंदर आप जो चाहें बोल सकते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर आपको सावधान और अनुशासित रहने की जरूरत है।'

यंग जनरेशन को चाहिए सस्ती पब्लिसिटी

बॉलीवुड बबल से बात करते हुए एक्टर राजपाल यादव ने कहा है कि 'ऐसा लगता है कि ये सस्ती पॉपुलैरिटी पाने का चक्कर है। ये क्या होता जा रहा है हमारी युवा जनरेशन को। इस तरीके के लोग अपने मां-बाप को भी नहीं छोड़ते।'

'सब कुछ स्क्रिप्टेड होता था', सुमोना चक्रवर्ती ने सालों बाद खोला कॉमेडी शो का राज़

एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती ने कपिल शर्मा के साथ उनके कई कॉमेडी शोज में काम किया है। सुमोना कपिल शर्मा की पत्नी के रोल में नजर आती थीं। जहां कई कॉमेडियन अक्सर बताते हैं कि कपिल के शो में वो अक्सर सहजता से कॉमेडी करते थे वहीं सुमोना ने खुलासा किया है कि वो जो कुछ भी बोलती थीं वो सिर्फ स्क्रिप्टेड होता था। सुमोना ने स्वीकार किया कि वो जो कुछ भी वहां करती थीं वो सिर्फ एक्टिंग होती थी।

स्मॉल टाउन्स बिग स्टोरीज़ के साथ हाल ही में इंटरव्यू के दौरान, सुमोना चक्रवर्ती ने कॉमेडी शो के बारे में बात की। जब अभिनेत्री से कपिल शर्मा शो

में कॉमेडी करने की उनकी प्रक्रिया के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसमें बहुत समय लगा क्योंकि कॉमेडी उनकी पसंद का जॉनर नहीं था।

सुमोना ने कहा, "मेरा अपना निजी सेंस ऑफ ह्यूमर है, लेकिन मेरा निजी सेंस ऑफ ह्यूमर इस शो के लिए उपयुक्त नहीं है, यह यहां काम नहीं करेगा। इसलिए मेरे लिए यह वास्तव में सिर्फ एक्टिंग थी। इसे करने में बहुत समय लगा।"

उन्होंने कहा, "जब मुझे स्क्रिप्ट मिलती थी, मैं उन लोगों में से एक थी, मैं कलम और कागज लेकर बैठती थी, हाइलाइट करती थी, पढ़ती थी, शब्द-दर-शब्द याद करती थी क्योंकि पंच लाइन होती है। और इससे भी बढ़कर, मैं कपिल की लाइनें भी याद रखती थी क्योंकि टाइमिंग भी महत्वपूर्ण है।" सुमोना ने यह भी कहा कि अगर कोई एक्टर शूटिंग के दौरान इम्प्रोवाइज करता था, तो वह उसे स्क्रिप्ट में वापस ले आती थी। सुमोना ने खुशी-खुशी शेयर किया कि कपिल शर्मा उनकी बहुत तारीफ करते थे, क्योंकि वह न केवल अपनी लाइनें बल्कि उनका हिस्सा भी याद रखती थीं जिससे शो चलता रहता था।

वर्क फ्रंट की बात करें तो सुमोना ने साझा किया कि वह अब फिल्मों या ओटीटी पर अलग-अलग भूमिकाएँ निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस पिछले कुछ समय से लाइमलाइट से दूर हैं। उन्हें आखिरी बार खतरों के

इरफान खान से हुई तुलना तो नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने दिया जवाब, बोले- मैं किसी के जैसा काम करने को नहीं आया हूं

इंडियन सिनेमा के मशहूर एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने टैलेंट के दम पर आज इंडस्ट्री में बड़ा नाम बन चुके हैं। फिर चाहे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में उनका फैजल खान का दमदार किरदार हो या फिर 'लंचबॉक्स' में उनका संवेदनशील रोल हो, उन्होंने हर एक सीन में खुद की काबिलियत को साबित किया है।

'सेक्रेड गेम्स' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने गणेश गायतोंडे का खौफनाक किरदार निभाया था। जिसके बाद हर कोई उनका फैन हो गया। वो हर एक किरदार में जान फूंक देते हैं। अपनी प्रतिभा के लिए केवल भारत ही नहीं विदेश में भी उनकी धूम है।

दिवंगत अभिनेता इरफान खान का हुनर और फैन फॉलोइंग भी कुछ ऐसी ही थी। अब जब नवाजुद्दीन से इरफान खान से उनकी तुलना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "मैं अपने जैसा काम करने को आया हूं, मैं किसी के जैसा काम करने को नहीं आया हूं। ऑफकोर्स, वो एक महान अभिनेता थे, लेकिन

मुझे अपनी पहचान बनानी है।"

नवाजुद्दीन का ये बयान उनकी कला के प्रति समर्पण और अपनी अलग पहचान बनाने की उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी का सफर एक छोटे से गांव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने तक उनकी मेहनत, टैलेंट और संघर्ष की कहानी है। उन्होंने न केवल इरफान खान जैसे कलाकारों की विरासत को आगे बढ़ाया है, बल्कि अपनी एक अलग पहचान भी बनाई है।

हर किरदार के साथ नवाज़ुद्दीन साबित करते हैं कि वह सिर्फ़ एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक सच्चे दिग्गज कलाकार हैं, जिनका काम आने वाली पीढ़ियों तक याद किया जाएगा। दर्शकों की उम्मीदों का भार अपने कंधों पर लेकर भी अपनी मौलिकता को बनाए रखना ही उन्हें सिनेमा की दुनिया का एक अमर कलाकार बनाता है।

जब मनीषा कोइराला पर लगा था छोटा राजन को फिल्म प्रोड्यूसर के मर्डर की सुपारी देने का आरोप

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस मनीषा कोइराला अक्सर अपनी फिल्मों के साथ-साथ कई विवादों को लेकर भी चर्चा में रही हैं। विवाद फिर चाहे बॉलीवुड से जुड़ा हो या फिर अंडरवर्ल्ड संग उनके कनेक्शन को लेकर हुआ हो। जी हां! एक समय ऐसा भी था जब मनीषा कोइराला पर गंभीर आरोप लगे थे, उनपर आरोप था कि वो फिल्म निर्माता को मरवाना चाहती हैं और इसके लिए उन्होंने सुपारी भी दी है। वो सुपारी भी किसी छोटे-मोटे क्रिमिनल को नहीं, बल्कि छोटा राजन को।

ये बात है साल 2012 की, जब गैंगस्टर अबू सलीम ने फिल्म प्रोड्यूसर मुकेश दुग्गल और मनीषा कोइराला के सेक्रेटरी अजीत दिवानी के मर्डर का आरोप उन पर लगाया था। मुकेश दुग्गल 90 के दशक के जाने माने फिल्म निर्माता थे, जिन्होंने 'दिल का क्या कसूर', 'खिलौना', 'साथी' और 'फतेह' जैसी फिल्में बनाई थी। मुकेश दुग्गल की 1997 में हत्या कर दी गई थी।

गैंगस्टर ने मनीषा कोइराला पर लगाया था आरोप

इसके बाद गैंगस्टर अबू सलीम ने दावा किया था कि मनीषा कोइराला ने छोटा राजन को मुकेश दुग्गल की हत्या की सुपारी दी थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक नार्को एनालिस्ट टेस्ट के दौरान अबू सलीम ने ये बात कबूली थी। उसने कहा था, "मनीषा कोइराला ने सुपारी दी थी और छोटा राजन ने फिल्म प्रोड्यूसर मुकेश दुग्गल को मारा था।"

खुद के सेक्रेटरी के मर्डर का भी था आरोप

अबू सलीम ने ये भी कहा था कि मनीषा कोइराला ने दाऊद इब्राहिम के भाई अनीस इब्राहिम से अपने सेक्रेटरी अजीत दिवानी का मर्डर भी करवाया था। उसने कहा था, "दिवानी को मनीषा कोइराला के कहने पर अनीस ने मारा। पैसों के लेनदेन के कारण उसको मारा गया।"

क्या इन हत्याओं में था मनीषा कोइराला का हाथ?

नहीं, इस मामले में अबू सलीम ने जो कहा वो सब गलत ठहरा दिया गया। बाद में पुलिस ने कहा कि जो भी अबू सलीम ने दावे किए वो सब झूठ और बकवास है। हालांकि इन आरोपों के चलते मनीषा कोइराला खूब चर्चा में रही थीं।

शराब की लत ने बर्बाद किया करियर

मनीषा कोइराला को शराब की लत लग गई थी, जिसके कारण ना केवल उनकी हेल्थ बल्कि करियर भी बर्बाद हुआ। जिस वक्त मनीषा कोइराला का करियर बुलंदियों पर पहुंच चुका था, तब वो अपना फेम एन्जॉय कर रही थीं। उन्हें शराब की लत लग गई थी, जिसका असर उनके काम पर पड़ने लगा था। वो नशे में धुत रहती थीं और काम पर नहीं जाती थीं। जब उन्हें लगा कि अब उन्हें संभल जाना चाहिए तो उन्हें कैंसर हो गया था।

मनीषा कोइराला की लव लाइफ

मनीषा कोइराला आज भी सिंगल हैं, लेकिन उन्होंने कई लोगों को डेट किया और शादी भी की। मगर प्यार के मामले में उनकी किस्मत ने साथ नहीं दिया। उनका नाम एक, दो नहीं बल्कि पूरे 12 लोगों के जुड़ा, इस लिस्ट में फिल्म इंडस्ट्री के भी लोग शामिल हैं। नाना पाटेकर के साथ मनीषा कोइराला के प्यार की खूब चर्चा थी। बाद में भी नाना पाटेकर ने कहा था कि वो मनीषा से प्यार करते थे और उनकी तारीफ भी की थी। इनके अलावा डीजे हुसैन, नाइजीरियाई बिजनेसमैन सेसिल एंथनी, आर्यन वैद , प्रशांत चौधरी ,ऑस्ट्रेलियाई राजदूत क्रिस्पिन कॉनरॉय संग भी उनका नाम जुड़ा था। इस खबर को डिटेल में पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

मनीषा कोइराला की शादी

मनीषा कोइराला ने साल 2010 में बिजनेसमैन सम्राट के शादी की थी। जो ज्यादा दिन नहीं टिक पाई। मनीषा ने शादी के दो साल बाद 2012 में पति से तलाक ले लिया था। मगर कुछ समय पहले 'हीरा मंडी' वेब सीरीज के दौरान उन्होंने अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात की थी। उन्होंने पिंकविला के साथ खास बातचीत में कहा था कि उन्होंने ये समझ लिया है वो खुद कौन हैं और उनकी लाइफ क्या है। पार्टनर को लेकर उन्होंने कहा था कि अगर किसी को उनकी लाइफ में आना होगा तो वो कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं करने वाली हैं। उनका कहना है कि अगर उनका कम्पैनियन उनके साथ चल सकता है तो वो बहुत खुश होंगी। लेकिन, वो इसे बदलना नहीं चाहेंगी, जो उनके पास है। उन्होंने इस बारे में क्या कहा था इसे डिटेल में पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

बता दें कि मनीषा कोइराला ने नेपाली फिल्म से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी मगर अब वो बॉलीवुड की एक्ट्रेस के नाम से जानी जाती हैं। मगर बॉलीवुड में उन्होंने साल 1992 में फिल्म 'सौदागर' से डेब्यू किया था। उन्होंने उस दौर के लगभग हर एक्टर के साथ काम किया है, मगर अनिल कपूर और आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को खास पसंद किया जाता था।

ट्रेजडी से भरी थी विनोद मेहरा की लाइफ

70 के दशक के मशहूर एक्टर विनोद मेहरा की आज बर्थ एनिवर्सरी है, उनका जन्म 13 फरवरी, 1945 में हुआ था और उन्होंने 30 अक्टूबर 1990 में दुनिया को अलविदा कह दिया था। जब विनोद मेहरा ने जब अपना फिल्मी करियर शुरू किया था वो उस वक्त 26 साल के थे। विनोद मेहरा ने 1971 में 'एक थी रीता' डेब्यू किया था, इसमें उनके साथ तनुजा थीं। ये फिल्म बड़ी हिट साबित हुई थी।

विनोद मेहरा की इमेज इंडस्ट्री में चॉकलेट बॉय वाली थी। विनोद मेहरा एक सफल अभिनेता थे, मगर उनकी पर्सनल लाइफ बिल्कुल अच्छी नहीं रही। चाहे वो फिर लव लाइफ और या शादीसुदा जिंदगी। लड़कियां उनकी बड़ी फैन थीं, मगर उन्हें जीवन में सच्चा प्यार नहीं मिला। उनकी पर्सनल लाइफ में खूब हार्टब्रेक थे।

विनोद मेहरा ने तीन शादियां की थी। पहली बार उन्होंने मीना ब्रोका से शादी की थी और ये एक अरेंज मैरिज थी। ये शादी लंबे समय तक नहीं टिक पाई, क्योंकि उनकी लाइफ में एक्ट्रेस बिंदिया गोस्वामी की एंट्री हो गई थी। दोनों का रोमांस किसी परियों की कहानी से कम नहीं थी।

विनोद मेहरा की बर्थ एनिवर्सरी

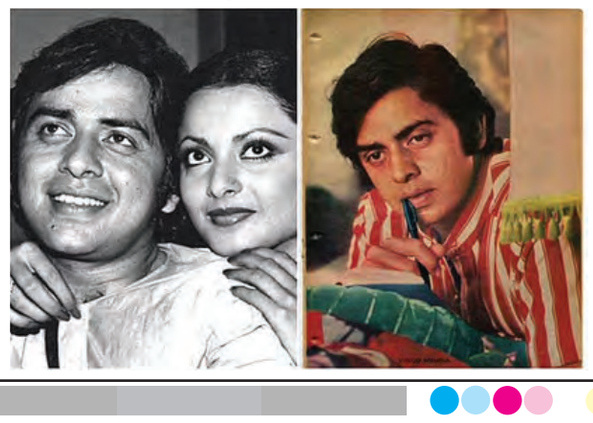

इसके बाद विनोद मेहरा का दिल टूट गया था। इस बीच, विनोद मेहरा दिल की गंभीर बीमारियों से भी जूझ रहे थे और उनका अभिनय करियर खराब हो रहा था। कथित तौर पर उनका अभिनेत्री रेखा के साथ अफेयर था, लेकिन वह भी कड़वाहट के साथ खत्म हुआ। विनोद मेहरा को आखिरकार केन्या के एक बिजनेसमैन की बेटी किरण से प्यार मिल गया। जो एक सपने जैसा लग रहा था। दंपति के दो बच्चे थे – रोहन और सोनिया। मगर विनोद मेहरा का फिर निधन हो गया और उनकी पत्नी अपने बच्चों को लेकर केन्या चली गईं।

'भारत खिलौने, फुटवियर विनिर्माण के लिए नई नीतियां लाएगा': केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का एलान

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। सरकार जल्द ही भारत में खिलौनों और जूतों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां पेश करेगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही है। गोयल ने कहा इस कदम का उद्देश्य देश को इन क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाना है। बुधवार को बेंगलुरु में इन्वेस्ट कर्नाटक 2025- ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में बोलते हुए, गोयल ने खिलौना उद्योग में सरकार के प्रयासों पर भी बात कही। उन्होंने कहा, हमारे खिलौनों का आयात घटकर 50 प्रतिशत रह गया है। हमारा निर्यात अब 5 साल पहले की तुलना में 3.5 गुना है, और हम जल्द ही खिलौनों, जूतों में विनिर्माण को और बढ़ावा देने के लिए नीतियां लेकर आएंगे, ताकि हम इन क्षेत्रों में वैश्विक चैंपियन बन सकें। उन्होंने कहा कि आगामी नीतियां भारत में खिलौनों और जूतों के विनिर्माण के विकास को और बढ़ावा देंगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने देश में उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत करीब 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, साथ ही सेमीकॉन मिशन के लिए 74,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऑटो कंपोनेंट, सेमीकंडक्टर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों को मजबूत करना है, जो महत्वपूर्ण रोजगार अवसर पैदा करते हैं। गोयल ने भारत की आर्थिक वृद्धि में कर्नाटक की महत्वपूर्ण भूमिका और विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ₹हमारा ध्यान वैश्विक क्षमता केंद्रों पर है, जिन्हें पूरे देश में स्थापित किया जा रहा है और कर्नाटक, विशेष रूप से बेंगलुरु में बड़ी संख्या में वैश्विक क्षमता केंद्र हैं और आने वाले वर्षों में और भी कई केंद्र बनेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को दोहराया, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर केंद्रित है।

सेबी का डिजिटल प्लेटफॉर्म 'मित्र' पेश, निष्क्रिय या बिना दावे वाले म्यूचुअल फंड निवेशों का लगाएगा पता

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने निष्क्रिय या बिना दावे वाले म्यूचुअल फंड फोलियो का पता लगाने और फिर से प्राप्त करने में निवेशकों की सहायता के लिए बुधवार को एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म 'मित्र' पेश किया है। म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट ट्रेसिंग एंड रिट्रीवल असिस्टेंट (मित्र) नामक प्लेटफॉर्म का मकसद निवेशकों को भूले म्यूचुअल फंड निवेशों का पता लगाने के साथ मौजूदा मानदंडों के अनुसार केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) अपडेट करने के लिए प्रोत्साहित करना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक सर्कुलर में कहा, समय पर केवाईसी नहीं होने या फिर किसी अन्य वजह से कई फोलियो निष्क्रिय हो जाते हैं या फिर फोलियो पर किसी का दावा नहीं रहता। इससे निवेशकों को अपने निवेश का फायदा नहीं मिलता है। साथ ही, ऐसे निष्क्रिय और बिना दावे वाले फोलियो अलग परेशानी खड़ी करते हैं। ऐसे फोलियो को ट्रैक करने या फिर उन्हें वापस पाने के लिए आरटीए (रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट) ने यह प्लेटफार्म विकसित किया है। एक फोलियो को तब निष्क्रिय माना जाता है, जब निवेशक की ओर से उसमें 10 साल तक कोई वित्तीय या गैर-वित्तीय लेनदेन नहीं किया गया हो।

अडानी ने 3800 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट से हाथ खींचे, श्रीलंका में बनाई जानी थी बिजली

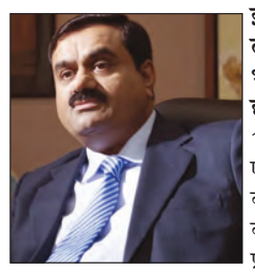

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। नई दिल्लीः अडानी ग्रुप ने श्रीलंका में 442 मिलियन डॉलर (करीब 3800 करोड़ रुपये) यानी लगभग 36 अरब रुपये के विंड पावर प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया है। एएफपी के डॉक्यूमेंट्स के अनुसार, श्रीलंकाई अधिकारियों की ओर से समझौते में बदलाव की कोशिश के बाद अडानी ने यह फैसला लिया है। अडानी ग्रुप ने श्रीलंका के निवेश बोर्ड को बुधवार को एक पत्र लिखा। इसमें उन्होंने सरकार के रुख का सम्मान करते हुए प्रोजेक्ट से हटने का ऐलान किया। इसमें लिखा है कि सरकार के साथ कोई अनबन नहीं है। बस कुछ बातों पर सहमति नहीं बन पाई।

क्या थी समझौते में बात?

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार ने कुछ समय पहले अडानी ग्रुप के साथ बिजली खरीद समझौता रद्द कर दिया था। श्रीलंका को कम कीमत पर बिजली चाहिए थी। इसलिए नया समझौता करने की बात चल रही थी।

क्या कहा अडानी ने?

अडानी ने BOI को लिखे पत्र में बताया कि उन्होंने श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी तट पर बनने वाले 484 मेगावाट के प्लांट के शुरुआती काम पर करीब 5 मिलियन डॉलर (करीब 41 करोड़ रुपये) खर्च कर दिए थे। **इतना पैसा लगाने के बाद भी प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा।** 12 फरवरी के एक पत्र में कंपनी ने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट से हटने के बावजूद वे भविष्य में श्रीलंका सरकार के साथ विकास के मौकों पर काम करने को तैयार हैं। अडानी ग्रुप श्रीलंका सरकार के साथ रिश्ते खराब नहीं करना चाहता। इसलिए ग्रुप सम्मानपूर्वक इस प्रोजेक्ट से हटना पसंद करेगा। इस फैसले के बाद गुरुवार को अडानी पावर के शेयर में गिरावट आई। एक दिन पहले बुधवार को यह शेयर 501.60 रुपये पर बंद हुआ था। गुरुवार को यह बढ़त के साथ 503.95 रुपये पर खुला। कुछ ही देर बाद यह 506.10 रुपये पर पहुंच गया था, लेकिन बाद में गिरावट शुरू हो गई।दोपहर 1:30 बजे तक यह शेयर लाल निशान पर आ गया था। इस समय यह शेयर मामूली गिरावट के साथ 501.30 रुपये पर आ गया था। इस शेयर में पिछले एक महीने में 11 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। हालांकि 6 महीने में इसमें 27 फीसदी से ज्यादा की गिरावट भी दर्ज की गई है।

'आठ फीसदी विकास दर के लिए बड़े राज्यों को बांटना होगा'; अर्थशास्त्री अहलूवालिया ने दिया शहरीकरण पर जोर

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में तेज आर्थिक विकास के लिए कौन से प्रयास सबसे जरूरी हैं? इस सवाल पर तमाम अर्थशास्त्री अपने-अपने विचार साझा करते हैं। ताजा घटनाक्रम में भारतीय योजना आयोग (अब NITI Aayog) के पूर्व उपाध्यक्ष और अर्थशास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने कहा है कि भारत में 8% की विकास दर का लक्ष्य हासिल करने के लिए बड़े राज्यों को बांटना होगा। उन्होंने कहा कि नए शहरों का उभरना और शहरीकरण को बढ़ावा देना भी अहम है। उन्होंने कहा कि अगर भारत 8 फीसदी की विकास दर हासिल करेगा तो शहरी आबादी शहरों के बुनियादी ढांचे की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगी।

मोंटेक अहलूवालिया का विचार क्यों चर्चा में है

देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के साथ देश की अर्थव्यवस्था को लेकर कई अहम फैसले ले चुके योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मोंटेक अहलूवालिया ने कहा, 'मैं यह सुझाव नहीं दे रहा हूं कि आपको कर्नाटक में क्या करना चाहिए, लेकिन यह मेरा सामान्य विचार है। हमें कई बड़े राज्यों को दो या तीन में विभाजित करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।'

यूपी की पूर्व सीएम मायावती का जिक्र

अहलूवालिया ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जिक्र कर कहा, 'गांधीजी ने कहा था कि भारत अपने गांवों में बसता है और कई लोग अब भी इसे एक तरह का रोमांटिक दृष्टिकोण मानते हैं। हालांकि, व्यक्तिगत रूप से मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कहा था कि भारत 100 साल बाद भी ऐसा करना जारी रखेगा।' उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा नेता मायावती ने अपने राज्य को तीन भागों में विभाजित करने का

सुझाव दिया था। अगर उस समय ऐसा किया गया होता, तो तीन नए अच्छे शहर बनाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति तत्काल पैदा हो गई होती।

कठिन फैसलों से ही बदलाव आता है

बकौल अहलूवालिया, ऐसा कई अन्य राज्यों में भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र में ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि विदर्भ क्षेत्र को एक अलग राज्य बनाया जाना चाहिए और नागपुर उसकी राजधानी होनी चाहिए। हालांकि, इस तरह के कठिन फैसले राजनीतिक रूप से आसान नहीं होते। इसके बावजूद बदलाव केवल दिलचस्प सुधारों से ही संभव होता है।

फिलहाल भारत की अर्थव्यवस्था कैसी स्थिति में है

गौरतलब है कि विगत नवंबर, 2024 में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितता और तनाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल 7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। यह वृद्धि दर 20 देशों के समूह यानी जी-20 में सबसे तेज होगी। इस दौरान बड़े देशों की वृद्धि दर तीन फीसदी से भी नीचे रह सकती है। रेटिंग एजेंसी मूडीज का मानना है कि अगले साल भारत 6.6 फीसदी की दर से बढ़ सकता है। 2026 में यह दर 6.5 फीसदी रहने की उम्मीद जताई गई है। चालू वर्ष में 7.2 फीसदी का अनुमान है। एजेंसी का कहना है कि ठोस विकास और मध्यम महंगाई के मिश्रण के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है।

शहरों के विकास के लिए भारत में कैसी नीति

तमाम आर्थिक पहलुओं को मद्देनजर रखते हुए अहलूवालिया का मानना है कि कुछ टियर-2 शहरों को चुनना और उन्हें ₹महानगरों के निकट₹ विकसित करना बंगलूरू जैसे अति-संतृप्त शहरों के लिए समाधान हो सकता है। उन्होंने कहा, अन्य शहरों में भी इसका प्रसार होना चाहिए, लेकिन स्वाभाविक रूप से ऐसा होता नहीं है। उन्होंने कहा, भारत में ऐसा केवल तभी होता है जब कोई नया राज्य बनाया जाता है और राजधानी बनाई जाती है। अहलूवालिया ने कहा, बंगलूरू में बहुत सारी सुविधाएं हैं, लेकिन सिर्फ बहुत सारी कंपनियों के निवेश से किसी शहर को रहने लायक नहीं बना सकते। शहरी निकायों में प्रबंधन के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यह सभी राज्यों के लिए सच है।

चीन के इस 'चायवाले' ने 1 दिन में कर डाली 9500 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। चाय एक ऐसी चीज है जो अमूमन हर देश में सर्व की जाती है। खासकर भारत और चीन में चाय हर किसी की पसंदीदा ड्रिंक है। आज आपको एक ऐसे चायवाले से मिलाते हैं। जिसके सामने बड़े-बड़े दिग्गज फेल हैं। चीन के इस यंग बिलिनियर की उम्र केवल 38 साल की है। केवल 38 साल के इस यंग बिलिनियर ने चीन के बड़े-बड़े दिग्गजों को पानी पिला दिया है। ये चाय का बिजनेस करते हैं। दरअसल चीन में बबल चाय के क्रेज ने कई कारोबारियों को अरबपति बना दिया है।

एक दिन में 9500 करोड़ बढ़ी दौलत

अब इसी कड़ी में शामिल हो गए हैं चीन के यूनान वांग। जी हां ये चीन के नए यंगेस्ट बिलिनियर जिनकी दौलत एक दिन में 9500 करोड़ रुपए बढ़ गई है। वांग की कंपनी गमिंग होल्डिंग्स जो दूध की चाय का बिजनेस करती है। ये कंपनी अपना आईपीओ लेकर आई है। इनकी कंपनी के आईपीओ को तगड़ा रिस्पांस मिला है। जिससे इनकी दौलत में जोरदार इजाफा देखने को मिला है। ब्लूमबर्ग बिलिनियर्स इंडेक्स के डेटा के मुताबिक इस आईपीओ के कारण वांग की कंपनी बिलियन डॉलर मार्क में शामिल हो गए हैं।

आइपीओ ने किया कमाल

बुधवार को इनकी कंपनी के आईपीओ ने मार्केट में दस्तक दी और पहले ही दिन इस आईपीओ ने कमाल कर दिया। करीब 233 मिलियन डॉलर के इस आईपीओ को मिले जोरदार रिस्पांस से वांग की दौलत एक दिन में करीब 1.1 बिलियन डॉलर (करीब 9500 करोड़ रुपए) बढ़ गई। पेशे से इंजिनियर रहे वांग ने अपनी पढ़ाई के बाद बिजनेस में हाथ आजमाया।

चाय की दुकान से अरबपति तक

पढ़ाई पूरी करने के बाद वांग ने साल 2010 में पहला बबल चाय का दुकान खोला। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक वांग ने अपना कारोबारी सफर शंघाई के एक छोटे से शहर से शुरु किया। धीरे-धीरे इनकी चाय के कारोबार ने रफ्तार पकड़ी और देखते ही देखते इन्होंने चीन में करीब 10,000 चाय स्टोर्स खोल दिए। इनकी कंपनी के चाय का ब्रांड 'गुड मी' है। आज के दौर में बबल चाय सेगमेंट में इनकी चाय चीन के हर घर में देखने को मिलती है। आज की तारीख में गुड मी चीन का दूसरा सबसे बड़ा बबल टी मेकर बन चुका है।

सोना 899 बढ़कर 85,744 पर पहुंचा : एक किलो चांदी 1,437 महंगी होकर 95,626 किलो बिक रही

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 13 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 899 रुपए बढ़कर 85,744 रुपए हो गया है। इससे पहले 12 फरवरी को सोना 84,845 रुपए पर था। वहीं 11 फरवरी को इसने 85,903 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 1,437 रुपए बढ़कर 95,626 रुपए किलो पर पहुंच गई है। कल चांदी का भाव 94,189 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

जनवरी से अब तक सोना 9,582 महंगा हुआ इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 9,582 रुपए बढ़कर 85,744 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,609 रुपए बढ़कर 95,626 रुपए पर पहुंच गया है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत

79,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,200 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,050 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 87,050 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,050 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 87,100 रुपए है।

हैदराबाद : सोने की दर 24 कैरट के लिए ररुपए 87050 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रुपए 79800/10 ग्राम।

यह कैसी अमीरों की लिस्ट जिसमें नहीं है अडानी परिवार का नाम

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। देश के जब भी सबसे अमीर परिवार के लोगों का नाम सामने आता है, अंबानी और अडानी आगे खड़े दिखाई देते हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में एशिया के टॉप अमीरों में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी का नाम ही होता है। लेकिन एक लिस्ट ऐसी भी है जिसमें अंबानी का तो नाम है, लेकिन अडानी का नाम कहीं नहीं है। अडानी के अलावा इसमें दूसरे कई भारतीय कारोबारियों के भी नाम शामिल हैं। दरअसल, यहां बात एशिया के टॉप 20 अमीर परिवारों की हो रही है। ब्लूमबर्ग ने एशिया के 20 सबसे अमीर परिवारों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर मुकेश अंबानी के परिवार का नाम है। लिस्ट में मिस्त्री परिवार चौथे नंबर पर है। वहीं जिंदल फैमिली 7वें और बिरला फैमिली 9वें स्थान पर है। टॉप 20 में इनके अलावा भारत से बजाज परिवार और हिंदुजा परिवार भी शामिल हैं।एशिया के टॉप 20 अमीर परिवारों में दूसरे नंबर पर थाईलैंड का चेरावनोंट परिवार है। इनकी कुल नेटवर्थ 42.6 अरब डॉलर (करीब 3.70 लाख करोड़ रुपये) है। यह अंबानी की कुल संपत्ति के आधे से भी कम है। परिवार की चौथी पीढ़ी भी एशिया भर में कारोबार चला रही है। यह परिवार फूड, रिटेल और टेलीकॉम यूनिट का संचालन करता है।एशिया के टॉप 20 परिवार में अडानी का नाम शामिल नहीं है। दरअसल, गौतम अडानी पहले पीढ़ी के कारोबार हैं। इसलिए उन्हें इस सूची में शामिल नहीं किया गया है। यह सूची खानदानों पर आधारित है।

उतार-चढ़ाव के बाद लगातार सातवें दिन गिरा बाजार

सेंसेक्स 32 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला

नई दिल्ली,13 फरवरी (एजेंसियां)। चुनिंदा आईटी और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली और विदेशी फंडों की निकासी जारी रहने के कारण गुरुवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती बढ़त खोकर लगातार सातवें दिन गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 32.11 अंक या 0.04 प्रतिशत गिरकर 76,138.97 पर बंद हुआ। सत्र के अधिकांश समय सूचकांक सकारात्मक दायरे में रहा। बेंचमार्क ने दिन के उच्चतम 76,764.53 और निम्नतम 76,013.43 के बीच 751.1 अंक का उतार-चढ़ाव किया। एनएसई निफ्टी 13.85 अंक या 0.06 प्रतिशत गिरकर 23,031.40 पर आ गया। 30 शेयरों वाले ब्लू-चिप पैक में अडानी पोर्ट्स, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक, नेस्ले और टाइटन पिछड़ गए। सन फार्मा, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक और जोमैटो में सर्वाधिक लाभ रहा। एक्सचेंज के

आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 4,969.30 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। बाजार के जानकारों के अनुसार घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़ों में नरमी के कारण बाजार में शुरुआती आशावाद के बावजूद, अनिश्चित वैश्विक संकेतों और कॉर्पोरेट आय में कमी के कारण रैली की गति कम हो गई। इसके अलावा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में बढ़ती रुचि के कारण चीनी प्रौद्योगिकी शेयरों में उछाल ने एफआईआई को अधिक आकर्षक रिटर्न की तलाश में पुनर्निर्देशित किया। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, बाजार प्रतिभागी अब संभावित वापसी रैली के लिए व्यापार और टैरिफ रियायतों के लिए ट्रम्प-मोदी वार्ता के परिणाम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। गिरावट का रुख जारी रखते हुए खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में पांच महीने के निचले स्तर 4.31 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण सब्जियों, अंडों और दालों की कीमतों में गिरावट थी। एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। बुधवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.94 प्रतिशत घटकर 74.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को दिनभर में 900 से अधिक अंक लुढ़कने वाला बीएसई सेंसेक्स 122.52 अंक या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,171.08 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 26.55 अंक या 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ लगातार छठे दिन 23,045.25 अंक पर बंद हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-46 सूर्यास्त. -18-13
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया . 21-51 तक उपरान्त तृतीया
मास - पौष कृष्ण , शुक्रवार 14 February
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 23-08 तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - अतिगण्ड 07-18 तक उप सुकर्मा
करण- तैतिल 09-02 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ मे	कुंभ...	06-42 बजे
चंद्र-	सिंह मे	मीन....	08-20 बजे
मंगल	मिथुन मे	मेष---	09-56 बजे
बुध-	कुंभ मे	वृष---	11-40 बजे
गुरु-	वृष मे	मिथुन..	13-41 बजे
शुक्र-	मीन मे	कर्क....	15-53 बजे
शनि-	कुंभ मे	सिंह---	18-06 बजे
राहु-	मीन मे	कन्या...	20-12 बजे
केतु-	कन्या मे	तुला....	22-18 बजे
		वृश्चिक...	00-28 बजे
		धनु.....	02-41 बजे
		मकर...	05-01 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:04 से 12:30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	06:46 - 08:11 शुभ	रोग	18:13 - 19:50 अशुभ
लाभ	08:11 - 09:37 शुभ	काल	19:50 - 21:23 अशुभ
अमृत.	09:37 - 11:04 शुभ	लाभ	21:23 - 22:57 शुभ
काल.	11:04 - 12:30 अशुभ	उत्पात	22:57 - 00:30 अशुभ
शुभ.	12:30 - 13:57 शुभ	शुभ	00:30 - 02:04 शुभ
रोग .	13:57 - 15:23 अशुभ	अमृत	02:04 - 03:37 शुभ
उत्पात	15:23 - 16:50 अशुभ	चंचल	03:37 - 05:10 शुभ
चंचल.	16:50 - 18:13 शुभ	रोग	05:10 - 06:46 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा , तब आपके धन प्राप्ति के योग है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार है। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है और आपके काम में समर्थन भी करेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा । ये समय अपने कठिन परिश्रम के फल का आनंद लेने का समय है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृत्ति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नई जगह जाना चाहते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी । आप आज ऊर्जा और आशा से भरे हैं ।यह सकारात्मक भावना आपको पूरे दिन प्रेरित करती रहेगी चाहे आपके रास्ते में कितनी भी बाधाएं आयें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कनाडा ने माना खालिस्तानी भारत के लिए खतरा

फिर भी 4 साल में 1045 को दी शरण, दावा– निज्जर हत्याकांड के पीछे भारत

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। भारत हमेशा से सवाल उठाता रहा है कि कनाडा खालिस्तानी आतंकियों को पनाह देता है। कनाडा भी ये मानता है कि खालिस्तानी आतंकी भारत के लिए खतरा हैं। हालांकि, 28 जनवरी 2025 को जारी कनाडा के फॉरेन इंटरफेरेंस कमीशन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खालिस्तान समर्थक कनाडा में आराम से रह रहे हैं।

भारत के नजरिए से देखें तो इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जो भारत में खालिस्तान मूवमेंट चलाने के लिए टेरर फंडिंग कर रहे हैं।

कनाडा सरकार के इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड के डेटा से पता चला है कि कनाडा ने 2021 से 2024 के बीच 1045 सिख मिलिटेंट्स को शरण दी है। कनाडा जिन्हें सिख मिलिटेंट्स कह रहा है, असल में ये खालिस्तानी आतंकी ही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की भूमिका रही है। हालांकि, इसे साबित करने के लिए ठोस सबूत नहीं है। कनाडा ने ये बात सिर्फ विश्वसनीय आरोपों के आधार पर कही है और आज भी अपने दावे पर कायम है।

इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड के डेटा में और क्या है, कनाडा सरकार की फॉरेन इंटरफेरेंस कमीशन की रिपोर्ट में क्या लिखा है, ये जानने के लिए दैनिक भास्कर ने इसकी पड़ताल की। साथ ही कनाडा में रह चुके राजनयिक दीपक बोहरा से भी बात की। सबसे पहले बात कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों को आसानी से मिलने वाली एंट्री की। इस पर इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड ने एक डेटा तैयार किया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि 2021 से लेकर अगस्त 2024 तक 1045 खालिस्तानी आतंकियों को कनाडा में शरण मिली है। इस दौरान 1874 संदिग्ध लोगों ने कनाडा में शरण लेने के लिए आवेदन किया था।

रिपोर्ट की खास बातें

2019 और 2020 में खालिस्तान से जुड़े लोगों ने शरण के लिए आवेदन किया था, लेकिन कनाडा ने एंट्री रोक दी। इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड की रिपोर्ट में लिखा है कि 2019 में 34 और 2020 में 28 लोगों ने आवेदन किया था, लेकिन उन्हें एंट्री नहीं मिली।

2021 में 141 लोगों ने आवेदन किया। इनमें से 36 लोगों को शरण दे दी गई और ये कनाडा में रहने लगे। 2022 में 801 लोगों ने आवेदन किया और 428 लोगों को शरण दी गई।

2023 में ये संख्या कम होकर 364 हो गई। जनवरी से अगस्त तक 428 लोगों ने अप्लाय किया था। कनाडा सरकार ने इसमें 246 एप्लिकेशन मंजूर कर लीं। सितंबर से दिसंबर 2023 तक 190 लोगों ने आवेदन किया और 118 को शरण मिली।

2024 की जनवरी से मार्च तक कुल 119 लोगों ने आवेदन किया था। इनमें से 78 लोगों को एंट्री मिल गई। अप्रैल से अगस्त 2024 तक कुल 195 सिख मिलिटेंट्स ने कनाडा में शरण लेने के लिए आवेदन किया। इनमें से 139 लोगों को मंजूरी मिल गई। रिपोर्ट में खालिस्तान उग्रवादी कौन हैं और उन्हें शरण देने की वजह के बारे में कनाडा के इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड ने एक जानकारी दी है। उसके अनुसार, सिख मिलिटेंट्स के तौर पर जिसे पेश किया जा रहा है, वो खतरे में हैं। अपने ही देश में उनका उत्पीड़न किया जा रहा है, इसलिए उन्हें शरण चाहिए।

कनाडा ने माना कि खालिस्तान भारत के लिए खतरा

अब बात कनाडा सरकार की रिपोर्ट की। ये रिपोर्ट कनाडा सरकार के फॉरेन इंटरफेरेंस कमीशन ने करीब एक साल में तैयार की है। इस कमीशन को कमिश्नर मेरी जोसी हॉग ने लीड किया था। लीड काउंसिल शांतोना चौधरी समेत 20 से ज्यादा मेंबर इसमें शामिल थे।

रिपोर्ट के 4 वॉल्यूम जारी किए गए हैं। इसमें कनाडा के दूसरे देशों से रिश्तों के बारे में भी डिटेल जानकारी है। रिपोर्ट के वॉल्यूम नंबर-4 में भारत से जुड़ी जानकारियां हैं। रिपोर्ट में जिक्र है कि 1985 में एअर इंडिया हादसे के बाद से ही भारत परेशान है। भारत ने कनाडा में रहने वाले सिखों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने को लेकर वहां की सरकार पर दबाव बनाया। कनाडा में रहने वाले 8 लाख प्रवासी सिख टारगेट पर हैं।

सीएसआईएस (कनाडियन सेक्यूरिटी इनटेलिजेंस सर्वीस) की रिपोर्ट के आधार पर दावा है कि भारत ने कुछ सबूतों के आधार पर कनाडा में पनप रहे खालिस्तान उग्रवाद से खतरे का अंदेशा जताया है। ये भी कहा है कि कुछ खालिस्तानी उग्रवादी कनाडा में रहकर भारत को टारगेट कर रहे हैं। वे खासतौर पर

टेरर फंडिंग कर रहे हैं। हालांकि, भारत के इस दावे पर कनाडा की इंटेलिजेंस सर्विस का मानना है कि खालिस्तान का समर्थन करने वाले ज्यादातर शांतिपूर्ण तरीके से रहते हैं।

इस लाइन का मतलब क्या है?

ये पूछने पर कनाडा में राजनयिक रह चुके दीपक बोहरा कहते हैं, 'वे भारत के टेरर फंडिंग के दावे को सीधे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। ये जरूर कह रहे हैं कि ज्यादातर खालिस्तानी शांतिपूर्ण तरीके से रहते हैं। मतलब कुछ खालिस्तानी समर्थक हैं, जो भारत के खिलाफ टेरर फंडिंग कर रहे हैं या टेरर एक्टिविटी में शामिल हैं।'

बोहरा आगे कहते हैं, 'कनाडा ने रिपोर्ट में खुद लिखा है कि भारत ने लेगिटीमेट बासिस (कानूनी आधार) पर खालिस्तानी आतंकी के दावे किए हैं। यानी भारत ने इसके वैध आधार दिए हैं। जबकि कनाडा ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के लिंक को लेकर सिर्फ आरोप लगाए हैं। ये अपने आप में कनाडा की पोल खोलता है।'

फॉरेन इंटरफेरेंस कमीशन की रिपोर्ट के पहले और तीसरे वॉल्यूम में हरदीप सिंह निज्जर के मर्डर का जिक्र है। हाल में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि कनाडा ने पहली बार माना है कि निज्जर की हत्या में कोई बाहरी देश शामिल नहीं है। यानी कनाडा के पीएम ने भारत सरकार के इन्वॉल्वमेंट को लेकर पिछले दिनों जो दावा किया था, उसे ये रिपोर्ट झूठा साबित करती है।

हालांकि, ऐसा नहीं है। कनाडा ने निज्जर हत्याकांड में भारत सरकार पर ही सवाल उठाए हैं। असल में निज्जर की हत्या के बाद कई इंटरनेशनल मीडिया रिपोर्ट्स में भारत सरकार की भूमिका संदिग्ध बताई गई थी। कनाडा की इंटेलिजेंस एजेंसी ने ये जांच इसलिए शुरू की थी कि कहीं इस गलत सूचना (डिसइनफार्मेशन) में किसी दूसरे देश का हाथ तो नहीं। कनाडा ने जांच के बाद अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि किसी दूसरे देश से कोई निश्चित संबंध साबित नहीं किया जा सका। यानी इस सूचना को फैलाने में किसी बाहरी देश की भूमिका नहीं मिली है। कनाडा सरकार के इसी दावे को कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये बताया गया कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में किसी फॉरेन स्टेट की भूमिका नहीं मिली है। यानी भारत सरकार को कनाडा ने क्लीनचिट दे दी है, जबकि ऐसा नहीं है।

निज्जर की हत्या में भारत का लिंक, सबूत नहीं सिर्फ विश्वसनीय आरोप का हवाला

आखिर रिपोर्ट में निज्जर की हत्या पर भारत के बारे में क्या लिखा है, हमने इसकी पड़ताल की। पहले वॉल्यूम के पेज-41 पर इसका जिक्र मिला। रिपोर्ट में लिखा है- 'कनाडा लगातार भारत के साथ अपने संबंध बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा था। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट्स के लिंक की संभावना है।'

'इसे लेकर कनाडा का विश्वसनीय आरोप है। हालांकि, भारत सरकार ने बार-बार इन आरोपों का खंडन किया है।'

इस दावे पर कनाडा में राजनयिक रहे दीपक बोहरा कहते हैं, 'कोई भी देश जब दूसरे देश पर संगीन आरोप लगाता है, तो उसके पुख्ता सबूत देता है। कनाडा ने अपने आरोप के पीछे क्रेडिबल एलिगेशन की बात कही है। ये हैरान करने वाली बात है।'

'मुझे हंसी आती है कि कब से आरोप भी विश्वसनीय होने लगे। कनाडा ने अपनी रिपोर्ट में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के लिंक होने का बार-बार दावा किया है। कूटनीति में आरोप लगाने के लिए पुख्ता सबूत होने चाहिए, जो कनाडा के पास नहीं हैं।' रिपोर्ट के वॉल्यूम-4 के पेज नंबर-103 पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का जिक्र है। इसमें लिखा है कि जैसे निज्जर की हत्या हुई, वैसे अफवाहें उड़ीं कि इसमें भारत सरकार की भूमिका हो सकती है।

हालांकि, कनाडा की इंटेलिजेंस और सिक्योरिटी एजेंसियों की ऐसी कोई शुरुआती राय नहीं थी। यानी कनाडा इंटेलिजेंस ने शुरुआती अफवाहों पर गंभीरता नहीं दिखाई। इसके बाद तमाम मीडिया में भी खबरें आईं। मीडिया में कहा गया कि रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या का बदला लेने के लिए भारत सरकार ने निज्जर की हत्या कराई है। कनाडा की खुफिया एजेंसी ने अपनी जांच के आधार पर दावा किया कि हत्या में भारत सरकार शामिल थी। उस समय सीएसआईएस के डायरेक्टर डेविड विग्राल्ट ने तुरंत राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया सलाहकार थॉमस को सूचना दी थी। इसकी ब्रीफ जानकारी कनाडा के प्रधानमंत्री को भी दी गई थी।

कनाडा की नेशनल सिक्योरिटी इंटेलिजेंस एडवाइजर जॉडी थॉमस ने अगस्त 2023 में अजीत डोभाल के साथ मीटिंग की थी। ये पहले से तय फॉर्मल मीटिंग थी। इसमें हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की भी चर्चा हुई थी। कनाडा के अधिकारी इसमें ये जताने की कोशिश करते रहे कि निज्जर हत्याकांड में वो सही कदम उठा रहे हैं।

हालांकि भारत ने हमेशा इस दावे का विरोध किया। कनाडा ने इस रिपोर्ट में माना है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते खराब हैं। ये भी दावा किया है कि कनाडा के विदेश मामलों में पाकिस्तान लगातार दखल दे रहा है। पाकिस्तान ऐसा इसलिए कर रहा है, ताकि उसके देश में स्थिरता रहे। वहीं विदेश नीति में भारत के बढ़ते प्रभाव को रोका जा सके। पाकिस्तान कनाडा के कई समुदायों को टारगेट कर रहा है। वो कनाडा सरकार के कामकाज में भी दखल दे रहा है। पाकिस्तान का टारगेट लोकल लोग ही हैं। इसे लेकर विदेश मामलों के जानकार दीपक बोहरा से हमने पूछा कि आखिर पाकिस्तान कैसे कनाडा में दखल करके भारत को नुकसान पहुंचा रहा है। जवाब में वो कहते हैं, 'पाकिस्तान मुस्लिम कम्युनिटी में काफी दखल रखता है। वहां की सरकार कई बार वोट बैंक के लिए पाकिस्तान का सपोर्ट करती है।' 'यही वजह है कि इस रिपोर्ट में भी माना गया है कि पाकिस्तान कनाडा के लोकल लोगों और सोसाइटी को टारगेट कर रहा है। मैं पूरे दावे के साथ कहता हूं कि कनाडा में कई बड़ी आतंकी घटनाओं के पीछे भी पाकिस्तान की भूमिका रही है, इसलिए भारत इसका विरोध करता रहा है।'

कनाडा की इस रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के मुख्य प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का एक बयान भी सामने आया था।

उन्होंने X पर लिखा- 'एक रिपोर्ट देखी है। दरअसल, कनाडा ही भारत के आंतरिक मामलों में लगातार दखल देता रहा है। इसी वजह से अवैध तरीके से माइग्रेशन और संगठित आपराधिक गतिविधियों का माहौल भी तैयार हुआ है।' हम कनाडा की इस रिपोर्ट के हवाले से भारत पर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अवैध प्रवासन को सपोर्ट करने वाले सिस्टम को आगे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आज शाम रांची आ रही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

14 और 15 फरवरी को बदला रहेगा ट्रैफिक, शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश नहीं

रांची, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय रांची दौरे पर आ रही हैं। वह शुक्रवार की शाम रांची पहुंचेगी। राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। इसके बाद 15 फरवरी को बीआईटी मेसरा के प्लैटिनम जुबली कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद वह 15 फरवरी को ही दिल्ली वापस लौट जाएंगी।

उनके आगमन को लेकर तमाम तरह की पुख्ता तैयारियां की जा रही है। ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। वहीं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रांची ट्रैफिक पुलिस की ओर से 14 फरवरी और 15 फरवरी के लिए ट्रैफिक रूट चार्ट जारी किया गया है। वहीं लोगों से अपील की गई है कि जिन रास्तों पर राष्ट्रपति का मूवमेंट होगा, उसका कम से कम उपयोग करें। रांची पुलिस की सुरक्षा को लेकर तमाम तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।

रायपुर 60 लाख की डकैती केस, करीबी निकला मास्टरमाइंड

दोस्त और उसकी पत्नी के साथ मिलकर की वारदात, 59 .50 लाख रुपए बरामद

रायपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में 60 लाख की डकैती केस में पीड़ित का एक करीबी ही डकैती का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने भी इसी बात का खुलासा करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 59 लाख 50 हजार रुपए भी बरामद किए हैं।

आईजी अमरेंद्र मिश्रा ने वारदाता का खुलासा करते हुए बताया कि, 36 घंटे के अंदर हमने 10 आरोपियों और लगभग पूरी रकम को जब्त करने में सफलता पाई है। डकैती का उद्देश्य पारिवारिक पैसों के बंटवारे को लेकर था। पीड़ित की एक बहन ने रिटायर्ड सूबेदार के साथ मिलकर शातिर ढंग से पूरी योजना बनाई थी।

इसमें 2 नागपुर और बिलासपुर, नांदगांव, दुर्ग के एक-एक लोग घर में घुसे थे। इसके अलावा 5 लोग और योजना में शामिल थे जो रैकी

करने, पुलिस पर निगरानी रखने का काम कर रहे थे। घटना 5-6 घंटे बाद ही पैसों का बंटवारा हो गया था। आरोपी भागने के फिराक में थे लेकिन पुलिस को लीड मिली और हमने गिरफ्तारियां की।

पीड़ित वेलु परिवार काफी बड़ा है। यह आठ भाई-बहन है। जिस जमीन को परिवार ने बेची थी। उसे लेकर परिवार के लोगों के बीच विवाद था। इनमें से कुछ लोगों में नाराजगी भी थी। इसकी भनक लगते ही पुलिस का शक करीबियों पर गहरा गया था। पुलिस लगातार परिवार के सभी सदस्यों से पूछताछ कर रही थी। वारदात के दौरान वे कहां पर थे? वारदात के पहले और बाद के एक्टिविटी पर लगातार पुलिस नजर बनाए रखी थी। रायपुर में नगरीय निकाय चुनाव के दिन दिनदहाड़े करीब 20 मिनट के अंदर 65 लाख की डकैती की वारदात हुई है। यह डकैती खम्हारडीह थाना इलाके के अनुपम नगर में हुई। डकैत कमांडो ड्रेस पहनकर घर के भीतर घुसे। बुजुर्गों को पिस्टल अड़ाकर बंधक बना लिया। फिर डराने के लिए नकली इंजेक्शन लगाया। इस दौरान उन्होंने लाल सलाम कहते हुए कहा कि हल्ला किया तो घर को बम से उड़ा देंगे। कार से उतरते हुए 5 डकैत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। जिसमें एक महिला भी थी। पांचों डकैतों ने प्रेमा वेल्लू (71 साल), रजनी वेल्लू (67 साल) और मनोहर वेल्लू (70 साल) को बंधक बनाकर डकैती की। यह तीनों आपस में भाई-बहन है साथ रहते हैं और किसी ने शादी नहीं की है।

बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद वैन में लगी आग

शॉर्ट सर्किट की वजह से हादसे की आशंका, रोड पर मची अफरातफरी

धनबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद स्थित झरिया में चौथाई कुली स्थित थाना मोड़ के पास गुरुवार को एक स्कूल वैन में आग लग गई। गनीमत रही कि घटना के समय वैन में कोई बच्चा नहीं था। ड्राइवर बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद वैन को मरम्मत के लिए खड़ी कर घर गया था। इसी बीच यह घटना हुई। आशंका जाहिर की जा रही है कि वैन में शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। इधर, इस घटना से रोड पर अफरातफरी की स्थिति मची रही। वहीं, घटना की सूचना के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब वैन पूरी तरह से जल चुकी थी। स्कूल वैन के ड्राइवर विजय कुमार साव ने बताया कि वह सुबह 8 बजे डिनोबिली स्कूल में बच्चों को छोड़ने के लिए गया था। वहां से लौटते वक्त वैन को चौथाई कुल्हि के पास चक्का की मरम्मत के लिए खड़ी कर घर चला गया। कुछ देर बाद स्थानीय लोगों ने खड़ी वैन में आग लगने की सूचना थाना को दी। थाना प्रभारी ने तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया।

स्थानीय निवासी मोहम्मद शौकत के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। पुलिस और स्थानीय लोगों की तत्परता से बड़ी दुर्घटना टल गई।

सीएम साय ने मंत्री-सांसद-विधायकों संग महाकुंभ में लगाई डुबकी

रायपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी पत्नी संग महाकुंभ में डुबकी लगाई। उनके साथ राज्यपाल रमेन डेका और स्पीकर रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरुण साव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव भी थे। मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक और उनके परिवारजन भी पहुंचे हैं। इसके अलावा कांग्रेस के 7 विधायक भी सीएम के साथ महाकुंभ आए हैं। इनमें राघवेंद्र सिंह, बालेश्वर साहू, व्यास कश्यप, संदीप साहू, विद्यावती सिदार, इंद्र साहू और राजकुमार यादव भी शामिल हैं। प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचने के बाद बस के जरिए संगम स्थल के लिए रवाना हुए। इस दौरान रास्तेभर भाजपा के मंत्री विधायक और सांसद भजन गाते रहे। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत समेत बाकी कांग्रेस विधायकों ने निकाय और पंचायत चुनाव का हवाला देकर मंत्रियों के साथ कुंभ यात्रा से दूरी बना ली थी। पीसीसी चीफ दीपक बैज का कहना है कि कांग्रेस के ज्यादातर विधायक पहले ही कुंभ स्नान कर लौट चुके हैं। इसके बाद बीजेपी ने कार्टून जारी कर नेता प्रतिपक्ष, कांग्रेस विधायक और नेताओं को सनातन विरोधी बताया था।

हेडमास्टर की बम से हत्या

स्कूटी से लौट रहे थे घर, पत्नी पूर्व जिला परिषद सदस्य, इलाके में दहशत

देवघर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर जिले के मधुपुर में एक शिक्षक की निर्मम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। महुआडाबर मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय दास की बम से हत्या कर दी गई है। घटना मधुपुर थाना क्षेत्र के पिपरासोल गांव के दुबे मंडा के पास हुई।

जानकारी के अनुसार, संजय दास स्कूल में हाजिरी लगाने के बाद स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन पर बम से हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। मृतक की पत्नी पूर्व में जिला परिषद की सदस्य रह चुकी हैं। घटना की सूचना मिलते ही मधुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इस जघन्य हत्या से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। फिलहाल हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हो पाया है।

रद्दी में बेची 2 लाख किताबें, 5 अफसर दोषी

रिपोर्ट आने के 70 दिन बाद भी एक्शन नहीं डिमांड पर डिपो से निकलीं और कबाड़ पहुंची

रायपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर के सिलयारी में रद्दी में 2 लाख किताब बेचने के मामले में दोषी अफसरों पर मामले की जांच रिपोर्ट आने के 70 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं हुई है। अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्ले की जांच रिपोर्ट 3 दिसंबर को आ गई थी। इसमें उन्होंने धमतरी, सूरजपुर, जशपुर और राजनांदगांव के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और पाठ्य पुस्तक निगम के डिपो कर्मियों को दोषी पाया है। 1045 पेज की इस रिपोर्ट में दो आईएएस अफसर सहित 34 लोगों के बयान लिए गए। इसमें यह साफ पाया गया कि दो लाख सरकारी किताबों को रद्दी के भाव में बेचा गया। इसमें एक लाख किताबें 2024-25 सत्र की हैं, बाकी 2014 से 2023 के बीच की हैं। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की मांग पर किताबें डिपो से निकलीं। फिर कबाड़ी की दुकान पर गईं। ट्रकों को ट्रेस करने के लिए रेणु पिल्ले ने जीएसटी की मदद भी ली। इसमें गाड़ियों को रास्ता बदलकर जाते हुए पकड़ा गया। पिल्ले ने कबाड़ियों, ट्रांसपोर्टर और पेपर मिल मालिक पर भी एफआईआर की सिफारिश की है, लेकिन डीपीआई में रिपोर्ट दबा दी और अफसरों पर कार्रवाई नहीं हुई। जांच में पाया गया कि 35 दिन में पेपर मिल तक 80 टन किताबें पहुंचाई गईं। इस पर रियल बोर्ड एंड पेपर मिल के मालिक महेश पटेल और विनोद रूढानी ने जांच समिति को बताया कि उनके पास हर साल निगम की किताबें आती हैं। लेकिन हम सत्र नहीं देखते। हमने नहीं देखा कि 2024-25 की किताबें आई हैं। रायगढ़ निगम डिपो से जशपुर में अतिरिक्त पुस्तकों की मांग के लिए तीन गाड़ी किताबें भेजी गई।

मरने से पहले पत्नी से की बात, फिर लगाई छलांग

रायपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर के बेबीलॉन टावर की 7वीं मंजिल से बुधवार को एक युवक ने कूदकर खुदकुशी कर ली है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। बताया जा रहा है युवक ने मरने से पहले फोन पर अपनी पत्नी से बात की थी। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। युवक का नाम विजय बसोने है। एमपी के बालाघाट का रहने वाला था। रायपुर में किराए के मकान में रहकर कचना के एक होटल में अकाउंटेंट का काम करता था, लेकिन वहां सैलरी कम थी। बेबीलोन टावर में नौकरी की तलाश में आया था। नौकरी नहीं मिलने से परेशान होकर कूद गया। बेबीलॉन टावर की 7वीं मंजिल से कूदने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवक गिरते हुए नजर आ रहा है। जैसे ही फर्श पर गिरता है, धड़ाम की आवाज आती है। हाथ हलके से हिलते हैं और उसकी मौत हो जाती है। पैर से चप्पल निकलकर दूर फेंका जाते हैं। विजय जमीन पर पैरों के सहारे गिरा, जिससे उसके पैर की हड्डियां बुरी तरह टूट गईं।

जंगल में फंदे से लटकी मिली महिला की लाश

पति से विवाद के बाद दो दिनों से थी लापता मायके वालों ने जताई हत्या की आशंका

धनबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद के बेलगड़िया जंगल में गुरुवार को एक महिला की फंदे से लटकी लाश मिली। गमछे से फांसी का फंदा बनाकर महिला के शव को लटकाया गया था। घटना बलियापुर थाना क्षेत्र की है। दो दिन पूर्व महिला का अपने पति से विवाद हुआ था और इसके बाद से वो लापता थी। मृतका की पहचान बेलगड़िया मोहली टोला निवासी जयराम मोहली की पत्नी डॉली देवी के रूप में की गई। डॉली अपने पीछे दो बेटी और एक बेटा छोड़ गई है। डॉली का मायका बोकारो के चास प्रखंड में है।

मृतका के भाई दिलीप मोहली ने बताया कि दो दिनों पूर्व बहन के पति ने फोन कर बताया कि डॉली घर से लापता है। हमलोग यहां आए और पूरी जानकारी ली। पता चला बहन का पति के साथ खूब विवाद हुआ था और इसके बाद से वो गायब थी।

भाई ने बताया कि हमलोग ढूढंने के दौरान इस जंगल में भी आए थे, पर उस वक्त यहां कुछ नहीं मिला। आज पता चला कि डॉली की लाश मिली है। मायके वालों ने हत्या का आरोप उसके पति जयराम मोहली पर लगाया है। घटना के बाद से आरोपी पति फरार है। मृतका के ससुराल में पति के अलावे उसका भाई, सास-ससुर और ननद भी है। मृतका के भाई दिलीप मोहली ने इस घटना को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल में उनकी बहन के साथ अक्सर मारपीट की जाती थी। इधर, बलियापुर थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है।

परिसीमन में 4 लाख से ज्यादा वोटर प्रभावित

बिना वोट दिए लौटे, वोटर-लिस्ट से सैकड़ों नाम गायब, वकील बोले-हाईकोर्ट में पिटीशन दायर करेंगे

रायपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में नगर निकाय चुनाव से पहले हुए परिसीमन के कारण 4 लाख से अधिक मतदाता प्रभावित हुए हैं। इसका असर मतदान के दौरान भी देखने को मिला। सैकड़ों मतदाताओं के मतदान केंद्र बदल गए। जिससे उन्हें मतदान केंद्र ढूंढने में परेशानी हुई। ज्यादातर मतदाता बिना वोट दिए ही लौट गए। कुछ लोगों ने कहा कि उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया, जबकि वे पिछले कई चुनावों से वोट करते आ रहे हैं। लोगों ने बताया कि, वोटिंग के दौरान मतदान केन्द्रों में भी उन्हें जानकारी देने वाला कोई नहीं था कि, उनके नाम मतदाता सूची से क्यों काटे गए।

इंद्रावती कॉलोनी निवासी एडवोकेट हितेंद्र तिवारी ने बताया कि, उनका परिवार पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड में रहता है। वे हर बार नूतन स्कूल में वोटिंग करते हैं। लेकिन इस बार उनका नाम ही नहीं था। उन्होंने शांति नगर स्कूल, बीपी पुजारी स्कूल समेत वार्ड के अन्य सभी मतदान केंद्रों में पहुंचकर अपना नाम ढूंढा, लेकिन कहीं नहीं मिला। जिससे पूरा परिवार वोट नहीं डाल सका। हितेंद्र तिवारी रायपुर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि, उनके कॉलोनी के रहने वाले 20 से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं है। उन्हें वोटिंग के अधिकार से वंचित किया गया है। इसके खिलाफ वे हाईकोर्ट में याचिका भी दायर करेंगे। बीपी पुजारी स्कूल में बने मतदान केन्द्र में रविशंकर यादव अपनी पत्नी के साथ वोटिंग करने पहुंचे थे। लेकिन उन्हें वोट देने नहीं मिला। उन्होंने बताया कि, वे पिछले विधानसभा, लोकसभा चुनाव में मतदान करते आ रहे है।

28000 किमी रफ्तार और 3000 डिग्री गर्मी, क्या धरती पर लौट पाएंगी सुनीता विलियम्स?

री-एंट्री कोरिडोर में उल्का पिंड भी खाक

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। 8 महीने से अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को तय समय से पहले ही धरती पर लाया जा सकता है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार 'स्पेसएक्स' आगामी अंतरिक्ष यात्री उड़ानों के लिए कैप्सूल बदलेगा, ताकि बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत के बजाय मार्च के मध्य में ही वापस लाया जा सके। परीक्षण पायलटों को जून में बोइंग के स्टारलाइनर कैप्सूल पर वापस लाया जाना था। हालांकि, कैप्सूल को अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने में इतनी परेशानी हुई कि नासा ने इसे खाली वापस लाने का फैसला किया। इसके बाद स्पेसएक्स ने अधिक तैयारियों की जरूरत को देखते हुए नए कैप्सूल को भेजने में देरी की, जिससे सुनीता और बुच को वापस लाने के मिशन में और देर हुई। अब 12 मार्च को नए कैप्सूल का प्रक्षेपण किया जाएगा। बीते साल 5 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने के बाद अंतरिक्ष यान में हीलियम की लीकेज की समस्या आई थी। इसके 5 थ्रस्टर भी खराब हो गए थे। यहां तक कि यान को बिजली देने वाला सर्विस मॉड्यूल में भी दिक्कतें आईं। अंतरिक्ष यान के धरती के वातावरण में एंट्री को लेकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व साइंटिस्ट विनोद कुमार श्रीवास्तव से समझते हैं।

धरती में एंट्री के लिए रखनी होगी 7.8 किमी प्रति सेकेंड की रफ्तार

इसरो साइंटिस्ट विनोद कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, किसी भी वस्तु को पृथ्वी की निचली कक्षा में प्रवेश के लिए 7.8 किमी प्रति सेकेंड की रफ्तार रखनी होगी। चूंकि, स्पेसयान के पास हाई काइनेटिक एनर्जी होती है, ऐसे में धरती के एटमॉस्फियर में एंट्री के लिए इस एनर्जी को बचाए रखने की जरूरत होती है। धरती के वातावरण में री-एंट्री के लिए इसीलिए रेट्रोरॉकेट का इस्तेमाल करना होता है। पैराशूट या एयर ब्रेक का इस्तेमाल करने से पहले क्रू मेंबर्स को अंतरिक्ष वाहनों को सबसोनिक गति तक धीमा किया जाना चाहिए।

क्या होती है सबसोनिक स्पीड, जिस पर होती है एंट्री

सबसोनिक स्पीड ध्वनि की गति से कम गति होती है। समुद्र तल पर ध्वनि की गति करीब 768 मील प्रति घंटा (1,236 किलोमीटर प्रति घंटा) होती है। इसे 'मैक 1' के नाम से जाना जाता है। सबसोनिक हवाई जहाज, वाणिज्यिक एयरलाइनर, निजी जेट और सैन्य हवाई जहाज मैक 0.6 से मैक 0.9 की रफ्तार से उड़ते हैं।

सुनीता की सकुशल वापसी की चुनौती क्या होगी?

विनोद कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि आपको याद होगा, जब अंतरिक्ष यान कोलंबिया के 7 अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेस शटल की री-एंट्री के वक्त ही जलकर खाक हो गया था। दरअसल, री-एंट्री स्पेस शटल के लिए विशेष रूप से खतरनाक समय है। एक ऐसा समय जिसके दौरान शटल को ज्यादा प्रेशर और हाई टेंपरेचर से गुजरना पड़ता है। वास्तव में शटल को गर्म करने के लिए दो अलग-अलग घटनाएं काम करती हैं, कंप्रेसिव हीटिंग और फ्रिक्शन।

कल्पना चावला का मिशन भी ऐसे ही हुआ था खत्म

1 फरवरी, 2003 को भारतीय मूल की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला समेत 7 अंतरिक्षयात्रियों की उस वक्त मौत हो गई, जब उनका यान धरती की कक्षा में री-एंट्री कर रहा था। कोलंबिया स्पेस शटल मिशन एसटीएस-107 लैंडिंग से ठीक 16 मिनट पहले टूटकर बिखर गया। नासा की जांच में पता चला कि लॉन्चिंग वाले दिन यानी 16 जनवरी को शटल के बाहरी टैंक से फोम इंसुलेशन का एक टुकड़ा टूटकर गिर गया। इस टुकड़े ने शटल के बाएं पंख पर एक छेद कर दिया। इस छोटी सी दरार ने पूरे मिशन को तबाह कर दिया। जब शटल वायुमंडल में एंट्री कर रहा था, तो गर्म गैसें उस छेद से भीतर घुस गईं और बाएं पंख को नष्ट कर दिया। 1 फरवरी 2003 को शटल की लैंडिंग के दौरान असामान्य तापमान और प्रेशर की वजह से कुछ ही मिनटों में स्पेसक्राफ्ट आग के गोले में बदल गया।

धरती पर लौटने कै दौरान खास गलियारे से गुजरना होगा

वैज्ञानिक विनोद कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन धरती से करीब 300 किलोमीटर की ऊंचाई पर है। जब कोई यान धरती से करीब 100 किलोमीटर की ऊंचाई पर धरती के वायुमंडल में एक खास गलियारे से एंट्री करता है, तभी वह सफलतापूर्वक धरती पर लौट पाएगा। इसमें जरा सी चूक से यान ब्रह्मंड में लौट जाएगा और उसका चक्कर लगाता रह सकता है। इसे रीएंट्री कॉरिडोर कहा जाता है। अगर इसमें जरा सी चूक हुई तो यह यान आग का गोला बन सकता है।

इस गलियारे में किस एंगल से होनी चाहिए एंट्री

विनोद कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि धरती पर एंट्री करने के दौरान यान एक विशेष एंगल से प्रवेश करता है। यह एंगल 94.71 डिग्री से लेकर 99.80 डिग्री तक होता है। हर एंट्री एंगल से धरती के वातावरण में प्रवेश करने के बाद कैप्सूल का ऊपरी हिस्सा पूरा जल जाएगा और नीचे का हिस्सा, जिसमें यात्री रहते हैं वो पैराशूट से नीचे आ जाते हैं।

शायद आपने देखा होगा कि जब आप साइकिल पंप का इस्तेमाल करते हैं तो पंप के अंत में लगी फिटिंग बहुत जल्दी गर्म हो जाती है। वह गर्मी मुख्य रूप से आपकी मांसपेशियों द्वारा प्लंजर पर दबाव डालने और पंप में हवा को दबाने से आती है। जब हवा (या उस पदार्थ के लिए कोई गैस) को दबाया जाता है तो वह गर्म हो जाती है। वहीं, इसके विपरीत जब यह फैलती है तो यही हवा ठंडी हो जाती है।

28 हजार किमी की रफ्तार से होती है री-एंट्री

शुरुआत में शटल अंतरिक्ष की शून्यता में जबरदस्त गति से पृथ्वी के चारों ओर घूमता है। अंतरिक्ष यात्री कुछ थ्रस्टर्स चलाकर गति धीमी कर देते हैं और गुरुत्वाकर्षण शटल को निचली कक्षा में खींचने लगता है। जैसे-जैसे शटल नीचे आता है, यह 17,000 मील प्रति घंटे यानी करीब 28,000 किलोमीटर की स्पीड से धरती के वायुमंडल के करीब आने लग जता है। री-एंट्री के दौरान शटल इतनी तेजी से जा रहा होता है कि वह अपने आगे की हवा को दबा देता है।

शटल के किनारों का टेंपरेचर 3,000 डिग्री पहुंच जाता है

शटल के अगले किनारों के पास हवा की परतें दब जाती है, जिससे हवा का तापमान 3000 डिग्री फॉरेनहाइट तक बढ़ जाता है! शटल के संपर्क में रहने से यह शटल की सतह को गर्म कर देता है। आम तौर पर इतना ज्यादा तापमान किसी भी चीज को पिघला देगा। उल्का की चट्टान से लेकर अंतरिक्ष यान की धातु को भी यह पिघला सकता है। यही वजह है कि शटल को इन्सुलेशन की एक परत की आवश्यकता होती है, ताकि इसके बाहरी किनारे इतने गर्म न हो सकें।

किन चीजों से की जाती हैं शटल के इन्सुलेशन की कोटिंग

शटल ऐसे एंगल पर वायुमंडल में प्रवेश करता है कि उसकी नाक और निचला हिस्सा हवा के संपर्क में आता है और उसे बहुत हाई प्रेशर पर दबा देता है। इस दौरान उससे निकली गर्मी को सोखता जाता है। इस काम में उसकी मदद यही कोटिंग काम आती है, जो सिलिका की बनी होती है। ये गर्मी प्रतिरोधी होती है। ये सिलिका टाइलें शटल को गर्म नहीं होने देते हैं। ये टाइल्स न हों तो शटल की बाहरी परत का तापमान 3000 डिग्री तक पहुंच सकता है और इससे शटल पिघल सकता है।

किस ग्रह के लिए एंट्री कितनी होती है अलग

पृथ्वी के लिए वायुमंडलीय प्रवेश सतह से करीब 80 किमी की ऊंचाई पर कार्मन रेखा पर परंपरा के अनुसार होता है, जबकि शुक्र पर वायुमंडलीय प्रवेश 250 किमी पर होता है और मंगल पर वायुमंडलीय प्रवेश लगभग 80 किमी पर होता है।

अनियंत्रित वस्तुएं पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ते हुए ज्यादा स्पीड से पहुंचती हैं और पृथ्वी के वायुमंडल का सामना करने पर घर्षण से धीमी हो जाती हैं। उल्कापिंड भी अक्सर पृथ्वी के सापेक्ष काफी तेजी से यात्रा कर रहे हैं, क्योंकि पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का अच्छी तरह से सामना करने से पहले उनका अपना कक्षीय पथ पृथ्वी से अलग है।

कार ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को कुचला

20 घायल, इनमें कई बच्चे भी पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार किया

म्यूनिख, 13 फरवरी (एजेंसियां)। जर्मनी के म्यूनिख शहर में एक शख्स ने प्रदर्शन कर रहे लोगों पर कार चढ़ा दी है। इस हादसे में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए है। घटना म्यूनिख के डाउनटाउन इलाके के पास स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10:30 बजे हुई। पुलिस ने ड्राइवर को मौके पर ही पकड़ लिया।

पुलिस ने घटनास्थल से मिनी कार को बरामद किया है। फायर सर्विस के मुताबिक हादसे में कम से कम 20 लोग घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। अभी यह साफ नहीं है कि लोगों को जानबूझकर टक्कर मारी गई या नहीं।

म्यूनिख के मेयर डाइटर राइटर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और बताया कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। घटना के वक्त सर्विस वर्कर्स यूनियन के लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

म्यूनिख में शुक्रवार से 'म्यूनिख सिक्योरिटी समिट' का आयोजन शुरू होगा। इस समिट में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल होंगे। हादसा समिट वाली जगह से सिर्फ 1.5 किमी दूर हुआ है।

म्यूनिख सिक्योरिटी समिट इंटरनेशनल सिक्योरिटी पॉलिसी पर होने वाली यह सालाना बैठक है। यह 1963 से म्यूनिख में आयोजित की जा रही है। पहले इसका नाम म्यूनिख कॉन्फ्रेंस ऑन सिक्योरिटी पॉलिसी हुआ करता था। इसका उद्देश्य है- डायलॉग के जरिए शांति स्थापित करना।

पिछले साल 20 दिसंबर को जर्मनी के ही मैगडेबर्ग शहर में एक शख्स ने लोगों पर कार चढ़ा दी थी।

इस घटना में 5 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हमले का आरोपी 50 साल का एक सऊदी अरब का डॉक्टर था, जो 2006 से जर्मनी के पूर्वी राज्य सैक्सोनी-अनहाल्ट में रहता है। घटना के बाद आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया था। हमलावर ने हमले से पहले एक बीएमडब्ल्यू कार किराए पर ली थी।

जुकरबर्ग बोले-पाकिस्तान में मुझे मौत की सजा होने वाली थी

ईशनिंदा का आरोप था, फेसबुक यूजर की पोस्ट से छिड़ा था विवाद

इस्लामाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। फेसबुक के को-फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में बताया कि एक बार उन्हें पाकिस्तान में मौत की सजा सुनाए जाने वाली थी। यूट्यूब इंटरव्यू में जुकरबर्ग ने कहा कि किसी यूजर ने फेसबुक पर प्रोफेट मोहम्मद की तस्वीर पोस्ट की थी, जिसे लेकर उनके खिलाफ पाकिस्तान में मुकदमा दायर किया। हालांकि जुकरबर्ग ने यह नहीं बताया कि यह घटना किस साल हुई थी।

इस मामले में पाकिस्तानी सरकार ने ईशनिंदा के लिए जकरबर्ग को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराने की मांग की गई थी। जुकरबर्ग का कहना है कि उनका पाकिस्तान जाने कोई इरादा नहीं था, हालांकि सुरक्षा को लेकर चिंता जरूर थी। यह खुलासा ऐसे वक्त में हुआ है जब मेटा (फेसबुक की पैरेंट कंपनी) और पाकिस्तानी सरकार के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। पाकिस्तान में फेसबुक पर आरोप है कि वह देश के ईशनिंदा कानूनों का उल्लंघन करने वाली सामग्री की अनुमति दे रहा है। जुकरबर्ग ने बताया कि दुनिया में कई जगहों पर अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्य हमारे मूल्यों से काफी अलग हैं। ये देश चाहते हैं कि हम उन चीजों पर कार्रवाई करें और और प्रतिबंध लगाएं जो उनके यहां मान्य नहीं हैं। पाकिस्तान में दुनिया का सबसे कड़ा ईशनिंदा कानून है। यहां पर कुरान या पैगम्बर का अपमान करने पर आजीवन कारावास से लेकर मौत की सजा तक हो सकती है। हालांकि मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद देश में किसी को फांसी नहीं मिली है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक 1990 के बाद से अब तक 80 से ज्यादा लोगों को ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने मार डाला है। कई बार ऐसा होता है जब कुरान या पैगम्बर के अपमान करने की अफवाह मात्र से किसी भी जगह पर हजारों लोगों की भीड़ जुट जाती है और आरोपी पर हमला बोल देती है।

पाकिस्तान में हाल के कुछ समय में ईशनिंदा के चर्चित मामले

जून 2024: पाकिस्तान में बीते गुरुवार को गुस्साई भीड़ ने एक व्यक्ति को कुरान के अपमान करने के आरोप में जिंदा जला दिया था। ये घटना खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले के मदयान इलाके की है। मारे गए व्यक्ति का नाम मोहम्मद इस्माइल था, जो वहां पर घूमने आया था।

मई 2024: पंजाब प्रांत के सरगोधा इलाके में एक भीड़ ने ईसाई शख्स पर कुरान का अपमान करने का आरोप लगाया और उसके घर और फैक्ट्री में आग लगा दी।

लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में उस शख्स को बुरी तरह पीटा। कुछ दिन बाद अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

मई 2023: खैबर पख्तूनख्वा में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पीटीआई की एक रैली के दौरान ईशनिंदा के आरोप में एक व्यक्ति की हिंसक भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। उस शख्स का गुनाह ये था कि उसने इमरान की तुलना पैगंबर मोहम्मद से कर दी थी।

अप्रैल 2023: खैबर पख्तून इलाके में एक चीनी इंजीनियर को ईशनिंदा कानून के आरोप में हजारों लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया।

ट्रम्प ने पुतिन-जेलेंस्की से बात की

बोले- जंग रोकने के लिए जल्द चर्चा होगी, अमेरिका ने कहा- यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं करेंगे

वाशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर जंग खत्म करने को लेकर बातचीत की। ट्रम्प की पुतिन से लगभग डेढ़ घंटे बातचीत हुई। दोनों नेता एक-दूसरे के देशों का दौरा करने पर सहमत हुए। ट्रम्प ने मीडिया को बताया कि मेरे और राष्ट्रपति पुतिन की टीमों के बीच तुरंत बातचीत शुरू करने पर सहमति बनी। हमारी मुलाकात सऊदी अरब में होगी। ट्रम्प ने यूक्रेन में नए सिरे से आम चुनाव की जरूरत बताई।

उधर, ट्रम्प प्रशासन ने यूक्रेन को बड़ा झटका दिया है। बेल्जियम में नाटो मुख्यालय में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने साफ कर दिया कि अमेरिका अब यूक्रेन को पहले की तरह बड़ी आर्थिक और सैन्य सहायता नहीं देगा।

उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प यूक्रेन की नाटो में सदस्यता का समर्थन नहीं करते हैं। हेगसेथ ने कहा कि यूक्रेन के लिए 2014 से पहले की सीमाओं पर लौटना अब असंभव है। अमेरिका रूस के साथ किसी भी शांति समझौते के लिए यूक्रेन में सैनिक नहीं भेजेगा।

रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो, सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज, एंबेसडेर और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को वार्ता का नेतृत्व करने का निर्देश दिया है।

क्रेमलिन के मुताबिक पुतिन और ट्रम्प ने लगभग डेढ़ घंटे तक टेलीफोन पर बात की और मुलाकात पर सहमति जताई। अपनी बातचीत के दौरान पुतिन ने ट्रम्प को मॉस्को आने का भी निमंत्रण दिया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- मेरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बात हुई। इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश मिलकर रूसी आक्रामकता को रोकने और एक स्थायी, विश्वसनीय शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने अगले कदमों की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। जेलेंस्की ने यह भी माना था कि बिना अमेरिकी मदद के वे जंग नहीं लड़ सकते। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हैं जो यह कहते हैं कि यूरोप, अमेरिका के बिना भी यूक्रेन की हिफाजत कर सकता है। लेकिन यह सच नहीं है। अमेरिका के बिना यूक्रेन की सुरक्षा संभव नहीं है। यूक्रेन ने अगस्त 2024 में रूस के कुर्स्क पर हमला करके लगभग 1300 वर्ग किलोमीटर इलाके पर कब्जा कर लिया था। हालांकि, रूस ने पलटवार किया और खोई हुई लगभग आधी जमीन को हासिल कर लिया है।

ताइवान में डिपार्टमेंटल स्टोर में विस्फोट

चार व्यक्ति की मौत, आठ अन्य घायल

ताइपे, 13 फरवरी (एजेंसियां)। ताइवान में गुरुवार को एक डिपार्टमेंटल स्टोर यानी बड़ी दुकान में हुए विस्फोट में चार व्यक्तियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दमकल अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट ताइचुंग शहर के शिन कोंग मित्सुकोशी डिपार्टमेंट स्टोर की 12वीं मंजिल पर स्थित फूड कोर्ट यानी खाने पीने के स्थान पर हुआ। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटनास्थल पर कई अग्निशमन कर्मियों को तैनात किया गया है। विस्फोट में इमारत के बाहरी हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए और मलबे के टुकड़े सड़कों पर बिखरे पाए गए। ताइचुंग के 'डिप्टी मेयर' चेंग चाओ-सिन ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि धमाका संभवतः गैस विस्फोट के कारण हुआ है। हालांकि, अब तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

ताइचुंग की मेयर लू शिओ-येन ने घटनास्थल पर संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने पास में स्थित अपने कार्यालय में भी झटका महसूस किया। उन्होंने कहा कि अग्निशमन ब्यूरो पहले बचाव अभियान पर फोकस करेगा।

इसके साथ ही सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच भी की जा रही है। अधिकारी यह भी देख रहे हैं कि क्या खतरे के अन्य स्रोत भी हैं।

पश्चिमी तट में साल के शुरू से अब तक 13 बच्चों की मौत

हाल के सप्ताहों में हिंसा ने पकड़ी तेजी

तेल अवीव, 13 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने इजरायल के कब्ज वाले पश्चिमी तट में लगातार बढ़ती हिंसा के बीच बच्चों की दशा पर चिंता व्यक्त की है, जिसमें प्रभावित क्षेत्र में हताहत बच्चों की संख्या और विस्थापन में इजाफा हुआ है। यूनिसेफ के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के लिए क्षेत्रीय निदेशक एडुअर्ड बीगबेडेर के एक वक्तव्य के मुताबिक, एजेंसी ने पश्चिमी तट में हथियारबंद गतिविधि को तुरंत बंद करने का आह्वान किया है।

गत शुक्रवार को गोली लगने से एक 10 वर्षीय फलस्तीनी लड़के की मौत हो गई और दो दिन बाद नूर शम्स शिविर में कथित तौर पर आठ महीने की गर्भवती महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसमें उस महिला के अजन्मे बच्चे की भी मौत हो गई। हाल के सप्ताहों में तेजी पकड़ी हिंसा ने बहुत से परिवारों को भारी पीड़ा में और समुदायों को भारी दबाव में धकेल दिया है। यूनिसेफ के अनुसार, वर्ष 2025 के शुरू से पश्चिमी तट में 13 फलस्तीनी बच्चों की मौत हुई है। मृतकों में एक दो वर्ष का बच्चा भी है, जिसकी गर्भवती मां घायल भी हो गई। इनमें से सात बच्चों की मौतें 19 जनवरी को बड़े पैमाने पर शुरू हुए इजरायली सेना के अभियान के बाद हुई है। हिंसा में मौत के शिकार हो रहे बच्चों की बढ़ती संख्या एक चिंताजनक रुख की तरफ इशारा करती है।

एडुअर्ड बीगबेडेर ने बताया कि पिछले 16 महीनों के दौरान उनसे पिछले 16 महीनों की तुलना में इस क्षेत्र में मारे गए फलस्तीनी बच्चों की संख्या में 200 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 7 अक्तूबर 2023 से पूर्वी यरूशेलम सहित पश्चिमी तट में 195 फलस्तीनी बच्चे और तीन इस्राइली बच्चे मारे गए हैं। जेनिन, तुलकरम और टुबास प्रशासनिक इलाकों में मानवीय स्थिति और भी बदतर हो गई है। यहां इजरायल के हवाई हमलों, विध्वंस और विस्फोटक हथियारों के इस्तेमाल की वजह से बुनियादी ढांचे बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। लोग बिजली वा पानी जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी हुए बिना ही जीवन जीन को मजबूर हैं। इन इलाकों में चल रहे सैन्य अभियानों की वजह से हजारों परिवारों को विस्थापन करना पड़ा। हिंसा के बीच बच्चों की शिक्षा में रुकावट आई है। करीब 100 स्कूल प्रभावित होने के कारण बच्चों और शिक्षकों का स्कूल आना जोखिम से भरा है। हिंसा, विस्थापन और अपने निकट संबंधियों को खोने की वजह से बहुत से बच्चों को तुरंत मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक मदद की जरूरत हो रही है। यूनिसेफ ने इन बढ़ती जरूरतों के मद्देनजर अधिक संसाधनों की मांग की है। एडुअर्ड बीगबेडेर ने कहा, 'यूनिसेफ बच्चों के खिलाफ हिंसा के सभी कृत्यों की निंदा करता है।

काबुल में धमाका, मंत्रालय परिसर में हुआ विस्फोट

एक की गई जान, तीन घायल

काबुल, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के काबुल से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां गुरुवार को सरकारी मंत्रालय के परिसर में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। शहरी विकास और आवास मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद कमाल अफगान ने बताया कि एक व्यक्ति ने मंत्रालय के परिसर में हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही सुरक्षा गार्डों ने उसे मार गिराया। घटना के बाद विस्फोट हुआ, जिससे हताहत हुए। हालांकि, प्रवक्ता ने विस्फोट के स्रोत के बारे में कुछ नहीं बताया और और कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि अभी तक किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

बता दें कि मंगलवार को उत्तरी प्रांत कुंदुज में एक बैंक के पास हुए बम विस्फोट में भी कम से कम पांच लोग मारे गए और सात से अधिक लोग घायल हुए। इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने उस हमले की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन उन्होंने हताहतों की संख्या अधिक बताई थी।

अमेरिकी सहायता रोके जाने के बाद एकजुट हुए अरब देश

पेरिस में करेंगे सीरिया के भविष्य पर चर्चा

पेरिस, 13 फरवरी (एजेंसियां)। सीरिया में जारी गृहयुद्ध के बीच अमेरिका द्वारा सहयोग रोकने की घोषणा सीरिया के भविष्य के लिए बड़ा संकट साबित हो सकता है। इसी बात पर चर्चा के लिए पेरिस में गुरुवार को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इसमें पश्चिमी देशों और अरब देशों के प्रतिनिधि सीरिया के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हो रहे हैं। यह सम्मेलन सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद के पतन के बाद हो रहा है, और इस दौरान क्षेत्र में अमेरिका की प्रतिबद्धता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। बता दें कि दिसंबर में असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद यह सीरिया पर तीसरा सम्मेलन है और साथ ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के सत्ता में आने के बाद यह पहला सम्मेलन है। सीरिया के अंतरिम विदेश मंत्री असद अल-शिबानी को सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। शिबानी की ये पहली यूरोप की यात्रा होगी। उन्होंने इस सम्मेलन में सीरिया के पश्चिमी देशों के साथ संबंधों को सुधारने और प्रतिबंधों को हटाने की इच्छा जताई, ताकि देश पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर सके। अमेरिका द्वारा विदेशी सहायता रोकने के फैसले से सीरिया में चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि सीरिया पहले से ही गृहयुद्ध से बर्बाद हो चुका था और वह अमेरिका से सहायता पर निर्भर था। ट्रंप प्रशासन ने यूएसएआईडी कर्मचारियों को काम से हटा दिया, जिससे भुखमरी, शिक्षा और महामारी से लड़ने के मिशन को भी समाप्त किया जा रहा है। देखा जाए तो सीरियाई नागरिकों ने असद के शासन के खत्म होने का स्वागत किया था, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि यदि नए शासक देश की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को सुधारने में असफल होते हैं, तो उनकी सत्ता सीमित हो सकती है।

मोहम्मद बिन सलमान कराएंगे यूक्रेन में शांति

सऊदी अरब में होगी ट्रंप और पुतिन में शांति वार्ता, जेलेंस्की साइडलाइन?

वॉशिंगटन, 13 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच जल्दी ही बैठक हो सकती है। दोनों नेताओं में यह मुलाकात सऊदी अरब में होगी। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने पुतिन से फोन पर बात की, जो बहुत अच्छी रही। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि उनकी रूसी राष्ट्रपति से यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की सहमति बन गई है। इस बातचीत में एक अहम पक्ष यानी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की शामिल नहीं थे। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने बाद में ये जरूर कहा कि जेलेंस्की भी रूस के साथ शांति के पक्षधर हैं। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप की इस मुलाकात में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल होंगे। मोहम्मद बिन सलमान ने हाल ही में रूस और अमेरिका के बीच कैदियों की अदला-बदली में सकारात्मक भूमिका निभाई है। अब यूक्रेन-रूस युद्ध में उनकी भूमिका पर नजर है। ट्रंप ने हालांकि पुतिन के साथ सऊदी अरब में मुलाकात की तारीख नहीं बताई है। ट्रंप का कहना है कि ये बैठक जल्दी ही होगी। क्रेमलिन की ओर से भी इस बातचीत की पुष्टि की गई है। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह बातचीत करीब डेढ़ घंटे तक चली। इस दौरान पुतिन और ट्रंप ने मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। पुतिन ने ट्रंप को रूस आने का न्योता भी दिया है। ट्रंप आने वाले समय में पुतिन के इस न्योते पर फैसला लेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद पुतिन के साथ फोन पर बातचीत को लंबी और बहुत उपयोगी बताया।

फोन टैपिंग विवाद पर गरमाई सियासत

गहलोत ने पूछा- 'मैंने सदन में जवाब दिया था, अब सीएम चुप क्यों हैं?

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में फोन टैपिंग विवाद को लेकर सियासी माहौल गरमाता हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने इस मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा है। गहलोत ने सवाल उठाया कि जब उनके कार्यकाल में फोन टैपिंग के आरोप लगे थे, तो उन्होंने विधानसभा में जवाब दिया था, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अब चुप क्यों हैं?

सीएम को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए- गहलोत

दरअसल, जयपुर में प्रेस वार्ता के दौरान पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि मेरी सरकार में भी फोन टैपगि के आरोप लगे थे, पूरा वपिक्ष इस्तीफा मांग रहा था। मैंने खुद खड़े होकर कहा था कि कोई भी विधायक, मंत्री या किसी का भी फोन टैप नहीं हुआ है और ना होगा। उन्होंने कहा कि भजनलाल सदन के नेता हैं, मुख्यमंत्री हैं और गृहमंत्री भी हैं, उनको मेरी तरह बात कहने का भाव क्यों नहीं आया?

अशोक गहलोत ने कहा कि अब जब भाजपा सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने ऐसा ही आरोप लगाया है, तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी जवाब देना चाहिए। अगर फोन टैप नहीं हुआ, तो उन्हें विधानसभा में आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, जिससे यह विवाद समाप्त हो।

अशोक गहलोत ने कहा कि फोन टैप की परंपरा राजस्थान में नहीं रही है, कानून भी परमिशन नहीं देता है। एंटी सोशल एलिमेंट्स हो या जिन पर राजद्रोह का काम करने का आरोप हो उनके फोन टैप होते हैं। इसमें भी कोई अधिकारी फोन टैप नहीं कर सकता है, मिनिस्टर से परमिशन लेनी पड़ती है। इस केस में आउट ऑफ वे जाकर टेलीफोन टैप हुआ है, तो क्राइम सरकार ने किया है, इसको स्पष्ट कौन करेगा? इसका जवाब मुख्यमंत्री दें।

किरोड़ी ने लगाए थे फोन टैपिंग के आरोप

बताते चलें कि कुछ दिन पहले किरोड़ी लाल मीणा ने सरकार पर फोन टैपिंग के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि भाजपा नेताओं के फोन कॉल्स सुनकर उन्हें टारगेट किया जा रहा है। उनके इस बयान पर कांग्रेस ने विधानसभा में सरकार को घेरा। इस पर भाजपा हाईकमान सक्रिय हुआ और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने राजस्थान भाजपा नेतृत्व से चर्चा की। इसके बाद ही पार्टी ने उन्हें नोटिस भेजा।

विधायक लालाराम बैरवा ने जनसुनवाई से पूर्व निकाला जुलूस

कहा- शाहपुरा को विकसित बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा

भीलवाड़ा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। शाहपुरा में जिला बचाओ आंदोलन के 42 दिन पूरे होने के बाद पहली बार पहुंचे विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने जनता को भरोसा दिलाया कि शाहपुरा के विकास में कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा, ₹मैं शाहपुरा का प्रतिनिधि हूं और यहां के सुख-दुख में बराबर का भागीदार हूं। शाहपुरा जिला समाप्त होने से मुझे भी गहरा दुख है, लेकिन वर्तमान में मैं राज्य सरकार का प्रतिनिधि हूं। पहले शाहपुरा को पूरी तरह विकसित किया जाएगा, उसके बाद जिला बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। यदि प्रदेश में कोई नया जिला बनेगा, तो पहला शाहपुरा ही होगा।

विधायक ने निकाला जुलूस, जनसुनवाई से पहले दिया संदेश

विधायक डॉ. बैरवा के शाहपुरा आगमन पर जुलूस निकाला गया, जो त्रिमूर्ति स्मारक स्थल तक पहुंचा। यहां उन्होंने बारहठ परिवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद जुलूस पंचायत समिति कार्यालय तक गया, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक और जनसुनवाई आयोजित की गई। हालांकि, विधायक ने धरना स्थल पर प्रदर्शनकारियों से सीधे मुलाकात नहीं की, लेकिन शाम 5 बजे उन्होंने वार्ता के लिए पांच प्रतिनिधियों को भेजा।

विकास कार्यों का दिया भरोसा

जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में शाहपुरा में कई विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा, ₹आगामी बजट में शाहपुरा को बड़ी सौगात मिलेगी। मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को आवश्यक प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं, जिनकी घोषणाएं जल्द होंगी।₹ उन्होंने बताया कि कई नए विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजे गए हैं।

सामाजिक नेताओं की भागीदारी

इस अवसर पर नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी, पूर्व प्रधान गोपाल गुर्जर सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए। नगर अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा ने आभार प्रकट करते हुए कहा कि शाहपुरा के विकास के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

जिला बचाओ आंदोलन जारी सरकार से ठोस निर्णय की उम्मीद

शाहपुरा में जिला बचाने की मांग को लेकर आंदोलन लगातार जारी है। जनता की अपेक्षाओं को देखते हुए सरकार से ठोस निर्णय की उम्मीद की जा रही है। अब यह देखना होगा कि विधायक के आश्वासनों पर जनता कितना भरोसा जताती है और सरकार कब तक इस दिशा में ठोस कदम उठाती है।

सचिन पायलट के बयान पर गृह राज्य मंत्री बेढम का तीखा पलटवार

याद दिलाया मानेसर कांड

जयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में फोन टैपिंग के मुद्दे पर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बयान पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने तीखा पलटवार किया। साथ ही उन्हें मानेसर कांड याद दिलाया। इसके अलावा मंत्री ने फोन टैपिंग पर भी सफाई दी। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि सचिन पायलट पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने ओछी राजनीति शुरू कर दी है। किरोड़ीलाल मीना का मामला भाजपा के अंदर का मामला है और यह मामला भी एक झूठी खबर का है। मैं गृह राज्यमंत्री के तौर पर कहता हूं कि हमारी सरकार में किसी भी विधायक, किसी भी मंत्री के फोन टैप नहीं हुए।

मंत्री ने पायलट को याद दिलाया मानेसर कांड

मंत्री बेढम ने एक बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस के बयान वीर नेता सचिन पायलट को इस मुद्दे पर सिर्फ अपनी उपस्थिति दर्ज करानी है। वे शायद भूल चुके हैं कि कांग्रेस राज में खुद होटल में बंद रहे थे और इनको अपमानित भी किया गया था। इनके गुट के एक विधायक ने तो स्पष्ट रूप से प्रेस के सामने आकर भी कहा था कि उनके फोन टैप हो रहे हैं।

चार दिन से लापता प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

पहाड़ियों में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

पाली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बीते चार दिन से सुमेरपुर से लापता प्रॉपर्टी डीलर का शव 45 किमी दूर सिरोही जिले के पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र में स्थित मोरस की पहाड़ियों में मिला है। एसपी अनिल कुमार ने बताया कि 4 दिन पूर्व घर से निकले सुरेश कुमार देवासी (30) का शव मोरस पुलिस चौकी से करीब 3 किलोमीटर दूर जंगल में मिला है। शव को पिंडवाड़ा के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हत्यारों ने सुरेश की कार करीब 40 किलोमीटर दूर उदयपुर जिले की पहाड़ियों में छोड़ दी थी। मामले में सुरेश के मामा शंकर देवासी ने पिंडवाड़ा थाने में लूट के इरादे से हत्या किए जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पाली के सुमेरपुर में पुराडा सुरेश देवासी प्रॉपर्टी और फाइनेंस का काम करता

था जो शनिवार सुबह कार लेकर पिंडवाड़ा जाने के लिए घर से निकला था। इसके बाद उसे कॉल करने के बाद उसने दिन भर में एक बार भी फोन नहीं उठाया, जिस पर शनिवार देर शाम सुमेरपुर सदर थाने में उसकी गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। पिंडवाड़ा पुलिस को मोरस पुलिस चौकी से 3 किलोमीटर दूर पहाड़ियों में उसका शव मिला, जिस पर तीन गोलियों के निशान हैं। पुलिस द्वारा मेडिकल बोर्ड से मृतक का पोस्टमार्टम करवाने पर उसके सीने में फंसी हुई एक गोली मिली है।

क्या नरेश मीणा को मिलेगी जमानत?

समरावता प्रकरण में सुनवाई पूरी, हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार

टोंक, 13 फरवरी (एजेंसियां)। देवली-उनियारा सीट पर 13 नवबर 2024 को विधानसभा उपचुनाव में मतदान के दिन हुए समरावता प्रकरण मामले में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा अभी भी न्यायिक अभिरक्षा में है। हाईकोर्ट में जमानत अर्जी लगाई गई। लेकिन अभी जमानत पर फैसला नहीं आया है।

नरेश मीणा की जमानत अर्जी पर दोनों पक्षों की ओर से बहस की गई। कोर्ट ने फिलहाल जमानत का फैसला आरक्षित रखा है। यह अब बाद में सुनाया जाएगा।

कोर्ट में नरेश मीणा की ओर से एडवोकेट डॉ. महेशचन्द्र शर्मा तथा एडवोकेट लाखनसिंह मीना ने तथा सरकार की ओर से राजेश चौधरी समेत अन्य ने पक्ष रखा है।

इधर, कोर्ट में सरकार की तरफ से कहा कि आग समेत तोड़फोड़ नरेश मीणा की ओर से की गई। जबकि एडवोकेट महेश व लाखनसिंह ने कहा कि यह आग व तोड़फोड़ पुलिस की ओर से की गई। नरेश मीणा से जेल में मिलने कई पार्टियों के लोग पहुंचे हैं।

पुलिस ने 14 नवंबर 2024 को नरेश मीणा समेत कई लोगों को नरेश मीणा के खिलाफ नगरफोर्ट थाने में दर्ज तोडफ़ोड़ व आग लगाने के मामले की जमानत याचिका कोर्ट में लगाई गई थी।

गिरफ्तार किया था। इसमें बाकी सभी को तो जमानत मिल गई। लेकिन अभी भी निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा जेल में ही है। कई संगठन रिहाई की मांग कर रहे हैं। उपचुनाव के दौरान समरावता को ग्रामीणों ने देवली उपखंड से हटाकर उपखंड उनियारा में जोडने को लेकर चुनाव का बहिष्कार को लेकर धरना दिया था। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीना भी धरना स्थल पर पहुंच गए थे।

जब नरेश को पता लगा कि तीन लोगों ने मतदान कर दिया है। जिस पर नरेश ने आक्रोश में आकर एरिया मजिस्ट्रेट (एसडीएम मालपुरा) अमित चौधरी को थप्पड़ जड़ दिया था। जिसके बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी।

एम्स को बम से उड़ाने की धमकी कोरी अफवाह

नहीं मिली कोई संदिग्ध वस्तु, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

जोधपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के सबसे बड़े अस्पताल एम्स को आरडीएक्स ब्लास्ट की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद हड़कंप मच गया। यह ईमेल दक्षिण भारत की अन्ना यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर के नाम से भेजा गया, जिससे मामले ने और भी गंभीर रूप ले लिया। धमकी मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की मदद से एम्स परिसर की गहन जांच की गई। हालांकि किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। जोधपुर एम्स के निदेशक के आधिकारिक ईमेल पर यह धमकी भरा मेल आया। मेल में लिखा गया था कि एम्स अस्पताल को आरडीएक्स से ब्लास्ट कर उड़ाया जाएगा और परिसर में मौजूद सभी

वीआईपी व्यक्तियों को जल्द से जल्द सुरक्षित बाहर निकालने की सलाह दी गई।

ईमेल की गंभीरता को देखते हुए एम्स प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल को सुरक्षा घेरे में लिया और तलाशी अभियान चलाया। परिसर के हर कोने की गहन तलाश और आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन जांच के साथ ही अस्पताल में तैनात सुरक्षा गार्डों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की टीमों ने परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद पुलिस और एम्स प्रशासन ने राहत की सांस ली, हालांकि सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरती जा रही है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह धमकी भरा ईमेल अन्ना यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर के नाम से भेजा गया है। पुलिस को संदेह है कि यह किसी शरारती तत्व द्वारा फर्जी तरीके से भेजा गया मेल हो सकता है।

साइबर सेल की टीम ईमेल भेजने वाले की पहचान में जुटी हुई है। मेल भेजने वाले का IP एड्रेस ट्रैक किया जा रहा है ताकि यह पता चल सके कि वास्तव में मेल प्रोफेसर ने भेजा है या किसी ने उनके नाम का गलत इस्तेमाल किया है। बहरहाल अस्पताल परिसर की तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, लेकिन पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इसे हल्के में नहीं ले रही हैं। एम्स परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और आने-जाने वाले लोगों की कड़ी निगरानी की जा रही है। पुलिस के मुताबिक यह घटना किसी शरारती व्यक्ति की हरकत भी हो सकती है, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। साइबर एक्सपर्ट्स की मदद से मेल भेजने वाले तक पहुंचने के प्रयास जारी हैं।

वायरस से हड़कंप, 4 बच्चों की मौत, जयपुर भेजा सैंपल

हनुमानगढ़, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में बच्चों में फैले वायरस की आशंका के चलते स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। सूत्रों की मानें तो गत एक सप्ताह में जिले में चार बच्चों की मौत संक्रमण से होने की आशंका है। इसकी पुष्टि अभी तक स्वास्थ्य विभाग ने नहीं की है।

गत दिन में निकटवर्ती गांव सम्पतनगर में संक्रमण के कारण दो बच्चों की मौत होने की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव के दर्जनों लोगों के सैंपल लिए और जांच के लिए जयपुर भिजवाए हैं। जांच रिपोर्ट आने में दो दिन लगेंगे। इसके बाद ही वायरस की पुष्टि होगी। प्रथमदृष्टया स्वास्थ्य विभाग की टीम इसे इन्फ्लूएंजा मान रही है। जयपुर एसएमएस की माइक्रोबायोलोजी लैब में सैंपल की जांच होने के बाद ही इस वायरस के बारे में पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी।

राज्य स्तर पर करवाया अवगत

अगर मामला इतना गंभीर नहीं होता तो स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी हनुमानगढ़ जिले की इस घटना के बारे में राज्य स्तर तक अवगत नहीं करवाते। मंगलवार को सम्पतनगर में दो बच्चों की मौत सामने के बाद हनुमानगढ़ की 12 साल की बच्ची बीकानेर में भर्ती होने की सूचना भी स्वास्थ्य विभाग को मिली है। इस बच्ची को सांस लेने की तकलीफ होने पर परिजन हनुमानगढ़ टाउन स्थित जिला अस्पताल में लेकर आए थे।

यहां स्थिति गंभीर होने पर बीकानेर रेफर किया था। दूसरा मामला आठ फरवरी का बताया जा रहा है, इस दिन दोपहर डेढ़ बजे के करीब एक बच्चे को भर्ती किया गया था और रात ग्यारह बजे के करीब बच्चे ने दम तोड़ दिया था। खुंजा में भी संक्रमण के कारण एक बच्चे की मौत हुई है। यह सूचना भी स्वास्थ्य विभाग को मिली है। इस सूचना के आधार पर पूरे प्रकरण की जांच जा रही है।

प्राइवेट अस्पतालों से मांगी जानकारी

स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों के प्राइवेट अस्पताल संचालकों से ओपीडी की जानकारी मांगी। इसके अतिरिक्त गत एक सप्ताह में कितने बच्चे भर्ती हुए और किस तरह की समस्या होने पर भर्ती किया गया था। बच्चों की जांच रिपोर्ट इत्यादि सूचना एकत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। उधर टाउन जिला अस्पताल में एक सप्ताह के दौरान कितने बच्चों को रेफर किया गया है, उसकी जानकारी लेकर उन बच्चों का फॉलोअप तैयार किया जा रहा है।

यह होते हैं लक्षण

शुरूआती तौर पर बच्चों को बुखार व खांसी की शिकायत होती है। इसके अलावा गले में खराश, शरीर में दर्द, ठंग लगना इत्यादि लक्षण होते हैं। ऐसी स्थिति में चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। बच्चों को समय पर दवा नहीं देने पर न्यूमोनिया की शिकायत हो रही है।

बच्चे की छाती में पूरी तरह जकड़न होने पर सांस लेने की तकलीफ होने लगती है। चिकित्सकों की मानें तो सामान्य तौर पर बच्चों के बीमार होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें और समय पर दवाई दें। इस तरह के बच्चे केवल तीन से पांच दिन में ठीक हो रहे हैं।

मंगलवार सुबह मिली कि गांव सम्पतनगर की ढाणी में बुखार एवं संक्रमण से एक दिन के अंतराल में भाई-बहन की मौत हो गई है। जबकि मृतकों का चचेरे भाई भी बीमार चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ग्रामीणों की जांच के लिए सैंपल ले रही थी। मामला गंभीर होने पर प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया और लोगों को बच्चों में फैल रहे संक्रमण को लेकर जागरुक किया।

गलत खून चढ़ाने से मरीज की मौत

परिजनों की शिकायत के बाद जांच के लिए कमेटी गठित

टोंक, 13 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में गलत खून चढ़ाने से एक युवक की मौत का सनसनीखेज मामला सामने आया है। टोंक के सआदत अस्पताल में गलत रक्त चढ़ने के बाद मरीज की जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों की ओर से दी गई शिकायत के बाद पीएमओ डॉ. बी. एल. मीना ने मामले की जांच के लिए तीन चिकित्सकों की कमेटी बनाई है। जो गलत रक्त चढ़ने के मामले की जांच करेगी।

इधर, परिजनों ने पुलिस अधीक्षक समेत अन्य को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। पीएमओ ने बताया कि टोडारायसिंह की हमीरपुर पंचायत के नारायणपुरा निवासी हंसराज पुत्र रामनारायण चौधरी को रक्त की कमी के चलते सआदत अस्पताल में भर्ती कराया था। गत 10 जनवरी को चिकित्सकों ने उनके रक्त चढ़ाया था। इसके बाद हंसराज की तबीयत खराब हो गई और सांस लेने में परेशानी हुई। इसके बाद उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में गत दिनों उनकी मौत हो गई। मृतक के साले पहाड़ी गांव निवासी हनुमान चौधरी ने पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान को शिकायत सौंपी है। इसमें लापरवाही बरतने वाले चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मामला दर्ज कराने के आदेश करने को कहा है। मामले में सआदत अस्पताल के पीएमओ डॉ. बी. एल. मीना का कहना है कि मरीज को रक्त की कमी थी।

बिजनेसमैन की ऑडी नाले में गिरी

उदयपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुर में एक ओवर स्पीड ऑडी कार नाले में जा गिरी। इस दौरान ड्राइवर भी उसी में मौजूद था। जैसे ही लोगों ने नाले में गिरने की आवाज सुनी आस-पास के लोग दौड़कर वहां पहुंचे। मामला शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के मादड़ी रोड का दोपहर करीब 3 बजे का है। इस दौरान कार ड्राइवर नाले में करीब गिरी कार में 20 मिनट तक फंसा रहा। जानकारी के अनुसार ये ऑडी कार उदयपुर के राजस्थान मशीनरी मार्ट के मालिक वरूण मुर्डिया की थी। कार मालिक मुर्डिया ने बताया कि मादड़ी रोड पर उनका ऑफिस है। उनका ड्राइवर दोपहर में ऑफिस की तरफ जा रहा था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मादड़ी रोड के किनारे ही नगर निगम का नाला बना हुआ है। इसकी गहराई करीब 7 फीट की है। लोगों ने बताया कि स्पीड में आई कार अचानक असंतुलित हो गई और नाले में जा गिरी। कार के गिरने की आवाज आस-पास के लोगों मौके पर पहुंचे। कार में फंसे ड्राइवर को देख नगर निगम को भी कॉल किया। इस बीच कुछ राहगीर नाले में उतरे और ड्राइवर को बचाने का प्रयास शुरू किया।

अवैध पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, 14 लोग झुलसे

2 की हालत गंभीर, पति-पत्नी और चार बच्चों को बचाया

बांसवाड़ा, 13 फरवरी (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के रीको इंडस्ट्रियल एरिया (जयपुर रोड) में अवैध पटाखा गोदाम में आग लग गई और एक के बाद एक दो ब्लास्ट हो गए। आग से 14 लोग झुलस गए। दो को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर किया गया। पति-पत्नी और चार बच्चों को बचा लिया। आग गुरुवार दोपहर 2.15 बजे आग लगी।

गोदाम में लगी आग का धुआं 5 किलोमीटर दूर शहर तक दिखाई दिया। 9 दमकलों की मदद से 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव और एसपी हर्षवर्धन अगरवाला भी मौके पर पहुंचे।

जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव ने बताया- हादसे में कुल 14 लोग झुलसे हैं, इनमें से 2 को उदयपुर रेफर किया गया है। अन्य सभी का इलाज बांसवाड़ा के एमजी हॉस्पिटल में चल रहा है। जानकारी मिली है कि गोदाम में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। इसी कारण आग लगने का शक है।

गोदाम मालिक अशोक अग्रवाल ने सोनू सिंधी को गोदाम किराए पर दे रखा था। सोनू यहां बिना लाइसेंस के पटाखे बना रहा था। अब रीको की ओर से उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। मामले की जांच चल रही है। सख्त कार्रवाई करेंगे।

आग लगने के बाद गोदाम में 2 बडे. ब्लास्ट हुए। दो घंटे तक रह-रहकर पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। पटाखों के धमाके सुन आसपास से सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। ये लोग धमाकों की चपेट में आकर झुलस गए।

मुसलमानों को पिछड़ी जाति की सूची में शामिल करने पर विद्रोह करेंगे हिंदू : बंडी संजय

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने गुरुवार को कहा कि पिछड़े वर्ग की सूची में मुसलमानों को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा और चेतावनी दी कि अगर उन्हें शामिल किया गया तो पूरा हिंदू समाज विद्रोह कर देगा। भाजपा नेता ने कहा कि मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग (बीसी) की सूची में शामिल करने से पिछड़े वर्ग को उनके उचित आरक्षण से वंचित होना पड़ेगा। वह तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के लिए विधानसभा में विधेयक पारित करने और संसद में मंजूरी के लिए केंद्र को भेजने के फैसले पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

बंडी संजय ने दोहराया कि भाजपा स्पष्ट रूप से धर्म आधारित आरक्षण के खिलाफ है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि इस बात की जानकारी होने के बावजूद, कांग्रेस द्वारा इसे केंद्र पर थोपने की कोशिश करना सरासर मूर्खता है। एक बात तो साफ है कि कांग्रेस में पिछड़े वर्ग के आरक्षण को लागू करने में ईमानदारी की कमी है। मुसलमानों को पिछड़े वर्ग में शामिल करने से पिछड़े वर्ग को उनके हक का आरक्षण नहीं मिल पाएगा। अगर मुसलमानों को पिछड़े वर्ग में शामिल किया गया तो पूरा हिंदू समाज विद्रोह कर देगा। एमएलसी चुनावों में कांग्रेस को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अगर कांग्रेस ईमानदार है तो उसे पिछड़े वर्ग की सूची से मुसलमानों को हटाना चाहिए। तेलंगाना में पिछड़े मुसलमानों को शिक्षा और रोजगार में चार प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। उन्हें बीसी ई के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

निर्धारित समय पर ही कतार में लगें श्रद्धालु : टीटीडी

तिरुमला, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ने तिरुमाला श्रीवारी दर्शन के लिए टोकन और टिकट पाने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर कतार में लगें। इस बारे में श्रद्धालुओं को मीडिया, टीटीडी वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से कई बार सूचित किया जा रहा है। हालांकि, हाल ही में कुछ श्रद्धालु निर्धारित समय से पहले कतार में लग गए और कतार में लगने की अनुमति के लिए कर्मचारियों से बहस करने लगे, साथ ही सोशल मीडिया पर झूठ भी फैलाया। टीटीडी ने श्रीवारी दर्शन के लिए टोकन पाने वाले श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे लंबे इंतजार से बचने के लिए निर्धारित समय पर ही कतार में लगें।

प्यारानगर विवाद : बोले कलेक्टर-यह ट्रीटमेंट प्लांट

संगारेड्डी, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल एयरफोर्स अकादमी द्वारा प्यारानगर में प्रस्तावित डंप यार्ड पर चिंता व्यक्त करने वाले पत्र के बाद, संगारेड्डी कलेक्टर वल्लूरू क्रांति ने कहा कि वह अकादमी के अधिकारियों को उनकी आशंकाओं को दूर करने के लिए एक विस्तृत जवाब भेजेंगी। बुधवार को कलेक्टर ने कहा कि जीएचएमसी प्यारेनगर में खुलेआम कचरा नहीं डालेगी, बल्कि वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निपटान करेगी, क्योंकि यह एक अपशिष्ट उपचार संयंत्र है, न कि कोई सामान्य डंप यार्ड, जैसा कि स्थानीय निवासी आशंका जता रहे हैं।

कलेक्टर ने कहा कि उन्होंने जीएचएमसी अधिकारियों से प्रस्तावित अपशिष्ट उपचार संयंत्र पर विस्तृत रिपोर्ट भेजने को कहा है, जिसे वे अंततः अकादमी के अधिकारियों को भेज देंगी। जैसा कि अकादमी अधिकारियों ने संदेह जताया था, उन्होंने कहा कि यह परियोजना पक्षियों को आकर्षित नहीं करेगी।

लूट के आरोप में राउडीशीटर समेत पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लूट के आरोप में दबीरपुरा पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोहम्मद अब्दुल्ला, राउडीशीटर मोहम्मद अयूब उर्फ कादर मोहिउद्दीन, सोहेल खान, सैयद ओमीर, एक नाबालिग आरोपी, फरीद निवासी बरकस (फरार), विशाल निवासी याकूतपुरा (फरार) ने मिलकर बीते 8 फरवरी को मोहम्मद वहाजुद्दीन, निवासी एडी बाजार, संतोष नगर, हैदराबाद से लूटपाट की। उसने पुलिस को बताया कि वह सेवन टेम्पल, दबीरपुरा के पास से घर जा रहा था। इसी बीच आरोपियों ने उससे पैसे की मांग की। जब उसने उन्हें बताया कि उसके पास पैसे नहीं हैं तो उन्होंने अचानक उसे पीटना शुरू कर दिया। पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी और जबरदस्ती पांच हजार रुपए छीन लिया। उन्होंने उसकी जेबों की भी तलाशी ली और उसका एटीएम कार्ड मिला। उन्होंने एटीएम कार्ड ले लिया और उसका पिन मांगा। डर के मारे उसने यह उपलब्ध करा दिया। इसके बाद दो आरोपी पैसे निकालने के लिए एटीएम में गए, जबकि अन्य पीछे रह गए। दोनों आरोपियों ने तीन हजार रुपये निकाल लिए। इसके बाद मोबाइल भी छीन लिया। विश्वसनीय सूचना पर उपरोक्त पांच आरोपियों को गुरुवार को याकूतपुरा रेलवे स्टेशन, हैदराबाद के पास से पकड़ लिया गया।

कांग्रेस किसी भी वर्ग को अलग-थलग नहीं करेगी : अद्दांकी दयाकर

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी महासचिव अद्दांकी दयाकर ने आज कहा कि एससी वर्गीकरण में कोई साजिश नहीं है और यह वैज्ञानिक तरीके से किया गया है और कांग्रेस पार्टी किसी भी वर्ग को अलग-थलग नहीं करेगी। आज यहां गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए दयाकर ने तेलंगाना राज्य को कैसीनो हब में बदलने के लिए केटीआर की आलोचना की। उन्होंने कहा कि एमएलसी पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी के खेत में विदेशों की तरह अत्याधुनिक सुविधाओं वाले कैसीनो और जुआ खेले जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केटीआर के साले के घर आयोजित एक पार्टी में कोकीन पकड़ी गई थी। उन्होंने कहा कि केसीआर अपने परिवार के चार सदस्यों के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये दांव बीआरएस शासन के दौरान दी गई अनुमति से दो साल से चल रहे हैं। उन्होंने केटीआर को यह समझने की सलाह दी कि दस विधायक पार्टी से क्यों अलग हो गए हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर चार साल बाद भी सामने आने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी के फार्महाउस में हो रही अनियमितताओं के लिए केटीआर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि सूरत बंदरगाह से दो तेलुगु राज्यों में गांजा आ रहा है। उन्होंने खुलासा किया कि वह एमएलए कोटे के तहत एमएलसी पद की उम्मीद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केसीआर, केटीआर और डीके अरुणा को जाति जनगणना में भाग लेना चाहिए।

रेत तस्करी पर लगातार पुलिस की कार्रवाई जारी

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने रेत के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने में जुटी है। राचकोंडा पुलिस उन लोगों पर नकेल कस रही है जो सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हैं और अवैध रेत खनन और परिवहन करते हैं। पिछले कुछ दिनों से राचकोंडा कमिश्नरेट में रेत के अवैध परिवहन पर पुलिस की विशेष निगरानी जारी है। इस क्रम में दूसरे दिन भी चले विशेष अभियान में दर्ज मामलों की संख्या 71 तक पहुंच गयी है। एलबीनगर जोन- 26 मामले, मल्काजीगिरी जोन- 23 मामले, यादाद्री-भुवनगिरी जोन- 10 मामले, महेश्वरम जोन- 12 मामले दर्ज किए गए हैं। चार जोनों में 107 आरोपियों के खिलाफ 71 मामले दर्ज किए गए और 44 रेत डंपों से 58 लाख 72 हजार रुपये मूल्य की 3762 टन रेत और 9 लॉरी, 5 टिपर, 1 मिनी वैन और 8 ट्रैक्टर पुलिस द्वारा जब्त किए गए। इस अवसर पर राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुउ बाबू ने कहा कि राचकोंडा पुलिस रेत माफियाओं को रोकने के लिए अथक प्रयास कर रही है और रेत की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

उन्होंने साफ कर दिया कि उनके हमले पहले भी इसी तरह जारी रहेंगे और वे अपराधियों को नजरअंदाज नहीं करेंगे।

भूमि सर्वेक्षण को लेकर महबूबाबाद शहर में तनाव

महबूबाबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सलारथंडा गांववासियों द्वारा राजस्व अधिकारियों को भूमि सर्वेक्षण करने से रोकने के बाद कस्बे में तनाव व्याप्त हो गया। राजस्व विभाग के अधिकारी पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी के साथ शहर के बाहरी इलाके में स्थित गांव में पहुंचे थे। वे वलीगोंडा से भद्राचलम तक राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए भूमि सर्वेक्षण करना चाहते थे।

हालांकि, ग्रामीण भूमि सर्वेक्षण के खिलाफ़ हैं। पिछले हफ़्ते भी ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए भूमि सर्वेक्षण का विरोध किया था। जब अधिकारी पुलिस के साथ सलारथंडा गांव पहुंचे थे, तो निवासियों ने कहा था कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए अपनी ज़मीन नहीं देंगे।

भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवन्त राव एवं महामंत्री गोविन्द नारायण राठी के प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कोठी हशमतगंज में समिति के बैठक हुयी। इस बैठक अध्यक्षता डॉ. भगवन्त राव ने किया। इस बैठक में समिति के सदस्य यम. वेन्कुटम, महेन्द्र ब्यास, बाबु गुरु ने भाग लिया। इस वर्ष 6 अप्रैल को श्रीराम जी की शोभायात्रा प्रति वर्ष अनुसार सीताराम बाग मंदिर से भव्य रूप से निकालने का बैठक में निर्णय निया तथा उसी दिन श्रीरामजी का कल्याण उत्सव किया जाएगा। सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार दिये। सभी निर्णय सदस्यों की अनुमति से किये जाएंगे। मुख्य अतिथि के नामों पर भी चर्चा की गयी और बाहेती भवन में कार्यलय खोलने पर भी निर्णय लिया गया और आगे सदस्यों के इस वर्ष भव्य रूप से श्रीराम नवमी शोभा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया।

रजत जयंती समारोह से पहले बीआरएस करेगी राज्य कार्यकारिणी की बैठक

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी अपनी रजत जयंती समारोह के आयोजन की तैयारी में जुटी है और 19 फरवरी को राज्य स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित करेगी। यह बैठक दोपहर एक बजे तेलंगाना भवन में शुरू होगी। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव करेंगे, जिन्होंने गुरुवार को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को निर्देश जारी किए। बैठक में राज्य कार्यकारी समिति, जिला पार्टी अध्यक्षों, वर्तमान और पूर्व सांसदों, विधान परिषद सदस्यों, विधायकों, निगम अध्यक्षों, जिला परिषद अध्यक्षों, डीसीसीबी और डीसीएमएस अध्यक्षों और पार्टी निर्वाचन क्षेत्र प्रभारियों सहित सभी स्तरों पर पार्टी के नेताओं के एक साथ आने की उम्मीद है। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। बीआरएस पार्टी अपनी 25वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रही है, इसलिए रजत जयंती समारोह की योजनाएं एजेंडा का मुख्य विषय होंगी।

बैठक में पार्टी की सदस्यता के पंजीकरण और पार्टी के संरचनात्मक संगठन पर भी चर्चा की जाएगी। रामाराव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह सम्मेलन इन रचनात्मक मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करेगा। सत्र में राज्य की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस पार्टी की नीतियों पर जोर दिया जाएगा, जिन्हें बीआरएस नेतृत्व जनविरोधी मानता है, तथा राज्य सरकार की विफलताओं पर भी चर्चा की जाएगी। पार्टी का लक्ष्य इन कमियों को उजागर करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार करना तथा लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को प्रभावी ढंग से संगठित करना है। रामाराव ने कहा कि इस सत्र के दौरान लिए गए निर्णयों और रणनीतियों से नेतृत्व को तेलंगाना में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर पार्टी की भावी कार्रवाई और प्रतिक्रिया को आकार देने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आजीवन कारावास की सजा के बाद दोषी ने न्यायिक अधिकारी पर हमला किया

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर स्थित रंगारेड्डी जिला अदालत में गुरुवार को एक न्यायिक अधिकारी पर आजीवन कारावास की सजा पाए एक व्यक्ति ने हमला कर दिया। सूत्रों ने बताया कि नौवें अतिरिक्त जिला न्यायाधीश ने गुरुवार सुबह पोक्सो मामले में आरोपी एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

तत्काल ही दोषी ने न्यायाधीश पर चप्पल फेंकी, जिसके बाद वकीलों ने उसे काबू में कर लिया और उसे स्थिर कर दिया। पुलिस ने उसे तुरंत अदालत से बाहर निकाल लिया। वकीलों ने हमले के विरोध में अदालती कामकाज का बहिष्कार किया और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

आंध्र प्रदेश में बढ़ रहा बर्ड फ्लू का प्रकोप पशुपालन मंत्री बोले-केंद्र ने राज्य में भेजीं टीमें

अमरावती, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस का प्रकोप बढ़ रहा है। इसे लेकर आंध्र प्रदेश के पशुपालन मंत्री के अत्चन्नायडू ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश के तीन जिलों में स्थिति का आकलन करने के लिए टीमें भेजी हैं।

पिछले 45 दिन में राज्य में संक्रमण के चलते 5.4 लाख मुर्गियों की मौत हो चुकी है। इसके बाद पशुपालन विभाग ने अन्य पक्षियों को मारना शुरू कर दिया है। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिबंधित जोन बना दिए हैं। आंध्र प्रदेश के एलुरू जिले के बादामपुडी गांव में 2.2 लाख मुर्गियों की मौत हो गई। जबकि पश्चिम गोदावरी जिले के वेलपुरु में 2.5 लाख और पूर्वी गोदावरी के कन्नुरू अग्रहारम में 65 हजार और एनटीआर के गामपालागुडेम में सात हजार मुर्गियों की मौत हो गई। सचिवालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान अत्चन्नायडू ने कहा कि मुख्यमंत्री ने भोपाल में वरिष्ठ वैज्ञानिकों और केंद्र सरकार के सचिव से बात की है। इसके बाद केंद्र सरकार के सचिव ने आंध्र प्रदेश के लिए टीमें भेजी हैं। केंद्र के एक वरिष्ठ अधिकारी 14 फरवरी को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रभावित पोल्ट्री फार्म को जैव प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित करने के साथ ही रोकथाम के उपायों के लिए अधिकारियों को भी तैनात किया गया है। तीन प्रभावित पोल्ट्री फार्म में मुर्गियों को मारने का काम पूरा हो चुका है। जबकि दो अन्य में आज काम कर लिया जाएगा। अधिकारी हर घंटे स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि उबले अंडे और पका हुआ चिकन खाने में कोई आपत्ति नहीं है। लोग बिना किसी डर के इनको खा सकते हैं। उन्होंने लोगों से बीमारी को लेकर अफवाह फैलाने से बचने के लिए भी कहा। एच5एन1 जिसे बर्ड फ्लू या एवियन इन्फ्लूएंजा के नाम से भी जाना जाता है, सामान्यतौर पर इसके मनुष्यों में संक्रमण के मामलों को काफी दुर्लभ माना जाता रहा है।

पिछले साल जून में भारत में एच5एन1 वायरस के मामले बढ़ने को लेकर अलर्ट जारी किया गया था। केंद्र सरकार ने एवियन इन्फ्लूएंजा को लेकर एक एडवाइजरी जारी करते हुए चार राज्यों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी थी। प्रभावित राज्य आंध्र प्रदेश (नेल्लोर जिला), महाराष्ट्र (नागपुर जिला), झारखंड (रांची जिला) और केरल (अलपुझा, कोट्टायम और पथानामथिट्टा जिले) थे।

यूरिया की मांग का फायदा उठाकर निजी व्यापारियों ने बढ़ाई कीमतें

करीमनगर, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के धान किसान निजी व्यापारियों द्वारा कथित तौर पर कृत्रिम कमी पैदा करके अधिक कीमत पर यूरिया बेचने से परेशान हैं। हालांकि व्यापारियों के पास पर्याप्त स्टॉक है, लेकिन वे 'नो स्टॉक' बोर्ड लगाकर इसे ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। कुछ इलाकों में 45 किलो का यूरिया बैग 320 रुपये में बेचा जा रहा है, जबकि इसकी वास्तविक कीमत 265 रुपये है। यूरिया के अलावा अगर अन्य उर्वरक जैसे डीएपी और पोटाश खरीदा जाए तो 20 रुपये की छूट देकर बैग 300 रुपये में बेचा जा रहा है।

खाद की आपूर्ति डीसीएमएस, पैक्स और किसान सेवा समितियों के माध्यम से की जा रही है। चालू यासंगी सीजन में धान की बुआई का रकबा बढ़ने से यूरिया की मांग बढ़ गई है। वितरण केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया नहीं पहुंचने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ इलाकों में जब भी स्टॉक आता है तो किसान अपनी बारी का इंतजार करने के लिए केंद्रों के सामने लंबी कतारों में खड़े नजर आते हैं।

महिलाओं ने बुजुर्ग महिला से सोने के गहने चुराए

जगतियाल, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात महिलाओं ने बुधवार को कथालापुर मंडल के उत्पल्ली में एक बुजुर्ग महिला से सोने के आभूषण चुरा लिए। ग्रामीणों के अनुसार, घर पर अकेली रह रही गजेली लक्ष्मी के पास 2 महिलाएं उसका आधार कार्ड देखने के बहाने पहुंचीं और उसके गले से सात तोले सोने के गहने, एक चेन, एक झुमका और अन्य कीमती सामान लूटकर फरार हो गईं। लक्ष्मी ने शोर मचाया, जिसके बाद पड़ोसी दौड़े। हालांकि, महिलाएं पकड़ में आने से बचकर भागने में सफल रहीं। एसआई नवीन कुमार ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली।

किसानों के पंजीकरण में अनियमितता तेलंगाना में 7 विपणन सचिव निलंबित

आदिलाबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल क्षेत्र में कपास किसानों के पंजीकरण में अनियमितताओं में उनकी कथित भूमिका के लिए विपणन विभाग के 7 सचिवों को निलंबित कर दिया गया, जिनमें से दो पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के हैं।

इस आशय का आदेश बुधवार को क्षेत्र निदेशक उप्पला श्रीनिवास द्वारा जारी किया गया। आदेश के अनुसार, आदिलाबाद मार्केट यार्ड के मधुकर कांबले, चेन्नूर के रामंजनेयुलु, पी निर्मला (वारंगल, श्रीनिवास (जनगामा), परमेश्वर (चिन्ना कोडुरु), नामला श्रीनिवास (भद्राद्रि कोत्तागुडेम) और पृथ्वी राज (पेद्दापल्ली) को अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर निलंबित कर दिया गया था, जिन्होंने सचिवों के खिलाफ आरोपों की जांच की थी। विभाग ने अनियमितताओं की जांच तब शुरू की जब किसान संगठनों ने अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि अस्थायी पंजीकरण जारी करने में बड़े पैमाने पर विसंगतियां हुई हैं। सचिव किसानों को पंजीकरण जारी करते हैं ताकि वे कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा संचालित खरीद केंद्रों पर कपास की उपज बेच सकें। विपणन विभाग के अधिकारियों ने कथित तौर पर कपास के अनधिकृत व्यापारियों के साथ मिलीभगत करके उन किसानों को पंजीकरण जारी कर दिया जो कपास नहीं उगाते हैं, जिससे सीसीआई को धोखा मिला है।

उन्होंने कथित तौर पर इस काम के लिए कमीशन के रूप में भारी मात्रा में राशि स्वीकार की। कृषि विभाग के कुछ अधिकारी अनियमितताओं में अपनी भूमिका के लिए जांच के घेरे में हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

नं. वाय/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/14/2024
दि.13.02.2025

PUB/0161

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आय संविदाओं के लिए ई-नीलामी लागू की है। ई-नीलामी की अनुसूची को नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	श्रेणीः	केटलाग नं.-	कार्य विवरण	नीलामी की तिथिः	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय
1	पार्सल	एचवायबी-पार्सल्स-08	रेल सं. - 1)17652(एफएसएलआर-1) 2) 17653(एफएसएलआर-1) 3) 16353(एफएसएलआर-1, एफएसएलआर-2 तथा आरएसएलआर-1) 4) 22715(एफएसएलआर-1) 5) 17028(एफएसएलआर-1 तथा एफएसएलआर-2)	28-02-25	15.00 बजे	16.40 बजे
2	एडवर्टाइजिंग एडीवीटी-एचवायबी एसएफएक्स-ओएच-124-25-1(विज्ञापन व्यवस्था-मकान के बाहरी ओर)	एचवायबी-एडीवीटी-33	सफिलगुडा,दयानंद नगर एवं रामकिस्टापुरम पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार	28-02-25	11.00 बजे	11.30 बजे
3	एडवर्टाइजिंगएड वीटी-एचवायबी-टीएमएक्स-ओ एसएन-123-25-1(विज्ञापन व्यवस्था-स्टेशन पर)	एचवायबी-एडीवीटी-33	तिम्मापुर, शादनगर, तथा जडचर्ला रेलवे स्टेशन पर विज्ञापन अधिकार	28-02-25	11.10 बजे	11.40 बजे

ए0207 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

बजरंग सेना ने वैलेंटाइन डे पर होटल व पब बंद करने की मांग की

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बजरंग सेना ने वैलेंटाइन डे का विरोध करते हुए कहा है कि इस विदेशी उत्सव के बहाने होटलों और पबों में असामाजिक गतिविधियां की जा रही हैं। उन्होंने सरकार से ऐसी गतिविधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

काचीगुडा स्थित राज्य कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बजरंग सेना के नेताओं ने घोषणा की कि वे आज हैदराबाद के तीनों पुलिस आयुक्तों को एक ज्ञापन सौंपेंगे, जिसमें उनसे आग्रह किया जाएगा कि वे वैलेंटाइन डे पर सभी होटल और पब रात 11 बजे तक बंद कर दें और उन पर कड़ी निगरानी रखें।

संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि वैलेंटाइन डे पर होटलों, पबों और पार्कों में नशीले पदार्थों की बिक्री बड़े पैमाने पर होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि बजरंग सेना की राज्य समिति इन प्रतिष्ठानों पर कड़ी निगरानी रखेगी और अगर कोई असामाजिक गतिविधि पाई जाती है तो सीधे कार्रवाई करेगी। बजरंग सेना ने इस बात पर जोर दिया कि वैलेंटाइन डे मनाना भारतीय परंपराओं का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक पश्चिमी प्रथा है, लोगों से इससे दूर रहने का आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कल उन्हें कहीं भी जोड़े मिले, तो वे उन्हें उनके माता-पिता के पास ले जाएंगे और उनकी मौजूदगी में मनोज बजरंग सेना शहर अध्यक्ष, रामेश्वर मिश्रा शहर महासचिव, वाणी प्रिया तेलंगाना अध्यक्ष, आशीष सिंह बजरंग सेना युवा अध्यक्ष, पीयूष, अश्विन और अन्य सदस्यों के साथ उनकी शादी की व्यवस्था करेंगे।

आदिवासी छात्रावास में छात्र की मौत पर तनाव

विकाराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को लड़कों के आदिवासी छात्रावास में एक छात्र की संदिग्ध मौत के बाद तनाव व्याप्त हो गया। दसवीं कक्षा के छात्र ने कल रात खाना खाया और जब उसके दोस्तों ने गुरुवार सुबह उसे जगाने की कोशिश की, तो वह नहीं उठा। तुरंत, छात्रावास के कर्मचारियों ने लड़के को पारिगी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल लाए जाने से कुछ घंटे पहले ही लड़के की मृत्यु हो गई थी। अपने छात्र की मौत की खबर सुनकर उसके माता-पिता और रिश्तेदार हॉस्टल पहुंच गए। छात्र की मौत के लिए हॉस्टल स्टाफ को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने स्टाफ पर हमला करने की भी कोशिश की।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रजत पाटीदार आरसीबी के कप्तान बने

कोहली बोले- आप इसके हकदार, मुश्ताक अली ट्रॉफी में मप्र की कप्तानी कर चुके हैं

मुंबई, 13 फरवरी (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का कप्तान कौन होगा? इस सवाल से पर्दा अब उठ चुका है. विराट कोहली कप्तानी करेंगे या कोई और उसका जवाब अब मिल चुका है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के अगले सीजन के लिए अपने नए कप्तान का ऐलान कर दिया है. आईपीएल 2025 में रजत पाटीदार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नए कप्तान होंगे.

आरसीबी के 8वें कप्तान बने रजत पाटीदार

आरसीबी की कमान संभालने वाले रजत पाटीदार 8वें खिलाड़ी होंगे. उनसे पहले केविन पीटरसन, अनिल कुंबले, डैनियल विटोरी, विराट कोहली, शेन वॉटसन, फाफ डु प्लेसी जैसे बड़े नाम इस टीम की कमान संभाल चुके हैं. वो आरसीबी की कमान संभालने वाले राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और विराट कोहली के बाद चौथे भारतीय होंगे. आरसीबी का कप्तान बनाए जाने के बाद रजत पाटीदार को विराट कोहली ने मुबारकबाद भी दी है.

पाटीदार बने कप्तान, विराट क्यों नहीं?

आईपीएल 2025 को लेकर हालांकि पहले से कयास ये लगाए जा रहे थे कि आरसीबी की कप्तानी की बागडोर एक बार फिर से विराट कोहली के हाथों में आएगी. लेकिन, टीम मैनेजमेंट ने पुराने की जगह नए चेहरे को कप्तान बनाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई. रजत पाटीदार को कप्तान के तौर पर चुने जाने की एक वजह घरेलू क्रिकेट में बतौर कप्तान किया उनका परफॉर्मेन्स भी है.

घरेलू क्रिकेट में बतौर कप्तान रजत का अच्छा रिकॉर्ड

रजत पाटीदार ने T20 में अपनी घरेलू टीम मध्य प्रदेश की 16 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 12 मैच उन्होंने जीते हैं. यानी उनकी जीत का प्रतिशत 75 का रहा है. रजत की ही कप्तानी में मध्यप्रदेश की टीम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 के फाइनल में पहुंची थी. मध्य प्रदेश की इस सफलता में पाटीदार की कप्तानी के साथ साथ बल्लेबाजी का भी बड़ा रोल था.

आईपीएल में आरसीबी का प्रदर्शन

आईपीएल में आरसीबी के प्रदर्शन की बात करें तो ये लीग की उन टीमों में है, जिसने अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल के 17 सीजन में 9 बार प्लेऑफ में पहुंची, जिसमें से 3 बार वो फाइनल तक पहुंची. लेकिन, कभी खिताब नहीं जीत सकी. आरसीबी ने साल 2009, 2011 और 2016 में आईपीएल का फाइनल खेला था. आईपीएल में आरसीबी चौथी सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम हैं. उसने अब तक कुल 123 मैच जीते है. साफ है अपने नए कप्तान यानी रजत पाटीदार से आरसीबी की यही तमन्ना होगी कि टीम का खिताब जीतने का जो सपना अब तक पूरा नहीं हुआ है, उस सपने को साकार करने की उम्मीदों पर वो खरे उतरें.

ना धोनी, ना विराट, अब रोहित शर्मा क्लीन स्वीप मामले में बने भारत के नंबर 1 कप्तान

अहमदाबाद, 13 फरवरी (एजेंसियां)। एक महारिकॉर्ड रोहित शर्मा ने भी बतौर कप्तान तोड़ दिया, वो धोनी और विराट से भी आगे निकल गए. आइए आपको बताते हैं कि अहमदाबाद वनडे के बाद कौन से पांच बड़े रिकॉर्ड टूटे.

रोहित का रिकॉर्ड

रोहित शर्मा भारत के पहले कप्तान बन गए हैं जिनकी अगुवाई में टीम इंडिया ने चार बाइलेट्रल वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया है. वो वेस्टइंडीज, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया को क्लीन स्वीप की जीत दिला चुके हैं. उन्होंने विराट कोहली और एमएस धोनी को पछाड़ा, इन दोनों की अगुवाई में भारतीय टीम ने 3-3 बार विरोधियों का क्लीन स्वीप किया था.

टीम इंडिया नंबर 1

पिछले 14 सालों में भारतीय टीम ने वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा क्लीन स्वीप किए हैं. वो 12 बार ये कारनामा कर चुकी है. दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड है, जिसके नाम 10 क्लीन स्वीप जीत हैं. शुभमन गिल ने भी अहमदाबाद वनडे में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. ये खिलाड़ी सबसे तेजी से 2500 वनडे रन बनाने वाला खिलाड़ी बना. इसके अलावा उन्होंने सबसे कम पारियों में 7 वनडे शतक लगाने का कारनामा भी किया.

एक वेन्यू पर शतकों की हैट्रिक

शुभमन गिल ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीनों फॉर्मेट में शतक लगा दिए हैं. ये कारनामा करने वाले वो पहले भारतीय खिलाड़ी हैं. इसके अलावा इस मैदान पर वो आईपीएल सेंचुरी भी लगा चुके हैं.

विराट कोहली के 16 हजार रन

विराट कोहली ने भी एशियाई सरजमीं पर इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 16 हजार रन पूरे किए. उन्होंने सचिन तेंदुलकर से कम पारियों में ये कारनामा किया. विराट को ये आंकड़ा हासिल करने में 340 पारियां लगी, सचिन ने इसके लिए 353 पारियां खेली थी.

गौतम गंभीर ने ऋषभ पंत को किया 'बाहर'

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले लिया चौंकाने वाला फैसला

मुंबई,, 13 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के साथ ही टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के विकेटकीपर को लेकर बड़ा फैसला किया है. दरअसल, उन्होंने विकेटकीपर को लेकर जारी शंकाओं को दूर करने की कोशिश की है. गंभीर ने बताया कि केएल राहुल ही उनके फर्स्ट चॉइश विकेटकीपर हैं. और, उस सूरत में फिलहाल पंत का खेलना थोड़ा मुश्किल लग रहा है. चैंपियंस ट्रॉफी से पहले गंभीर का ये बयान क्रिकेट फैंस को चौंकाने वाला है.

केएल राहुल फर्स्ट चॉइश विकेटकीपर, पंत नहीं- गंभीर

हालांकि, गंभीर ने पंत को मौका दिए जाने से इनकार नहीं किया है. लेकिन, फिलहाल के लिए उन्होंने केएल राहुल को ही अपनी टीम का विकेटकीपर बताया है. गंभीर ने कहा कि राहुल उनके फर्स्ट चॉइश विकेट हैं और रहेंगे. उन्होंने आगे ये भी कहा कि टीम इंडिया एक साथ दो विकेटकीपर के साथ नहीं खेल सकती. अूब इसका तो यही मतलब निकलता है कि चैंपियंस ट्रॉफी की प्लेइंग इलेवन में फिर पंत के लिए जगह बनती नहीं दिखती.

केएल राहुल के भरोसे की वजह क्या है?

अब सवाल है कि केएल राहुल पर गौतम गंभीर के इस भरोसे की वजह क्या है? इसकी एक वजह दुबई में उनका बेहतर रिकॉर्ड हो सकता है. दूसरे वो मिडिल ऑर्डर को थोड़ा लचीला बनाते दिखते हैं. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में ही इसकी मिसाल देखने को मिली, जहां वो टीम की जरूरत के मुताबिक कभी 5 नंबर तो कभी 6 नंबर पर बैटिंग करते दिखे.

दुबई में राहुल का प्रदर्शन

बात अगर दुबई में खेले वनडे में केएल राहुल के प्रदर्शन की करें तो उन्होंने वहां 50 ओवर फॉर्मेट का सिर्फ 1 मैच खेला है, जिसमें उनकी बल्लेबाजी का औसत 60 का रहा है. केएल राहुल चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए चुनी टीम इंडिया के उन इक्के-दुक्के खिलाड़ियों में हैं. जिनके पास दुबई में वनडे खेलने का अनुभव है.

ऋषभ पंत के साथ नहीं जाने की 'गंभीर' वजह!

अब सवाल है कि ऋषभ पंत भी तो मैच विनर हैं, फिर वो क्यों नहीं टीम इंडिया के फर्स्ट चॉइश विकेटकीपर? तो इसकी एक बड़ी वजह ये हो सकती है कि उनके पास दुबई में वनडे खेलने का अनुभव नहीं है. इसके अलावा पंत लेफ्ट हैंडर हैं. और, अगर टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन देखें तो उसमें जडेजा, अक्षर जैसे कई लेफ्ट हैंडर मौजूद हैं, जो टीम की जरूरत के हिसाब से परफॉर्म भी कर रहे हैं.

राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहीं मनु भाकर, रिदम ने हराया

नई दिल्ली, 13 फरवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में भाग ले रही मनु भाकर राइफल/पिस्टल राष्ट्रीय चयन ट्रायल (ग्रुप-ए) के पांचवें दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रिदम सांगवान के बाद दूसरे स्थान पर रहीं।

पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और आर्य राजेश बोरसे ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में क्रमशः पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) टी1 और महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टी2 स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया।

रिदम ने मनु को शूट-ऑफ में हराया

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीतने वाली भाकर को रिदम ने शूट-ऑफ में हराया। रिदम और मनु पांच-पांच शॉट की 10 सीरीज के बाद 37 हिट के साथ बराबरी पर थे। इन दोनों निशानेबाजों में से किसी एक को विजेता घोषित करने के लिए दो शूट-ऑफ की जरूरत पड़ी। पहले शूट-ऑफ में दोनों 4-4 से बराबरी पर थी, जिसके बाद दूसरे शूट-ऑफ में रिदम ने 4-3 से जीत दर्ज की। सिमरनप्रीत तीसरे स्थान पर रहीं।

भारत-पाक मैच का टिकट लेकर बुरे फंसे फैंस

टिकट होने के बावजूद कई फैंस का वीजा रिजेक्ट कर दिया है

खेल डेस्क,, 13 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले का इंतजार हर किसी को है. लेकिन इससे ठीक पहले फैंस को एक तगड़ा झटका लगा है. दुबई में होने वाले इस मैच के लिए यूएई ने टिकट होने के बावजूद कई फैंस का वीजा रिजेक्ट कर दिया है.

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है. दोनों टीमें दुबई में भिड़ने वाली हैं. इस महामुकाबले के लिए बीते दिनों टिकट भी बेच दिए गए. अब बस फैंस को दोनों टीमों की टक्कर का इंतजार है. लेकिन इससे पहले फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है. दरअसल इस मैच के लिए फैंस को वीजा संबंधित मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. मैच के लिए फैंस एक्साइटेड हैं लेकिन वीजा

मुद्दों ने बुरी खबर सुना दी है. आइए जानते हैं कि आखिर किस टीम के फैंस को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

पाकिस्तानियों को वीजा नहीं दे रहा यूएई

भारत और पाकिस्तान का मैच चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को यूएई के दुबई में होने वाला है. भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों के हजारों फैंस अपनी-अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए दुबई पहुंचेंगे. हालांकि पाकिस्तानी फैंस को यूएई से वीजा नहीं मिल रहा है. ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां भारत-पाक मैच का टिकट होने के बावजूद पाकिस्तानियों का वीजा खारिज किया जा रहा है.

सभी मैच दुबई में खेलेगी टीम इंडिया

चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है लेकिन भारत ने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया था. इसके बाद तय हुआ कि टीम इंडिया के सभी मैच दुबई में होंगे. पहले मैच में टीम इंडिया 19 फरवरी को बांग्लादेश से भिड़ेगी. फिर पाकिस्तान के बाद 2 मार्च को उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा. टीम इंडिया सेमीफाइनल और फाइनल में एंट्री लेती है तो भी ये मैच दुबई में ही होंगे. नहीं तो नॉकआउट मुकाबले पाकिस्तान में आयोजित किए जाएंगे.

चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का पलड़ा भारी

भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक कुल पांच मैच हुए हैं, जिसमें भारतीय टीम का पलड़ा भारी है. भारत ने दो जबकि पाकिस्तान ने तीन मैच जीते हैं. पाकिस्तान ने जब साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी में फतेह हासिल की थी तब उसने टीम इंडिया को ही मात दी थी. फाइनल मैच में पाकिस्तान ने 338 रन बनाए थे जबकि भारतीय टीम 158 रनों पर ढेर हो गई थी. तबसे अब आठ साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हो रहा है.

रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए चार टीमें फिक्स हो चुकी हैं, कौन पड़ेगा किस पर भारी

नागपुर, 13 फरवरी (एजेंसियां)। क्वार्टर फाइनल की जंग के बाद रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए चार टीमें तय हो चुकी हैं। 42 बार की चैंपियन मुंबई एक बार फिर फाइनल में जगह बनाने के इरादे से विदर्भ से भिड़ेगी। वहीं, रणजी ट्रॉफी के इतिहास में केरल महज दूसरी बार अंतिम चार का टिकट हासिल करने में सफल रही है।

जम्मू कश्मीर के खिलाफ मिली एक रन की बढ़त केरल के लिए वरदान साबित हो गई। सेमीफाइनल में केरल की भिड़ंत गुजरात के साथ होनी है। गुजरात 2019-20 के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंची है। आइए आपको बताते हैं सेमीफाइनल की जंग पर कौन पड़ेगा किस पर भारी और कैसा रहा है हर टीम का रिकॉर्ड।

केरल बनाम गुजरात

केरल ने सिर्फ दूसरी बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर को पटखनी देते हुए केरल ने अंतिम चार का टिकट हासिल किया है। एक रन की बढ़त केरल के लिए वरदान बन गई। केरल का प्रदर्शन इस सीजन दमदार रहा है। टीम ने 7 मैचों में से 3 में जीत का स्वाद चखा, जबकि चार मैच ड्रॉ खेले। यानी केरल बिना कोई मैच गंवाए सेमीफाइनल में पहुंची है। आखिरी बार केरल ने 2018-19 में सेमीफाइनल खेला था। दूसरी ओर गुजरात 2019-20 के बाद पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंची है। ग्रुप-बी में रहते हुए गुजरात का प्रदर्शन कमाल का रहा। टीम ने सात मैचों में से 4 में जीत दर्ज की, जबकि तीन मुकाबले टीम ने ड्रॉ खेले। गुजरात ने सौराष्ट्र के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में एक पारी और 98 रन से बड़ी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया है। गुजरात ने 2016-17 में रणजी ट्रॉफी के खिताब को अपने नाम किया था। केरल और गुजरात के बीच सेमीफाइनल मुकाबला 17 फरवरी से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

मुंबई बनाम विदर्भ

मुंबई और विदर्भ के बीच ही पिछले सीजन का फाइनल मुकाबला खेला गया था, जहां मुंबई ने बाजी मारी थी।

ऐसे में इस बार विदर्भ उस हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। अक्षय वाडकर की कप्तानी में विदर्भ के लिए यह सीजन कमाल का गुजरा है। ग्रुप-बी में विदर्भ ने टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया है। 7 मैचों में से विदर्भ ने छह में जीत दर्ज की, जबकि एक मैच ड्रॉ खेला। विदर्भ ने आखिरी बार साल 2018-19 में खिताब को अपने नाम किया था।

रणजी ट्रॉफी के खिताब को 42 बार अपने नाम कर चुकी मुंबई डिफेंडिंग चैंपियन भी है। हालांकि, इस सीजन टीम का प्रदर्शन थोड़ा फीका जरूर नजर आया है। ग्रुप-ए में रहते हुए मुंबई ने कुल सात मैच खेले, जिसमें से टीम को 4 में जीत नसीब हुई, तो 2 मैचों में हार का मुंह भी देखना पड़ा। क्वार्टर फाइनल में मुंबई ने हरियाणा को धूल चटाते हुए अंतिम चार में अपनी जगह बनाई है। मुंबई और विदर्भ के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 17 फरवरी से ही नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा।

पाकिस्तान ने 353 रन चेज करके रचा इतिहास, रिजवान-सलमान ने ठोके शतक

कराची, 13 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान की टीम ने धमाका कर दिया है. उसने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 353 रन का विशाल स्कोर चेज करके इतिहास रच दिया. ये पाकिस्तान के क्रिकेट का सबसे बड़ा सफल चेज बन गया है. इससे पहले उसने 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 349 रन का लक्ष्य हासिल किया था. पाकिस्तान की टीम ने साउथ अफ्रीका को ना सिर्फ 6 विकेटों से हराया बल्कि ट्राई सीरीज के फाइनल में भी जगह बना ली है. इस बड़ी जीत में कप्तान मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा का अहम रोल था. दोनों ने जबरदस्त सेंचुरी लगाई और 260 रनों की साझेदारी की. बता दें रिजवान ने नाबाद 122 रन और सलमान ने 134 रनों की पारी खेली. चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए पाकिस्तान ने एक ट्राई सीरीज के आयोजन किया है. इसमें पाकिस्तान के साथ न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका की टीमें हिस्सा ले रही हैं. मौजूदा सीरीज में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद पाकिस्तान अपने ही घर पर सीरीज से बाहर होने की स्थिति में आ गई थी, लेकिन रिजवान और सलमान ने ऐसा नहीं होने दिया. दोनों ने कराची शतक जड़कर कमाल कर दिया. इन दोनों ही खिलाड़ियों का शतक ऐसे समय में आया जब टीम मुश्किल में थी और उस पर हारकर फाइनल से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था. हुए इस मैच में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 352 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया था.

भाला फेंक में सचिन, ऊंची कूद में पूजा और 5000 मीटर में बेरवाल को स्वर्ण पदक

देहरादून, 13 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव, हरियाणा की 18 साल की ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा सिंह और हिमाचल प्रदेश के लंबी दूरी के धावक सावन बेरवाल ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंतिम दिन राष्ट्रीय खेलों के नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। नीरज चोपड़ा और किशोर जेना जैसे स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में 25 साल के यादव ने अपने पांचवें और अंतिम प्रयास में भाले को 84.39 मीटर की दूरी तक फेंककर स्वर्ण पदक जीता।

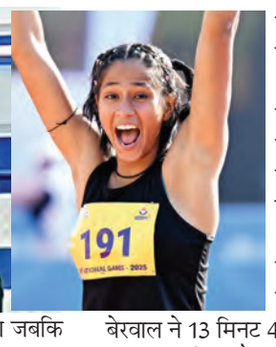

यादव ने 2015 में बनाए राजिंदर सिंह के 82.23 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। यादव का 84.39 मीटर अब चोपड़ा (89.94 मीटर), जेना (87.54 मीटर), शिवपाल सिंह (86.23 मीटर) और देविंदर सिंह कांग (84.57 मीटर) के बाद किसी भारतीय के कॅरिअर का पांचवां सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। भाला फेंक का रजत और कांस्य भी उत्तर प्रदेश के नाम रहा। रोहित यादव ने 80.47 मीटर के साथ दूसरा जबकि विकास शर्मा ने 79.33 मीटर से तीसरा स्थान हासिल किया।

हरियाणा के फतेहाबाद जिले के एक राजमिस्त्री की बेटी पूजा ने 1.84 मीटर के प्रयास से 2023 सत्र में जीते महिलाओं की ऊंची कूद के स्वर्ण पदक को बरकरार रखा। उन्होंने 2022 में बंगाल की स्वप्ना बर्मन के 1.83 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। पूजा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1.85 मीटर है जो राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड भी है। तमिलनाडु की गोबिका के (1.79 मीटर) ने रजत जबकि कर्नाटक की अभिन्या शेट्टी (1.77 मीटर) ने कांस्य पदक जीता।

बेरवाल ने 13 मिनट 45.93 सेकंड के साथ पुरुष 5000 मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने सेना के जी लक्ष्मणन के 2015 में बनाए 13 मिनट 50.05 सेकंड के राष्ट्रीय खेलों के पिछड़ने रिकॉर्ड को बेहतर किया। यह बेरवाल का मौजूदा खेलों में दूसरा स्वर्ण और दूसरा राष्ट्रीय खेलों का रिकॉर्ड है। उन्होंने शनिवार को पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा भी 28 मिनट 49.93 सेकंड के राष्ट्रीय खेलो के रिकॉर्ड समय के साथ जीती थी। हरियाणा के गगन सिंह ने 14 मिनट 00.04 सेकंड के साथ रजत पदक जीता जबकि मध्य प्रदेश के सुनील डावर ने 14 मिनट 01.33 सेकंड के समय से कांस्य पदक हासिल किया। महिला 400 मीटर बाधा दौड़ में तमिलनाडु की विथ्या रामराज ने 58.11 सेकंड के समय के साथ राष्ट्रीय खेलों का लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2022 और 2023 में भी स्वर्ण पदक जीते थे। इस स्पर्धा का 55.42 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड संयुक्त रूप से उनके और पीटी उषा के नाम है। पुरुष 400 मीटर बाधा दौड़ का स्वर्ण पदक गुजरात के रुचित मोरी ने 50.97 सेकंड के समय से जीता जबकि महिला गोला फेंक में पंजाब की जैस्मिन कौर ने 15.97 मीटर के प्रयास से शीर्ष स्थान हासिल किया। महिला 5000 मीटर की चैंपियन उत्तराखंड की अंकिता ध्यानी (15 मिनट 56.03 सेकंड) बनीं जबकि चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले में केरल ने तीन मिनट 25.35 सेकंड के साथ बाजी मारी।

मुख्यमंत्री ने माइक्रोसॉफ्ट के नए परिसर भवन का उद्घाटन किया

तेलंगाना सरकार के साथ एआई प्रशिक्षण में साझेदारी की घोषणा

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू के साथ गुरुवार को माइक्रोसॉफ्ट के एक नए परिसर भवन का उद्घाटन किया, क्योंकि कंपनी हैदराबाद में अपने शानदार 25 साल पूरे होने का जश्न मना रही है। गच्चीबोवली में यह कर्मचारियों को आवास प्रदान करेगा।

यह पहले से ही यूएस मुख्यालय के बाहर माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा आरएंडडी हब है और नए परिसर का उद्घाटन हैदराबाद की अग्रणी वैश्विक आईटी पावरहाउस के रूप में स्थिति को और मजबूत करता है। माइक्रोसॉफ्ट भारत में 20 हजार से अधिक पेशेवरों को रोजगार देता है, जिनमें से आधे से अधिक हैदराबाद में काम करते हैं। नए भवन के शुभारंभ के साथ, माइक्रोसॉफ्ट ने अन्य 4,800 कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना बनाई है।

इस अवसर पर, माइक्रोसॉफ्ट ने तेलंगाना सरकार के साथ साझेदारी में राज्य में 1.2 लाख से अधिक लोगों को एआई प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक और ऐतिहासिक पहल की भी घोषणा की। पहले कार्यक्रम एडवांटा (आई) जीई तेलंगाना के तहत, माइक्रोसॉफ्ट 500 सरकारी स्कूलों में एआई शिक्षा शुरू करने के लिए एक एआई फाउंडेशन अकादमी शुरू कर रहा है, जिससे 50,000 छात्रों को लाभ होगा। इसके अलावा, एआई-इंडस्ट्री प्रो कार्यक्रम तेलंगाना भर में 20,000 उद्योग पेशेवरों को अपस्किल करेगा। तीसरा कार्यक्रम एआई-गवर्न पहल डिजिटल उत्पादकता, जनरेटिव एआई और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 50,000 सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षित करेगी। यह जनवरी 2025 में मुख्यमंत्री और सत्य नडेला के बीच हुई हालिया बैठक का प्रत्यक्ष परिणाम है, जहां वे सरकारी आईटी और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने और एआई समाधानों के विकास और अपनाने में तेजी लाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। इस अवसर पर माइक्रोसॉफ्ट को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि, हैदराबाद और माइक्रोसॉफ्ट एक साथ बढ़े हैं और इस राज्य के एक गौरवशाली प्रतिनिधि के रूप में मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह सिर्फ शुरूआत है। दुनिया आज हैदराबाद को एक प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में देखती है, एक ऐसा शहर जो नवाचार को बढ़ावा देता है और वैश्विक प्रतिभाओं को आकर्षित करता है। और माइक्रोसॉफ्ट जैसे भागीदारों के साथ, भविष्य और भी उज्जवल है। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा, नया परिसर और माइक्रोसॉफ्ट द्वारा शुरू की गई कई एआई संबंधित पहल राज्य में स्थिरता, समावेशिता और नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर के प्रबंध निदेशक और अध्यक्ष राजीव कुमार, जो इस अवसर पर उपस्थित थे, ने कहा, हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट इंडिया डेवलपमेंट सेंटर (आईडीसी) की नई इमारत तेलंगाना के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और भारत के एआई-प्रथम राष्ट्र बनने के दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। उन्होंने आगे कहा कि यह विस्तार उनकी टीमों को अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करेगा, जिससे वे अगली पीढ़ी के एआई उत्पादों का नवाचार और विकास करने में सक्षम होंगे।

बैंक अधिकारियों ने किसान गेट पर किया कब्जा

> केटीआर ने कांग्रेस के दोहरे मापदंड पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामराव ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार पर किसानों की दुर्दशा के लिए हमला बोला, जो ऋण चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और सरकारी सहायता की कमी के कारण बैंक अधिकारियों के गुस्से का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जनगांव जिले के एडुनुथला गांव में जिला सहकारी बैंक के अधिकारियों द्वारा एक किसान के घर के प्रवेश द्वार को जब्त करने की रिपोर्ट साझा की।

रामाराव ने कहा कि कांग्रेस द्वारा किसानों को समर्थन देने के बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद, गरीब किसानों को कर्ज न चुकाने के कारण गंभीर परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन ने अतीत के काले दिनों को वापस ला दिया है, जब किसानों को जेल में बंद कर दिया जाता था, उनके सोने के गहने जब्त कर लिए जाते थे और यहां तक कि कर्ज न चुकाने पर उनके घरों के दरवाजे और उपकरण भी छीन लिए जाते थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया जाएगा, जिन्होंने किसानों के लिए 2 लाख रुपये की ऋण माफी का वादा किया था, लेकिन अभी तक इसे पूरा नहीं किया है। उन्होंने पूछा कि किसानों और सत्ता में बैठे लोगों के लिए अलग-अलग नियम कैसे हो सकते हैं? उन्होंने चेतावनी दी कि किसान इस पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और अगर अन्याय जारी रहा तो वे चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि किसान कांग्रेस के नेताओं को उनके विफल वादों के लिए अपने घरों में कदम रखने की अनुमति नहीं देंगे।

गूगल ने हैदराबाद में एआई एक्सेलेरेटर की घोषणा की

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गूगल ने हैदराबाद में एआई एक्सेलेरेटर स्थापित करने के लिए तेलंगाना सरकार के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एआई स्टार्टअप्स को समर्थन देना और कृषि, गतिशीलता, शिक्षा, स्थिरता और शासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में एआई समाधानों के विकास में तेजी लाना है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू की उपस्थिति में गुरुवार को टी-हब में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

हैदराबाद में मनाई जाएगी शब-ए-बारात

> शहर में किए गए आवश्यक इंतजाम

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में मुसलमान गुरुवार की रात को 'शब-ए-बारात' मनाएंगे, जो मुक्ति की रात है और हिजरी कैलेंडर माह शाबान की 15वीं तारीख को पड़ती है।

यह आयोजन पैगंबर मोहम्मद के पवित्र शहर मक्का में प्रवेश की याद में मनाया जाता है और दुनिया भर के मुसलमान इस रात को प्रायश्चित के अवसर के रूप में मनाते हैं। इस रात मुसलमान रमज़ान की तैयारी के लिए प्रार्थना करते हैं और अपने पापों की क्षमा मांगते हैं। शहर की विभिन्न मस्जिदों में विशेष प्रार्थनाएं और उपदेश आयोजित किए जाते हैं। ऐतिहासिक मक्का मस्जिद, जामिया मस्जिद-मुशीराबाद, वजीर अली मस्जिद-फतेह दरवाजा, जामिया मस्जिद जाफरिया-सनथनगर, अजीजिया मस्जिद-मेहदीपट्टनम और जामिया मस्जिद-महबूब चौक समेत कई जगहों पर नमाज के लिए भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। मिलाद मैदान-खिलवत, मोगलपुरा खेल मैदान और कुली कुतुब शाह स्टेडियम में धार्मिक सभाओं की योजना बनाई गई है, जहां प्रख्यात धार्मिक विद्वान सभा को संबोधित करेंगे। परंपरा के अनुसार लोग कब्रिस्तान जाते हैं और अपने प्रियजनों को याद करते हैं। जीएचएमसी और तेलंगाना वक्फ बोर्ड ने इस अवसर से पहले कब्रिस्तानों की सफाई की और आगंतुकों की कब्रिस्तान तक आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए अस्थायी प्रकाश व्यवस्था की। इन स्थानों से जंगली वनस्पति और कचरा हटाया गया। जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने काम की निगरानी की। समुदाय के बुजुर्गों ने अभिभावकों से कहा है कि वे अपने कम उम्र के बच्चों को मोटरसाइकिल और कार चलाने की अनुमति न दें। उन्होंने युवाओं से अपील की है कि वे मस्जिदों में नमाज पढ़ने या कुरान पढ़ने में ज़्यादा समय बिताएं, न कि सड़कों पर घूमकर शांति भंग करें और रिहायशी इलाकों में उपद्रव मचाएं।

चोरी करने वाले गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

> दो करोड़ रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ईस्ट जोन की नारायणगुडा पुलिस और ईस्ट जोन कमिश्नर टास्क फोर्स टीम ने एक संयुक्त अभियान के साथ बिहार के एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया। वह दोमलगुडा पीएस क्षेत्र में जनवरी 2024 के महीने में हुई हत्या में शामिल था, जिसमें आरोपियों ने महेश और राहुल नाम के अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर एक बुजुर्ग महिला की हत्या की और 1 करोड़ रुपये की चोरी की। हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने बताया कि अपराधियों ने बीते 10 फरवरी की मध्य रात्रि में नारायणगुड़ा की सीमा में घर में चोरी की और हीरे, सोना, चांदी, नकदी और विभिन्न देशों की विदेशी मुद्रा चुरा ली, जिनकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये से अधिक है। आरोपियों

में मोल्हू मुखिया उर्फ मनोज मुखिया निवासी बिरौल गांव और डाकघर, मधुबनी जिला, बिहार, सुशील मुखिया निवासी बिरौल, मधुबनी जिला, बिहार, बसंती अरही निवासी पश्चिम मेदिनीपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल शामिल हैं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि अपराधी अमीर लोगों, खासकर मारवाड़ी/जैन समुदाय के लोगों के घरों का चयन करते हैं और नौकरानी/रसोइया और सुरक्षा गार्ड के रूप में शामिल होते हैं। घर के मालिक द्वारा विश्वास प्राप्त करने के बाद वे चोरी की योजना बनाते हैं और उसे अंजाम देते हैं। यहां तक कि अगर विरोध किया जाए तो वे मालिकों को मारने का साहस भी करते हैं और लूट के माल के साथ बिहार में अपने पैतृक गांवों में भाग जाते हैं। मुख्य आरोपी मोलहू मुखिया उर्फ मनोज मुखिया पुत्र सोनी मुखिया हत्या के मामले में फरार था, यानी जनवरी 2024 के महीनों में हैदराबाद कमिश्नरेट के दोमलगुडा पुलिस स्टेशन के तहत अपराध संख्या: 35/2024 यूएस 302, 394 आईपीसी, जिसमें वह अपने अन्य सहयोगी महेश और राहुल के साथ मृतक महिला के घर में रसोइया का काम करता है। इस मामले में चोरी की गई संपत्ति (1 करोड़ रुपये की कीमत) अभी तक बरामद नहीं हुई है। मुख्य आरोपी मोल्हू मुखिया दिल्ली में चोरी के मामलों में शामिल था शामिल था और जेल गया। उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट लंबित हैं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि बीते फरवरी को अभय केडिया जो रोहित केडिया का कर्मचारी है, की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया, जिसमें बताया गया कि उसके मालिक रोहित केडिया और उसके परिवार के सदस्य अपनी बेटी की शादी समारोह में दुबई गए थे। उनकी अनुपस्थिति में 10 फरवरी की रात को कुछ अज्ञात अपराधियों ने घर में प्रवेश किया और अलमारी, लॉकर को तोड़ दिया। इसके बाद हीरे, सोना, चांदी, लगभग 20 लाख रुपये की शुद्ध नकदी भारतीय मुद्रा और अन्य विदेशी मुद्रा चुरा ली, जिनकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है। उन्होंने यह भी बताया कि खोई गई संपत्ति का सही विवरण रोहित केडिया के आने के बाद दिया जाएगा। उन्हें यह भी संदेह है कि रोहित केडिया के घर पर रसोइया के रूप में काम करने वाला एक सुशील है। थाना नारायणगुडा में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। सीपी हैदराबाद सिटी के निर्देशानुसार, एडिशनल सीपी (एल एंड ओ) हैदराबाद सिटी समन्वय डीसीपी ईस्ट ज़ोन की करीबी निगरानी में, एडिशनल डीसीपी टास्क फोर्स, एडिशनल डीसीपी ईस्ट, एसीपी सुल्तानबाजार के प्रभार में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसमें यू. चंद्रशेखर एसएचओ नारायणगुडा, डीएसआई के साथ क्राइम स्टाफ और एक अन्य टीम जिसमें नागार्जुन इंस्पेक्टर ईस्ट ज़ोन टास्क फोर्स और उनकी टीम ने सीसीटीवी कैमरों को देखकर और तकनीक का उपयोग करके इस मामले में तीन अपराधियों को गुरुवार को नामपल्ली रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ लिया।

चिड़ियाघर में नहीं दिया जाएगा चिकन

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश के विभिन्न भागों में एवियन फ्लू के फैलने के कारण नेहरू प्राणी उद्यान में पशुओं के लिए अंडे और चिकन की आपूर्ति बंद कर दी गई है।

बर्ड फ्लू के प्रकोप की खबरों के बीच, पिछले कुछ दिनों में राज्यों द्वारा कई उपाय शुरू किए गए हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर पक्षियों को मारना, पोल्ट्री के प्रवेश को रोकने के लिए सीमाओं पर जांच और अंडे और चिकन के सुरक्षित उपभोग पर सलाह जारी करना शामिल है। नेहरू प्राणी उद्यान के अधिकारियों ने भी 380 एकड़ में फैले इस उद्यान में निवारक उपाय किए हैं, जहां पक्षीशाला और सरीसृप प्रजातियों के अलावा 1,400 से अधिक जानवर हैं। पहले कदम के तौर पर चिड़ियाघर में मांसाहारियों के लिए अंडे, चूजे और कच्चे चिकन की आपूर्ति बंद कर दी गई है और उन्हें वैकल्पिक भोजन मुहैया कराया जा रहा है। चिड़ियाघर के अधिकारियों के अनुसार, चिकन मांसाहारियों, खासकर बड़ी बिल्लियों के लिए मुख्य भोजन स्रोतों में से एक है और यहां हर दिन लगभग 60 से 70 किलो कच्चा चिकन उपलब्ध कराया जाता था। एक अधिकारी ने बताया कि हम गोमांस उपलब्ध करा रहे हैं और जहां जरूरत है, मांसाहारी जानवरों को मटन भी दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जानवरों के लिए हर दिन करीब 300 किलो गोमांस खरीदा जा रहा है। बीमार जानवरों को जरूरत पड़ने पर मटन दिया जा रहा है, जबकि अगर किसी जानवर की गोमांस खाने की इच्छा खत्म हो जाती है, तो उसे आहार में बदलाव के तौर पर सूअर का मांस खिलाया जा रहा है।

चिड़ियाघर के अधिकारियों ने कहा कि वे सतर्क हैं और नियमित रूप से जानवरों और पक्षियों के स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं। परिसर की नियमित रूप से सफाई और सैनिटाइजेशन किया जा रहा है और बड़ी बिल्लियों को एंटीवायरल और एंटीबायोटिक्स दिए जा रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि चिड़ियाघर में स्थिति नियंत्रण में है और हम देश के विभिन्न हिस्सों में बर्ड फ्लू के प्रकोप की रिपोर्टों पर नज़र रख रहे हैं। तेलंगाना के कुछ जिलों में एवियन फ्लू की खबरें हैं, इसके अलावा छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भी इसका व्यापक प्रकोप है।

नौकर दंपत्ति 2 करोड़ का कीमती सामान लेकर फरार

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नौकर के तौर पर काम करने वाले एक दम्पति ने नारायणगुडा स्थित अपने नियोक्ता के घर से 2 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति चुरा ली। नारायणगुडा में रहने वाले मकान मालिक फिलहाल दुबई में रह रहे हैं। घर में काम करने वाले बिहार के एक दंपत्ति पर संदेह है कि उन्होंने घर में चोरी की और सोने के गहने, हीरे के गहने और अन्य महंगी चीजें लेकर फरार हो गए। नारायणगुडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्व विधायक वल्लभानेनी वामसी गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गन्नावरम के पूर्व विधायक और वाईएसआरसी नेता वल्लभनेनी वामसी को गुरुवार को हैदराबाद में विजयवाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वामसी को गन्नावरम तेलुगु देशम पार्टी कार्यालय पर हमले से संबंधित एक मामले में गिरफ्तार किया गया था, जब वाईएसआरसी सत्ता में थी। पुलिस ने इस मामले में 88 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और वामसी को आरोपी संख्या ए71 बनाया गया है।

वाईएसआरसी नेता कई अन्य मामलों में भी आरोपी हैं, जिनमें बापुलापडु मंडल में टीडीपी नेता वेमुलापल्ली श्रीनिवास राव की दुकानों को अवैध रूप से ध्वस्त करना, टीडीपी नेता यार्लागड्डा वेंकटराव की हत्या का प्रयास, पूर्व पीएसीएस प्रमुख कासरनेनी रंगबाबू पर हमला और घर के फर्जी मालिकाना हक के कागजात शामिल हैं। वामसी पर बीएनएस धारा 140(1), 308, 351(3), रेड विद 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसके खिलाफ एससी, एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम का मामला भी दर्ज किया गया है। उसे हैदराबाद से विजयवाड़ा स्थानांतरित किया जा रहा है। इस बीच, वामसी ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की है, जिस पर 20 फरवरी को सुनवाई होगी।

मुख्य पुजारी पर हमला करने के आरोप में 6 और लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मोइनाबाद पुलिस ने इस महीने की शुरूआत में चिलकुर बालाजी मंदिर के मुख्य पुजारी सीएस रंगराजन पर कथित हमले के सिलसिले में छह और लोगों को गिरफ्तार किया है। राम राज्यम संगठन के संस्थापक वीरा राघव रेड्डी ने 7 फरवरी को अपने सहयोगियों के साथ मोइनाबाद के चिकुर गांव में मुख्य पुजारी के घर में कथित रूप से जबरन घुसकर बहस के बाद उन पर हमला कर दिया था। राघव रेड्डी ने अपने संगठन 'राम राज्यम' के विस्तार के लिए रंगराजन से मदद मांगी थी। उन्होंने लोगों की भर्ती के लिए मुख्य पुजारी से धन और मदद मांगी। पुलिस ने इस मामले में पहले राघव रेड्डी और पांच अन्य को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था। अब छह और लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है, जबकि 14 अन्य लोग फरार हैं।

छात्रों के लिए बजट ज्ञान परीक्षण आयोजित

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रबंधन एवं वाणिज्य संस्थान (आईआईएमसी) कॉलेज, प्लैनेट फाइनेंस बिजनेस स्कूल और वासावी क्लब, हैदराबाद ने संयुक्त रूप से गुरुवार को डिग्री और पीजी छात्रों के लिए 'बजट ज्ञान परीक्षा' का आयोजन किया। इस परीक्षा का उद्देश्य संसदीय बजट सत्र के दौरान प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट के बारे में छात्रों की समझ का आकलन करना था। इसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। परीक्षण के विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उनमें डी. तिरुमलेश (आईआईएमसी डिग्री कॉलेज), एस. कल्याण राज (निजाम कॉलेज), के. काव्या श्री (निजाम कॉलेज), सोरब सिंह (निजाम कॉलेज), डी. काव्या श्री, ईएन श्रीजा, जी. जशविनी और सम्पादिका (वीरानारायण चाकली ऐलम्मा महिला विश्व विद्यालय) शामिल थे। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य कुरा रघुवीर, वासावी क्लब के कोषाध्यक्ष प्रदीप, क्लब के सदस्य प्रभु शंकर और सृजन, प्लैनेट फाइनेंस बिजनेस स्कूल के सदस्य अखिल, उप प्रधानाचार्य संतोषी और तिरुमाला राव तथा संकाय और गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित थे।

पानी की कमी से जूझ रहे लोगों ने खाली बर्तनों के साथ किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी अभी शुरू भी नहीं हुई है, लेकिन कई इलाकों में लोग पीने के पानी के लिए खाली बर्तन लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्वाचन क्षेत्र कोडंगल में भी इस तरह के विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। गुरुवार को टेकुलकोड गांव के लोगों ने खाली बर्तनों के साथ सड़कों पर प्रदर्शन किया और शिकायत की कि पिछले कुछ दिनों से मिशन भागीरथ से पानी की आपूर्ति बंद हो गई है।

खाली बर्तनों के साथ गांव के लोगों ने नारे लगाए और पीने के पानी की आपूर्ति की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई शिकायतों के बावजूद अधिकारी उनकी समस्याओं का समाधान करने में विफल रहे। निवासियों ने कहा कि पाइपलाइनें अवरुद्ध थीं और इस बारे में अधिकारियों को सूचित किया गया था। निवासियों, खासकर महिलाओं ने इस बात पर नाराजगी जताई कि गर्मी शुरू होने से पहले ही उन्हें पीने के पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है।

तेलंगाना सचिवालय में ढह गई क्लैडिंग

वास्तु संशोधन के तहत की जा रही थी ड्रिलिंग

हैदराबाद, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सचिवालय में चल रहे संरचनात्मक संशोधनों के कारण मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के कक्ष के पास इमारत के ग्लास प्रबलित कंक्रीट (जीआरसी) क्लैडिंग के कुछ हिस्से गिर गए और इमारत के पास खड़ी एक चार पहिया गाड़ी को नुकसान पहुंचा। हालांकि, किसी के घायल होने की खबर नहीं है क्योंकि घटना के समय यह इलाका खाली था।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह घटना तब हुई जब वास्तु के अनुसार कुछ संशोधन किए जा रहे थे। इस ढांचे की वजह से रामागुंडम मार्केट कमेटी के चेयरमैन की कार क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारियों ने आगे की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तुरंत उस हिस्से को घेर लिया। निर्माण फर्म शापूरजी पल्लोनजी ने किसी भी दोष से इनकार किया और बताया कि इमारत ढहने का कारण प्रकाश और केबल बिछाने के विभागीय संचालन के तहत किए जा रहे ड्रिलिंग कार्य को बताया। कंपनी ने स्पष्ट किया कि जीआरसी संरचना के केवल कुछ हिस्से ही क्लैडिंग के लिए थे और प्रारंभिक जांच के बाद इस घटना के लिए ड्रिलिंग कार्य को जिम्मेदार ठहराया। इसने आश्वासन दिया कि इमारत संरचनात्मक रूप से सुरक्षित है और घटना की समीक्षा की जा रही है।

जल संकट के चलते किसान ने की आत्महत्या की कोशिश

सूर्यापेट, 13 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले के कुडाकुडा गांव में गंभीर जल संकट के कारण फसलें सूख जाने के कारण गुरुवार को एक युवा किसान ने आत्महत्या का प्रयास किया। कांग्रेस नेता के करीबी रिश्तेदार वेमुलाकोंडा लक्ष्मैया ने अपनी सूखती फसल के बीच कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उन्होंने एसआरएसपी नहर से समय पर पानी की आपूर्ति न होने पर अपनी पीड़ा व्यक्त की, जिसके लिए उन्होंने मौजूदा कांग्रेस सरकार की विफलता को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने बताया कि पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल में पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी के नेतृत्व में एसआरएसपी नहर का पानी समय पर छोड़ा गया था। अपनी फसल बचाने में असमर्थ लक्ष्मैया ने विरोध स्वरूप यह कदम उठाया। जैसे ही वह अपने हाथ में कीटनाशक की बोतल लेकर खेतों में पहुंचा, अन्य किसान उसकी मदद के लिए आगे आए और उसे आत्महत्या करने से रोका।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.